सांविधिक पद

कुलाध्यक्ष
श्री प्रणब मुखर्जी
महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति

श्रीमती मीरा कुमार
पूर्व लोकसभा अध्यक्ष

कुलपति

प्रो० हरीश चन्द्र सिंह राठौर
(05.08.2015 को कार्यग्रहण)

प्रति- कुलपति
प्रो० ओमप्रकाश राय
(11.03. 2016 को कार्यग्रहण)

कुलसचिव
डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल
(23.02.2016 को कार्यग्रहण)

वित्त अधिकारी

श्री गिरीश रंजन
(29.02.2016 को कार्यग्रहण)

परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी)

श्रीमती रश्मि त्रिपाठी

कुलपति की कलम से

प्रो० हरीश चन्द्र सिंह राठौर (डीएएडी एंड हम्बोल्ट फेलो)

यह हमेशा ही एक सुखद एहसास होता है जब आप अपने अतीत की तरफ पलटकर देखें, विशेषकर तब जबकि आपने छोटी कालावधि में बहुत कुछ पाया हो और जो आपके मस्तिष्क को झकझोर कर रख दें और आपकी आत्मा को संतुष्टि प्रदान करे. जब मैं पीछे मुड़कर दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में 05 अगस्त, 2015 से शुरू हुई अपनी यात्रा को देखता हूँ तो यह मुझे मिश्रित अनुभव देता है जिसमें सकारात्मक तथा विश्वविद्यालय की विकासात्मक उपलब्धियां ही खासकर ज्यादा हैं. मैं इस अवधि के दौरान प्राप्त सभी छोटी और बड़ी उपलब्धियों हेतु अपने अनुभवी संकाय सदस्यगण, जवाबदेह अधिकारीगण, कुशल कर्मचारीगण और जोशीले विद्यार्थीगण को बधाई और साथ ही धन्यवाद भी ज्ञापित करता हूँ. वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में विश्वविद्यालय की गति एवं विकास को सार रूप में प्रस्तुत करना एक अवसर प्रदान करता है कि हम संस्थान की कार्यप्रणाली का आत्मविश्लेषण कर सकें. यह हमें नयी ऊँचाईयों को प्राप्त करने हेतु सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए एक संकल्प निर्धारित करने में मदद करती है.

सीयूएसबी के लिए अप्रैल 2015 से मार्च 2016 की अवधि बेहद संतोषप्रद रही है क्योंकि विश्वविद्यालय इस काल में पर्याप्त विकास के साथ शानदार शैक्षणिक निष्पादनों का गवाह बना. हमारा संकल्प कि हम इस क्षेत्र में ही नहीं बल्कि देश में एक विश्वस्तरीय संस्थान बनाएं या स्थापित करें, इस संकल्प को विश्वविद्यालय के माणिक्य सरीखे शैक्षणिक और प्रशासनिक नेतृत्व के मेल ने जोरदार रूप से बलवती किया है. पटना और गया में किराए के परिसर में संचालन के बावजूद संकाय, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण के पूर्ण स्पष्ट लक्ष्यों और सर्वोत्तम प्रदान करने के उनके उत्साह ने अवरोधरहित विश्वविद्यालय संचालन को सुनिश्चित किया है. हमने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रतिभावान संकायगण के उचित मार्गदर्शन में उन्हें बेहतर पेशेवर के साथ- साथ देश के मूल्यों और संस्कृति को समाहित कर एक जवाबदेह नागरिक के रूप में विकसित होने हेतु एक उचित प्लेटफार्म और सुविधाएं प्रदान की हैं.

जब हम अपने विश्वविद्यालय के दैनिक मामलों में व्यस्त थे तो कुछ उपलब्धियों और सम्मानों ने हमारे रास्ते में आकर हमारे चेहरे पर चमक और खुशी लाने का काम किया है. सचमुच में इसने हमें सामूहिक प्रयास और उसके सकारात्मक परिणामों की समझ प्रदान की. नैक (मई 2016) द्वारा "ए" ग्रेड की प्राप्ति तथा एनआईआरएफ (अप्रैल, 2016) रैंकिंग में 94वां स्थान हासिल करना बड़ी उपलब्धियां थीं जिसने विश्वविद्यालय परिवार को आनंदित किया और साथ ही ऐसे अपवादित और ख़ास मुकामों या मील के पत्थरों को हासिल करने हेतु भविष्य के लिए भी प्रेरित किया.

कार्यग्रहण करने के उपरान्त मैंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास एवं प्रगति हेतु कुछ लक्ष्य निर्धारित किए. प्राथमिक और सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य था स्थायी परिसर पंचानपुर, गया में भवन निर्माण के कार्य को प्रारम्भ करना ताकि विश्वविद्यालय सभी क्षेत्रों और पहलुओं पर विकास कर सके. प्रयास का परिणाम बेहद उत्साही रहा जब माननीय पूर्व

मानव संसाधन विकास मंत्री (एमएचआरडी) श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी ने 31 अगस्त, 2015 को विश्वविद्यालय के सात भवनों की आधारशिला रखी. सांविधिक प्राधिकारों यथा शैक्षणिक परिषद्, कार्यकारी परिषद्, प्रथम कोर्ट तथा वित्त समिति की बैठकें आयोजित की गयीं ताकि विश्वविद्यालय की भलाई के प्रस्तावों और मुद्दों पर विचार विमर्श किया जा सके और निर्णय लिए जा सकें.

11 फरवरी, 2016 को आयोजित शैक्षणिक परिषद् की 14वीं बैठक में दो ऐतिहासिक निर्णय लिए गए. पहला निर्णय यह लिया गया कि हम वर्ग कक्ष व्याख्यानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने हेतु वीडियो रिकार्ड करेंगे. इस बात पर भी जोर दिया गया कि इन वर्ग कक्ष व्याख्यानों को उन विद्यार्थियों को भी उपलब्ध करवाया जाएगा जिन्होंने किसी कारण से अपनी ये कक्षाएं चूक गए हों या उन्हें दोबारा पाना चाहते हों. चुने व्याख्यानों को अपलोड कर विश्वविद्यालय एमएचआरडी की मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (एमओओसीज) को मजबूती प्रदान करने में योगदान देगी जो भारत सरकार के स्वयं कार्यक्रम की पहल के तहत सामान्य उपयोग सिद्ध होगा. दूसरा निर्णय विश्वविद्यालय ने यह लिया कि हम शैक्षणिक और सामान्य संचालन में पूर्ण ई-गवर्नेंस को अपनाएंगे ताकि सभी स्टेकहोल्डर्स हेतु पूर्ण पारदर्शिता और त्वरित पहुँच सुनिश्चित की जा सके. इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के पास उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संस्थान बनने हेतु कई योजनाओं और परियोजनाओं की विस्तारित सूची है. यह सत्य सर्वविदित है कि ऐसे कार्यों और परियोजनाओं को पूर्ण करना एक या दो व्यक्ति से संभव नहीं है बल्कि वास्तव में इसके लिए टीमवर्क की जरूरत है और विश्वविद्यालय के उद्देश्यवाक्य " कलेक्टिव रीजनिंग (सामूहिक चिंतन)" पर विश्वास से संभव है.

अपनी बात समाप्त करने से पूर्व मैं यह अवश्य कहूंगा कि " सफलता भाग्य की बात नहीं है बल्कि यह विकल्पों का चयन है, यह इंतज़ार करने की चीज नहीं है बल्कि यह प्राप्त करने की चीज है". इस विश्वास और सकारात्मक सोच के साथ मैं यह कहूंगा कि सीयूएसबी आने वाले वर्षों में रात- दिन प्रयास करनेवाले अपने सामूहिक और समर्पित टीम प्रयास के साथ और अधिक सफलताओं को अवश्य ही हासिल करेगा और क्षेत्र के साथ-साथ देश का अग्रणी संस्थान बनेगा.

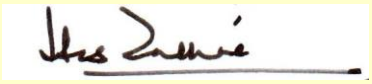

(प्रो० हरीश चन्द्र सिंह राठौर)

विषय-सूची

1. बड़ी उपलब्धियां/कार्यकारी सारांश पृष्ठ सं. 1-3

2. सीयूएसबी एक नज़र पृष्ठ सं. 4-8

3. सीयूएसबी में सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं आयोजन पृष्ठ सं. 9-18

4. **स्कूल एवं केन्द्र/ विभाग** पृष्ठ सं. 19-67

I. स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़
II. स्कूल ऑफ एजुकेशन
III. स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़
IV. स्कूल ऑफ लैंगवेजेज़ एंड लिटरेचर
V. स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस
VI. स्कूल ऑफ मीडिया, आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स
VII. स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस
VIII. स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसीज़

5. शैक्षणिकी पृष्ठ सं. 68-79

6. प्लेसमेंट्स/ फेलोशिप्स पृष्ठ सं. 80-81

7. नियुक्तियाँ/ भर्तियाँ पृष्ठ सं. 82-85

8. वित्त एवं लेखा पृष्ठ सं. 86

9. विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकार पृष्ठ सं. 87-89

10. प्राधिकारों की बैठकें पृष्ठ सं. 90

बड़ी उपलब्धियां/कार्यकारी सारांश

नए कुलपति :- सीयूएसबी ने 17 माह के लम्बे अंतराल के बाद नए कुलपति प्रो० हरीश चन्द्र सिंह राठौर को प्राप्त किया जिन्होंने कार्यकारी कुलपति प्रो0 देबदास बनर्जी से दिनांक 05 अगस्त, 2015 को द्वितीय कुलपति के रूप में अपना कार्यग्रहण किया.

नैक मान्यता :- सीयूएसबी ने नैक (नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिशन काउन्सिल) से 'ए' ग्रेड की मान्यता अपने प्रथम प्रयास में 3.01 के स्कोर के सीजीपीए (कम्युलेटिव ग्रेड पॉइंट एवेरेज) के साथ 25 मई, 2016 को प्राप्त की.

94वां एनआईआरएफ रेंकिंग :- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 04 अप्रैल, 2016 को नेशनल इन्स्टीट्यूशनल रेंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में सीयूएसबी को भारत के 100 विश्वविद्यालयों में सूचीबद्ध घोषित किया गया है. सीयूएसबी 94वां स्थान हासिल कर यह उपलब्धि पानेवाली बिहार में एकमात्र यूनिवर्सिटी है.

नए शैक्षणिक कार्यक्रम : - साइकोलोजी में एमफिल पीएचडी के साथ बी.वोक इन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स को भी शैक्षणिक वर्ष 2015- 16 में प्रारम्भ किया गया है.

विद्यार्थियों का नामांकन/ सीयूएसबीईटी 2015 :- सीयूएसबी ने ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा सीयूएसबीईटी (सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार एंट्रांस टेस्ट), 2015 को 30 एवं 31 मई 2015 को पूरे देश में 15 केन्द्रों पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जानेवाली अंडरग्रेजुएट, पोस्ट्ग्रेजुएट एवं इन्टीग्रेट एमफिल. पीएचडी 30 एवं 31 मई 2015 को आयोजित इस प्रवेश परीक्षा में 2249 उम्मीदवार शामिल हुए. लिखित एवं साक्षात्कार के माध्यम से कुल 408 उम्मीदवारों को यूजी, पीजी एवं इन्टीग्रेट एमफिल पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया.

नई नियुक्तियाँ/ भर्तियाँ :-

शैक्षणिक पद – इस अवधि के दौरान कुल 32 संकायगण की न्युक्तियाँ नियमित आधार पर की गयी जिनसे कुल संख्या 111 हो गयी है जिनमें 03 संकाय सदस्य पुनः नियुक्ति आधार पर तथा 12 संविदा आधार पर नियुक्त किये गये.

गैर शैक्षणिक पद – इस अवधि के दौरान कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी तथा परीक्षा नियंत्रक के पद सहित 05 सांविधिक पदों को भरा गया. अतः गैर शैक्षणिक पदों की कुल संख्या अब 86 तक पहुँच गयी है.

सहायता अनुदान :- कुल 17873.92 लाख (पिछले वर्ष के अव्ययित शेष राशि रू० 10919.40 लाख, इस वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान राशि रू० 6000.00 लाख, आन्तरिक श्रोतों से प्राप्त राशि रू० 954.52 लाख), में से विश्वविद्यालय ने 8784.78 लाख का शेष छोड़ते हुए रू० 9089.14 लाख का उपयोग किया. इसके अलावा विश्वविद्यालय ने 2218.00 लाख रू० की राशि पंचानपुर स्थित सैन्य भूमि की खरीद की प्रतिपूर्ति हेतु प्राप्त किया है.

नैक से सीयूएसबी को 'ए' ग्रेड की मान्यता

सीयूएसबी ने नैक (नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिशन काउन्सिल) से 'ए' ग्रेड की मान्यता अपने प्रथम चक्र में 3.01 के स्कोर के सीजीपीए (कम्युलेटिव ग्रेड पॉइंट एवेरेज) के साथ प्राप्त की. नैक द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता की संस्तुति 25 मई, 2016 को स्थायी समिति की 15 वीं बैठक में प्रदान की गयी. कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मेहराजुद्दीन मीर के नेतृत्व में 8 सदस्यीय नैक पियर टीम ने 26-29 अप्रैल, 2016 के दौरान सीयूएसबी का निरीक्षण किया. प्रो० मीर का साथ प्रो० के.के.बजाज (सदस्य समन्वयक), पूर्व डीन सीडीसी एवं परीक्षा नियंत्रक, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, प्रो० एस.बी.सिंह, पूर्व प्राचार्य, आरआईई, अजमेर, अध्यक्ष, स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंसेज, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, इंदौर, डा. एम. विमला, हिन्दी विभाग, बैंगलोर यूनिवर्सिटी, प्रो० नसीब सिंह गिल, डिपार्टमेंट ऑफ़ कम्प्यूटर साइंस, महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक, प्रो० आर.के.एस.धरकरे, डिपार्टमेंट ऑफ़ केमेस्ट्री, डा. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा तथा प्रो० जी.पी.ठाकुर, मनोविज्ञान के पूर्व प्रोफ़ेसर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने दिया.

चार दिवसीय दौरे पर नैक पियर टीम ने विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में उपलब्ध संसाधनों एवं सुविधाओं का निरीक्षण किया. टीम ने सीयूएसबी के पंचानपुर स्थित स्थायी परिसर का भी निरीक्षण किया और विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन भवन कार्य का जायज़ा लिया. टीम ने वर्तमान विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों तथा गैर- शैक्षणिक कर्मचारियों से अलग से एक इंटरेक्टिव मीटिंग भी की और विकास हेतु उनके द्वारा साझा किये गए प्रतिपुष्टि/सलाहों को विशेष रूप से अंकित किया. टीम सीयूएसबी के सकारात्मक पहलुओं यथा सभी सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाओं, हजारों पुस्तकों एवं जर्नल्स सहित पुस्तकालयों, प्रोजेक्टर एवं ऑडियो-विजुअल सिस्टम सहित लेक्चर हाल्स, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, समय पर परीक्षाओं का आयोजन तथा अच्छे जॉब प्लेसमेंट आदि से संतुष्ट थे. इनके अतिरिक्त विदेशी प्रतिष्ठा एवं उत्कृष्ट शिक्षण प्रणाली की परख रखनेवाले संकाय की उपस्थिति और उनके मार्गदर्शन द्वारा विद्यार्थियों के उचित निखार ने नैक टीम को प्रभावित किया.

एनआईआरएफ रेंकिंग में सीयूएसबी को 94वां स्थान

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 04 अप्रैल, 2016 को नेशनल इन्स्टीट्यूशनल रेंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में सीयूएसबी को भारत के 100 विश्वविद्यालयों में सूचीबद्ध घोषित किया गया है और इसने 94वां स्थान हासिल किया है. वास्तव में, सीयूएसबी बिहार में एकमात्र यूनिवर्सिटी है जिसने एनआईआरएफ रेंकिंग में स्थान पाया है. तुलनात्मक रूप में नयी यूनिवर्सिटी और पटना तथा गया से किराए के परिसरों से भौगोलिक रूप से दूरी से संचालन के बावजूद सीयूएसबी ने हमारे शिक्षकों, शिक्षण प्रणाली, शोध सुविधाओं एवं अन्य सम्बंधित क्षेत्रों में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं. विश्वविद्यालय ने 100 पॉइंट्स में 48.89 पॉइंट्स प्राप्त किए हैं, यद्यपि वास्तव में यह कुल 75 अंकों में प्राप्त किये हैं, क्योंकि अवसंरचना, खेलकूद एवं अन्य सुविधाओं पर निर्धारित अंकों में से कोई भी अंक नहीं दिया गया है क्योंकि विश्वविद्यालय अभी किराए के परिसर से संचालित है और वर्तमान में अपना परिसर नहीं है.

एनआईआरएफ रेंकिंग की घोषणा के बाद सीयूएसबी के कुलपति प्रो० हरीश चन्द्र सिंह राठौर ने विश्वविद्यालय परिवार में शामिल संकायों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को बीआईटी ऑडिटोरियम, पटना में संबोधित किया. कुलपति ने जनसमूह को इस उपलब्धि हेतु बधाई दी और उनका धन्यवाद ज्ञापित किया. प्रो० राठौर ने कहा कि रेंक की प्राप्ति हमारे लिए गर्व का विषय है परन्तु 94 वां रेंक सोच का विषय है. पर हम 94 वां रेंक पाकर कमतर या हतोत्साहित ना हों, बावजूद इसके हमें इसे चुनौती के तौर पर आशावादी नजरिए से लेना चाहिए और आनेवाले वर्षों में अपने रेंक में सुधार का सर्वोत्तम प्रयास करना चाहिए. एक मर्तबा जैसे ही यूनिवर्सिटी पंचानपुर स्थित अपने स्थाई परिसर में स्थानांतरित हो जाती है तो अवसंरचना और अन्य सुविधाओं की कोई कमी नहीं रह जाएगी. हम यह आशा करते हैं कि यदि शैक्षणिक क्षेत्र में हम उत्कृष्टता पाने का प्रयास करते हैं तो हम अवश्य ही देश के शीर्ष और चुनिन्दा 20-25 संस्थानों में शुमार होंगे.

सीयूएसबी एक नज़र

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) संसद के केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (2009 के 25वें खंड) के तहत स्थापित 16 नवीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा दो परिसर किराये के मकान में पटना तथा गया में संचालित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर गया रेलवे स्टेशन से लगभग 12 कि.मी. दूर पंचानपुर में स्थापित हो रहा है। विश्वविद्यालय विश्व स्तर के शिक्षकों, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, विभिन्न कार्यक्रमों में वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पूरी संरचना के साथ-साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के प्रदर्शन की कुल आंतरिक मूल्यांकन के साथ चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) प्रदान करता है। 'छात्रों के समग्र व्यक्तित्व के पोषण करने के लिए समर्थन प्रणाली और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए दृष्टिकोण, नवीन शिक्षण, सुव्यवस्थित ढांचागत सुविधाओं और छात्रों के साथ अनुकूल और प्रभावी अनुसंधान उन्मुख वातावरण मुख्य विशेषताएं हैं!

अधिनियम की धारा 5 में यथा उल्लिखित, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं:

"...विद्या के ऐसे क्षेत्रों में, जहां विश्वविद्यालय उपयुक्त समझे, शिक्षण एवं शोध की सुविधा प्रदान कर ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना, अपने शैक्षणिक कायक्रमों के मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संश्लेषित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना एवं शिक्षा अर्जन पद्धति तथा अंतरविषयी अध्ययन एवं शोध में अभिनव विचारों को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त उपाय करना, देश के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उन्नयन हेतु उद्योग जगत से तारतम्य स्थापित करना तथा लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, उनके कल्याण तथा उनकी बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास की ओर विशेष ध्यान देना।"

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के अनुसरण में तथा समाज की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने 2009 में प्रारंभ से ही विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा अपना विकास किया है। एक सच्ची और विनम्र शुरूआत के साथ स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसीज़ के तहत सेंटर ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़ की स्थापना की गई जो एमए डेवलपमेंट स्टडीज़ में दो वर्षीय मास्टर ऑफ आर्टस् प्रदान कर रहा है । अगले शैक्षणिक वर्ष 2010-11 में विश्वविद्यालय ने 5 अतिरिक्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम बायोटेक्नोलॉजी , कंप्यूटर साइंस, एनवायरनमेंटल साइंस, मेथेमेटिक्स और स्टैटिस्टिक्स की शुरूआत की। शैक्षणिक वर्ष 2011-12 में 3 और स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामतः बायोइनफॉरमेटिक्स, कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़ एंड साइकोलॉजी को जोड़ा गया। शैक्षणिक वर्ष 2012-13 में 7 नए मास्टर/स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामतः लाइफ साइंस, इकोनॉमिक्स, इंगलिश, हिंदी, पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, सोशियोलॉजी एवं एमटेक कंप्यूटर साइंस को प्रारंभ किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड ड्यूअल डिग्री बीए.बीएड एवं बीएससी.बीएड को स्कूल ऑफ़ एजुकेशन के तहत तथा पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ डिग्री प्रोग्राम बीए.एलएलबी (ऑनर्स) एवं बीएससी.एलएलबी (ऑनर्स) को स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस के तहत प्रारंभ किया गया। स्कूल ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज के तहत सत्र 2015-16 से बी.वोक. इन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए। 2013 से सभी विषयों में पीएचडी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ

केन्द्रीय पुस्तकालय

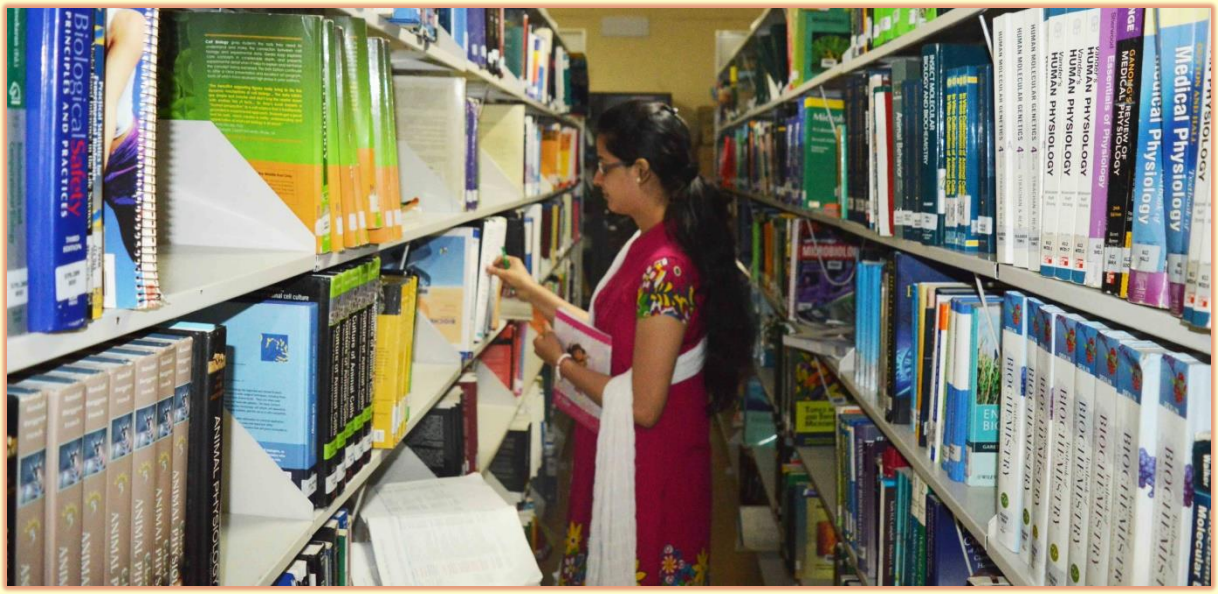

केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय का हृदय है। पुस्तकालय के पास अध्यतन संस्करण के शीर्षक के पुस्तकों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स की पर्याप्त संख्या और सुंदर संग्रह उपलब्ध है । पुस्तकालय ने 19,182 से अधिक पुस्तकों का एक संतुलित संग्रह तैयार किया है जो विभिन्न साइंस एवं सोशल साइंस विषयों में शैक्षणिक गतिविधियां, शिक्षण एवं शोध को परिपोषित करती है। सभी पुस्तकों को डेवी डेसीमल क्लासिफिकेशन स्कीम (डीडीसी) की सहायता से बार कोडित तथा शेल्फस्(आलमारियों) में सजाया जा चुका है। पुस्तकालय की पुस्तकों का एक ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस केटेलॉग (ओपीएसी) भी विद्यार्थियों, संकायों एवं कर्मचारियों हेतु विश्वविद्यालय परिसर के सभी कंप्यूटरों पर उपलब्ध है। पुस्तकालय ने 89 गुणवत्तापूर्ण प्रिंट जर्नल एवं पत्रिकाओं, 444 जर्नल्स की बाउंड वॉल्यूम तथा 100 प्रोजेक्ट रिपोर्ट के साथ विश्व में नामचीन प्रकाशकों के 8785 से अधिक फुल टेक्स्ट इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स की भी सदस्यता ग्रहण की है। पुस्तकालय सेवाओं में पुस्तकों का परिसंचरण (जारीकरण/वापसी), डेलनेट नई दिल्ली के द्वारा इंटर-लाइब्रेरी लोन, पुस्तकों एवं जर्नल हेतु करेंट अवेयरनेस सर्विस (सीएएस), फोटोकॉपी इत्यादि शामिल हैं। उपयोगकर्ता (यूजर्स) पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता, पुस्तकों की वर्तमान स्थिति, वापसी की नियत तिथि, पुस्तक को रिजर्व होल्ड (पास रखने) की स्थिति को ओपीएसी इस्तेमाल कर जान सकते हैं। विद्यार्थियों संकायों एवं कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच विश्वविद्यालय परिसर में उनके कंप्यूटरों पर ही उपलब्ध हैं। इन संसाधनों तक पहुंच को वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) द्वारा 24 X 7 सन्दर्भ सेवा में विस्तारित किया गया है । पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों को प्रातः 09:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक खुला रहता है।

सेंट्रल कंप्यूटिंग फैसिलिटी (सीसीएफ)

आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर/ कंप्यूटर प्रयोगशाला

विभिन्न केन्द्रों/विभागों की कंप्यूटिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के पास एक कॉमन कंप्यूटिंग सुविधा है। कंप्यूटर प्रयोगशाला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ को उनके सत्रीय कार्यों, परियोजनाओं, शोध निबंधों और शोध संबंधी कार्यों को पूरा करने के लिए एक सेंट्रल कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध करा रहा है । कंप्यूटर प्रयोगशाला में प्रिंटिंग एवं स्कैनिंग सुविधायें प्रदान की जाती हैं । शिक्षकों को व्यक्तिगत डेस्कटॉप/ लैपटॉप उनके पुल प्रिंटर के साथ प्रदान किए गए हैं जो उनके व्याख्यानों एवं उनके शोध जरूरतों को पूरा करते हैं लगभग सभी प्रशासनिक डेस्क पर उचित संख्या में डेस्कटॉप के साथ प्रिंटर/ फोटोकॉपी की सुविधा प्रदान की जा रही है।

इंटरनेट और इंट्रानेट

इंटरनेट कनेक्टिविटी भारत सरकार की नेशनल मिशन ऑन एजुकेशन थ्रू इन्फार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनएमई-आईसीटी) योजना के तहत प्रदान की जाती है। सभी कंप्यूटर 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी से जुड़े हुए हैं। गिगाबाइट इथरनेट और ओएफसी बैकबोन से लैस इंट्रानेट नेटवर्क विभागों/केन्द्रों, पुस्तकालय, प्रशासन और वर्ग कक्षों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

संसाधन

वर्तमान में विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में उच्च गुणवत्ता वाले 500 कंप्यूटर उपलब्ध हैं। सभी कंप्यूटर अत्याधुनिक ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर से लेस हैं जो सभी शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करते हैं। कंप्यूटर फॉयरवाल तथा विश्वसनीय एंटीवायरस सॉफ्टवेयर से सुरक्षित हैं जो कंप्यूटरों को कंप्यूटर वायरस, मालवेयर तथा असुरक्षित पहुंच से बचाते हैं।

ई-लर्निंगं उपकरण (एक दृष्टि)

एनएमई-आइसीटी योजना के अंतर्गत, एक दृष्टिवर्ग कक्ष कतिपय विश्वविद्यालयों को एक साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता रहा है और यह विद्यार्थियों के लिए आभासी विश्व का सृजन करता है। यह ज्ञान कैफे की तरह भी काम करता है जहां विद्यार्थी यथार्थ कक्षा के बाद दिए गए व्याख्यान के विषय में विचार-विमर्श/चर्चा कर सकते हैं! ।

वेबसाइट तथा ई-मेल सुविधा

विश्वविद्यालय का एक पूर्ण कार्यशील वेबसाइट विकसित किया गया है । इसे नियमित रूप से अनुरक्षित और अद्यतन किया जाता है । वेबसाइट का यूआरएल www.cusb.ac.in है । विश्वविद्यालय के पास विद्यार्थियों एवं अध्यापकों एवं कर्मचारियों को समूह में मेल भेजने की क्षमता वाला शक्तिशाली ई-मेल सिस्टम है।

विद्यार्थियों हेतु सुविधायें

छात्रावास

वर्तमान में विश्वविद्यालय भुगतान आधार पर लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास सुविधा प्रदान करता है । वर्तमान में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास और भोजनगृह की सुविधा उपलब्ध है।

परिवहन

छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों हेतु छात्रावास और परिसर के बीच साप्ताहिक दिनों में परिवहन सुविधा प्रदान की जाती है। शहर के विभिन्न भागों में रहने वाले दैनिक छात्रों को भी निर्धारित रूट/स्थानों से परिवहन सुविधा प्रदान की जाती है । परिवहन सुविधा विश्वविद्यालय को मार्जिनल शुल्क प्रदान कर ली जा सकती है।

स्वास्थ्य केन्द्र

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र मामूली शुल्क लेकर प्राथमिक उपचार रेजीडेंट डाक्टरों की देखरेख में उपलब्ध कराता है । विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, संकायों तथा विद्यार्थियों की स्वास्थ्य सम्बंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चिकित्सक नियमित रूप से आते हैं।

विद्यार्थी मेडिक्लेम पॉलिसी

विद्यार्थी मेडिक्लेम विद्यार्थियों के लिए नेशनल इंश्योरेंस कंपनी की एक अनोखी पॉलिसी है जो उन्हें स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत दुर्घटना हेतु बीमा प्रदान करती है। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी इस योजना के तहत बीमित हैं जिसके तहत वे अधिकृत अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के पात्र हैं साथ ही साथ अन्य अस्पतालों में 50,000 रूपए की सीमा तक चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर प्रतिपूर्ति ले सकते हैं।

छात्रवृत्ति योजनायें

विश्वविद्यालय में योग्य और जरूरतमंद विद्यार्थियों हेतु निम्नलिखित छात्रवृत्ति/सहायतावृत्ति की योजनाएं उपलब्ध हैं: नामतः (i) सीयूएसबीईटी/सेमेस्टर टॉपर हेतु मेधा छात्रवृत्ति (ii) मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति (iii) गेट छात्रवृत्ति (iv) अध्ययन सह उपार्जन (ईडब्ल्यूवाईएल) योजना तथा (v) उपस्थिति आधारित मेधा छात्रवृत्ति

मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन सेवायें

शारीरिक स्वास्थ्य की तरह मानसिक स्वास्थ्य कार्यकुशलता और उत्पादकता निर्धारित करता है। मानसिक स्वास्थ्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, रचनात्मकता और शैक्षणिक संस्थानों में सौहार्दपूर्ण माहौल के लिए महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक विकसित दृष्टिकोण के साथ संस्थान हेतु एक मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन सेवाओं को अपनाया है।

कैम्पस प्लेसमेंट

विश्वविद्यालय के पास एक कैरियर काउंसिलिंग और प्लेसमेंट सेल है जो विभिन्न केन्द्रों और विभागों के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट और रोजगार के अवसरों का ख्याल रखता है।

छात्र कल्याण बोर्ड

डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) कक्षाओं के बाहर के छात्रों को व्यक्तित्व के विकास और आगे बढ़ने में योगदान हेतु सामान्य कल्याण के लिए जिम्मेदार है। डीएसडब्ल्यू का कार्यालय विभिन्न कर्तव्यों और कार्यों को निष्पादित करती है, यथा. (i) विश्वविद्यालय के बाहर शैक्षिक पर्यटन, यात्रा और खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए व्यवस्था बनाना (ii) सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन (iii) छात्र निकायों का गठन (iv) छात्र शिक्षक सम्बन्ध (v) जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता और यात्रा के लिए रियायत तथा अन्य सुविधाएं (vi) देश में या विदेश में आगे के अध्ययन के लिए फैलोशिप/छात्रवृत्ति की सुविधा (vii) स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवायें (viii) छात्र परामर्श (ix) दिव्यांग छात्रों को या महिलाओं को विशेष सहायता (यदि आवश्यक हों तो) उपलब्ध करना (x) छात्र इनफॉर्मेशन सर्विसेज (xi) पूर्व छात्र संघ (xii) कुलपति द्वारा प्रत्यायोजित तथा अधिकृत प्रमाण पत्र जारी करना।

सीयूएसबी में समितियां/प्रकोष्ठ/ समूह

क्रम सं.	समितियों/प्रकोष्ठों/ समूहों के नाम
1	एंटी रैंगिंग सेल
2	बिल्डिंग एंड वर्क्स कमिटी
3	कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल
4	सेन्ट्रल परचेज कमिटी
5	कल्चरल एक्टिविटीज कमिटी
6	सामान अवसर प्रकोष्ठ
7	गेम्स एंड स्पोर्ट्स कमिटी
8	गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु शिकायत निवारण समिति
9	विद्यार्थियों हेतु शिकायत निवारण समिति
10	शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु शिकायत निवारण समिति
11	इन्स्टीट्यूशनल बायो-शेफ्टी कमिटी (आईबीएससी)
12	आतंरिक शिकायत समिति
13	लीगल एड क्लीनिक
14	लाइब्रेरी कमिटी
15	प्लानिंग एंड डेवलपमेंट बोर्ड
16	प्रोक्टोरियल बोर्ड
17	एससी/एसटी/ ओबीसी/ अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ
18	संगोष्ठी/ सम्मलेन/कार्यशाला समिति
19	स्पर्श (सेन्सिटाइजेशन, प्रीवेंशन एंड रीड्रेशल ऑफ सेक्सुअल हेरासमेंट) सेल
20	स्टडी सर्कल – “रेनेसां”
21	स्माइल- सोशल सर्विस ग्रुप
22	टास्कफोर्स फॉर वीमेन
23	उन्नत भारत अभियान (यूबीए) प्रकोष्ठ
24	यूनिवर्सिटी वेबसाईट एंड इंटरनेट कमिटी

सीयूएसबी में सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं आयोजन

सीयूएसबी में इस अवधि के दौरान सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, खेल-कूद प्रतियोगिताओं सहित बहुतायत में शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ/ आयोजित किये गये. इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय महत्व के दिवस यथा स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस आदि भी पूरे जोशो-खरोश के साथ आयोजित किए गए.

महत्वपूर्ण आयोजन/ घटनाएं

नए कुलपति प्रो0 एच.सी.एस.राठौर ने कार्यग्रहण किया (05 अगस्त, 2015)

सीयूएसबी ने 17 माह के लम्बे अंतराल के बाद नए कुलपति को प्राप्त किया जिन्होंने कार्यकारी कुलपति प्रो0 देबदास बनर्जी से दिनांक 05 अगस्त, 2015 को अपना कार्यग्रहण किया. डीएएडी एवं हम्बोल्ट फेलो, प्रो0 राठौर के पास शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र का विस्तृत एवं गहन अनुभव है. सीयूएसबी में कार्यग्रहण करने से पूर्व प्रो0 राठौर बीएचयू, वाराणसी में फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के डीन थे. वह आन्तरिक गुणवत्ता नियंत्रण प्रकोष्ठ के समन्वयक थे तथा लगभग 6 वर्षों तक बीएचयू के चीफ प्रॉक्टर रहे.

प्रो0 राठौर ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान हेतु कई अध्येतावृत्ति एवं पुरस्कारों को प्राप्त किया. वह एमएचआरडी, यूजीसी, नैक एवं एनसीटीई द्वारा गठित कई राष्ट्रीय समितियों के सदस्य होने के साथ ही एक दर्जन से अधिक पेशेवर राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय निकायों के सदस्य रहे.

शिलान्यास समारोह (31 अगस्त, 2015)

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री (एमएचआरडी), भारत सरकार श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने 31 अगस्त, 2015 को पंचानपुर, गया में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के भवनों के शिलान्यास के नींव रखी. माननीय मंत्रीजी के साथ एमपी श्री प्रेम कुमार शर्मा, एमएलसी श्री कृष्ण कुमार सिंह, टेकारी(गया) से एमएलए डा. अनिल कुमार सिंह, उच्चतर शिक्षा विभाग के सचिव श्री विनय शील ओबेरॉय और अन्य शामिल थे. केंद्रीय मंत्री ने प्रथम फेज के अंतर्गत सात भवनों नामतः केन्द्रीय कार्यालय, स्कूल ऑफ अर्थ बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंस, स्कूल ऑफ सोशल साइंस एंड पॉलिसी, छात्र छात्रावास, छात्रा छात्रावास, लेक्चर कॉम्प्लेक्स, एवं डाइनिंग हॉल की नींव रखी.

सीयूएसबी के कुलपति प्रो0 एच.सी.एस.राठौर ने अपने स्वागत भाषण में केंद्रीय मंत्री को इस समारोह में शिरकत करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया. कुलपति ने विश्वविद्यालय के तथ्यों को प्रस्तुत किया और केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना सहित विश्वविद्यालय के विकास हेतु कुछ मांगें रखी. श्रीमती ईरानी ने अपने भाषण की खुशनुमा माहौल में शुरूआत की और कहा कि श्रोताओं में मौजूद प्रत्येक दूसरा विद्यार्थी आज स्मार्टफोन लिए है. मैं विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को फ्री वाई-फाई सुविधा प्रदान करना चाहती हूँ. मंत्री महोदया ने शिक्षा और शोध से संबंधित सरकारी परियोजनाओं यथा 'ई-शोध सिन्धु', 'ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क' (जीआइएएन), ' स्वयं', 'उन्नत भारत अभियान' आदि के बारे मे तथा विश्वविद्यालय हेतु इनके महत्व को बताया.

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट एड्वान्सेस इन मेथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस (आइसीआरएएमएससीएस)- (मई 29-31, 2015)

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस ने एक तीन दिवसीय सम्मलेन "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट एड्वान्सेस इन मेथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस" (आइसीआरएएमएससीएस) का आयोजन मई 29-31, 2015 के दौरान आयोजित किया. सम्मलेन का उदघाटन

इंडियन काउन्सिल ऑफ एग्रीकल्चरल रीसर्च (आईसीएआर) पटना कॉम्प्लेक्स में पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी पार्क, पीके, यूएसए के पूर्व संकाय एवं मुख्य अतिथि प्रो0 जी.पी.पाटिल ने किया.

सम्मलेन के अध्यक्ष प्रो0 अरूण कुमार सिन्हा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि ये सुखद अनुभव है कि यहाँ शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, विद्वान् और औद्योगिक पेशेवर आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरणों पर विचार करने एवं इसके समाज, राष्ट्र विकासशील विश्व हेतु इस्तेमाल पर विचार के लिए एकत्रित हुए हैं. प्रो0 जी.पी.पाटिल ने शीर्षक ' मल्टीवेरिएट रैंकिंग, प्रायरटिजेशन एंड सेलेक्सन इन मल्टीवेरिएट नॉन- पैरामेट्रिक स्टेटीस्टिक्स' पर अपना उदघाटन भाषण दिया. जेपी ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यट, गाजियाबाद के प्रो0 भूदेव शर्मा ने अपने मुख्य संबोधन में ' सम एड्वान्सेस इन कोडिंग, वेगनेस मेजर्स एंड एग्रेगेशन ओपरेटर्स' पर बात की. अन्य मुख्य वक्ताओं में इंडियन स्टेटिस्टीकल इन्स्टीट्यूट (आईएसआई), कोलकाता के प्रो. बी.के. सिन्हा तथा बेरी यूनिवर्सिटी, फ्लोरिडा, यूएसए के जे.एन. सिंह थे. तीन दिवसों में मेथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस के विभिन्न शीर्षकों पर प्रख्यात शिक्षाविदों, औद्योगिक जगत के नामचीन हस्तियों, शोध विद्वानों ने एक बड़ी संख्या में पेपर प्रस्तुत किए.

इंटरनेशल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इंप्लीकेशंस ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (12-14 फरवरी, 2016)

सीयूएसबी के सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज (सीबीएस) ने 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इंप्लीकेशंस ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (आईसीएचआईबी) - (12-14 फरवरी, 2016) आयोजित किया। तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो0 आसिफ अहमद ने सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर, डा. आर.एस. राठौर एवं सीबीएस के डा. रिजावानुल हक की उपस्थिति में किया। प्रो. आसिफ अहमद ने 'रिस्की बिजनेस ऑफ प्रिगनेंसी' पर एक संक्षिप्त वार्त्ता प्रस्तुत की। उन्होंने मूत्र में उच्च रक्तचाप और उच्च प्रोटीन के कारण गर्भावस्था के दौरान गड़बड़ी 'प्री-इक्लेम्प्सिया' पर अपनी बात रखी। प्रायः यह प्रत्येक 50 गर्भवती महिलाओं में से एक में पाया जाता है तथा जिसकी पहचान यथा सीजर्स, स्ट्रोक्स, प्रीमेच्योर बच्चे की मृत्यु या माता की मृत्यु में होती है।

प्रो. अहमद ने कहा कि उनकी टीम इस डिसआर्डर पर अध्ययन कर रही है और गर्भावस्था की जटिलताओं को दूर करने के नवीन और आसान उपाय विकसित कर रही है। सीयूएसबी के कुलपति ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी सचमुच में मानव जाति के लिए अच्छा है परन्तु आधारभूत सामाजिक मूल्यों की अनदेखी अवश्य ही नहीं की जा सकती है। उन्होंने शोधार्थियों से मारक बिमारियों हेतु दवाएँ विकसित करने एवं अपशिष्ट पदार्थों के टूटन से नये तरीके ईजाद करने की अपील की। उद्घाटन दिवस पर सीयूएसबी ने एस्टन यूनिवर्सिटी ऑफ यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ स्टेम सेल थैरेपी, ड्रग डिजाइनिंग थैरेपी, मेंटल हेल्थ आदि पर एक समझौता ज्ञापन पत्र भी हस्ताक्षरित किया। तीन दिवसीय सम्मेलन में कई पत्र, वार्त्ताएँ, पोस्टर्स लगभग 500 आगंतुकों द्वारा प्रस्तुत किए गए जिनमें विद्वान, वैज्ञानिक, शोधार्थी और छात्रगण शामिल थे।

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूएसबीईटी) - 2015

4 यूजी, 16 पीजी तथा 7 एकीकृत एमफिल-पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश हेतु 30 और 31 मई, 2015 को एक ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।

सीयूएसबी में वार्षिक खेल-कूद समारोह

पटना परिसर में वार्षिक खेल-कूद कार्निवल का आयोजन 16-23 जनवरी के दौरान खेल-कूद समिति के सदस्यों डा. राजेश कुमार रंजन, डा. प्रभात रंजन, डा. अमृता श्रीवास्तव तथा श्री अरविंद सारस्वत (एसआई) के पर्यवेक्षण में आयोजित हुआ। एक हफ्ते की लम्बी अवधि में बैडमिंटन, शंतरंज, कैरम तथा क्रिकेट के खेल छात्रों एवं छात्राओं हेतु तथा टेबल टेनिस (केवल छात्रों) हेतु आयोजित हुए । 22 जनवरी को कुलपति प्रो0 एच.सी.एस. राठौर ने लड़कियों के क्रिकेट मैच का उद्घाटन किया जिसमें टीम 'ए' ने 102 रन बनाए और टीम 'बी' को 2 रन से हरा दिया।

इसी प्रकार वार्षिक खेलकूद मीट नामतः 'उमंग 2016' गया परिसर में 17-20 फरवरी, 2016 के दौरान आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में इंडोर एवं आउटडोर गेम्स लड़कों एवं लड़कियों हेतु आयोजित किए गए जो नामतः लंबीकूद, ऊँचीकूद, शॉटपुट, टग ऑफ वार, 100 x 4 रिले दौड़, 800 मी0 दौड़, 400 मी0 दौड़, स्प्रिंट 200 मी0, स्प्रिंट 100 मी0, वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, क्रिकेट (छात्र सिर्फ) तथा फुटबॉल (छात्र सिर्फ) थे। गया परिसर में एनुअल स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन प्रो0 एस. पी. श्रीवास्तव, डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने डा. सनत कुमार शर्मा, डीन ऑफ स्टुडेंट्स वेलफेयर, संकायगण एवं विद्यार्थीगण की उपस्थिति में किया।

विभिन्न खेलों के विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कार, प्रमाणपत्र एवं मैडल्स पटना एवं परिसरों में दिए गए।

महत्त्वपूर्ण दिवस/ समारोह

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2015)

स्वतंत्रता दिवस समारोह विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में आयोजित किया गया। पटना में आयोजन की शुरूआत कुलपति एच.सी. राठौर को 'गार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान करने से हुई जिसके उपरांत राष्ट्रीय ध्वज को फराया गया और राष्ट्रगान गाया गया। स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कुलपति ने इस विशेष दिवस के बारे में अपने विचार साझा किए तथा भविष्य की योजनाएँ भी बताई। आयोजन में आगे विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिनमें लोकनृत्य, लोकगीत, राष्ट्रभक्ति गीत तथा शहीद अशफाक उल्ला खाँ पर एक नाटक भी शामिल था।

दोनों परिसरों में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति सांस्कृतिक समिति के निर्देशन में आयोजित हुई।

हिन्दी दिवस तथा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन (दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2015)

विश्वविद्यालय के गया परिसर में 14 सितम्बर, 2015 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया तथा हिन्दी पखवाड़े का औपचारिक उद्घाटन किया गया।इस दौरान हिन्दी अधिकारी श्री प्रतीश कुमार दास ने राजभाषा के प्रयोग तथा राजभाषा अधिनियमों, नियमों तथा संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी दी । हिन्दी पखवाड़े के दौरान चार प्रतियोगिताएं क्रमशः भाषण, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी तथा टिप्पण एवं प्रारूपण का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थी, संकायगण, अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण ने शिरकत की। कार्यक्रमों का आयोजन दोनों परिसरों में किया गया तथा पखवाड़े का समापन कार्यक्रम पटना परिसर में आयोजित किया गया जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2015)

सीयूएसबी में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 140वीं जयंती को "राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस विशेष आयोजन के उद्घाटन उपरांत कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने कहा कि "एकता" देश में सद्भाव लाने का एकमात्र रास्ता है और हम सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदानों को अवश्य याद करें। इसके अतिरिक्त कुलपति ने "रन फॉर यूनिटी" को झंडी दिखाकर रवाना किया जिसमें संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों में हिस्सा लिया। दिन के अन्य आकर्षणों में व्याख्यान, वृत्त चित्र प्रस्तुति, पुस्तक प्रदर्शिनी तथा "विविधता भारत के लिए परिसम्पत्ति" विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया! ।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (11 नवम्बर, 2015)

सीयूएसबी में स्वतंत्रता सेनानी एवं स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री, मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती मनाई गई. आयोजन की शुरुआत आज़ाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दीप प्रज्ज्वलित करने से हुई। स्टेटिस्टिक्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर अरुण कुमार सिन्हा ने अपने व्याख्यान में कहा कि देश में लोगों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि मौलाना आजाद आधुनिक शिक्षा के उपदेशक थे। पीआरओ मो0 मुदस्सिर आलम ने भी मौलाना पर अपने विचार रखे और विद्यार्थियों से उनके शिक्षण का अनुसरण करने हेतु कहा।

संविधान दिवस (26 नवम्बर, 2015)

डा. बी.आर.अम्बेडकर की याद में सीयूएसबी के स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस ने संविधान दिवस मनाया. उद्घाटन भाषण डा. प्रदीप कुमार दास ने जबकि अध्यक्षीय संबोधन डा. आलोक कुमार गुप्ता ने किया. डा. जीतेन्द्र राम ने "अम्बेडकर की भूमिका और राष्ट्र निर्माण" पर एक वार्ता प्रस्तुत किया. इस दिवस पर विद्यार्थियों ने मंच नाटक, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया.

राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी, 2016)

भारत के महान चिन्तक एवं दार्शनिक स्वामी विवेकानंद की 153वीं जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस दिवस पर स्वामी विवेकानंद के विचारों एवं शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों को पटना एवं गया परिसर में प्रस्तुत किया गया। युवा दिवस के एक भाग के रूप में स्वामी विवेकानंद पर एक वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया गया। एक वाद-विवाद प्रतियोगिता "राष्ट्र के विकास का एक मात्र हल युवाओं की भूमिका" पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित पैनल डिस्कशन, निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा स्वामी विवेकानंद पर एक चित्र प्रदर्शिनी का आयोजन भी किया गया।

गणतन्त्र दिवस (26 जनवरी, 2016)

गणतन्त्र दिवस पूरे जोशोखरोश और देशभक्ति की भावना के साथ दोनों परिसरों में मनाया गया। गया में राष्ट्रीय ध्वज कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर द्वारा फहराया गया। अपने संबोधन में कुलपति ने गणतन्त्र दिवस की महत्ता के अलावा कहा कि सबकुछ अच्छा रहा तो आनेवाले समय में विश्वविद्यालय योगा अध्ययन प्रारम्भ करेगा।

अपने विचार साँझा करते हुए कुलपति ने कहा कि भारत खनिज के साथ-साथ मानव संसाधन से भरपूर है परन्तु फिर भी आज तक हम विकास की सूची में पिछड़े हैं। कुलपति के भाषण उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए जिनमें विद्यार्थियों द्वारा मानव पिरामिड निर्माण के साथ-साथ लघुनाटिका, गीत एवं नृत्य भी शामिल थे। इसी प्रकार पटना में भी प्रभारी कुलसचिव प्रो० रेखा अग्रवाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और तदोपरांत विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए।

एमएचआरडी/यूजीसी के आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2015)

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सीयूएसबी के दोनों परिसरों में मनाया गया। संकायगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण ने योगाभ्यास सत्रों में भाग लिया। पटना में योग सत्र डा. अनिंद्य देव, सहायक प्राध्यापक, सीएमएस द्वारा संचालित हुआ जबकि गया परिसर में संयुक्त रूप में डा. अबोध कुमार, डा. प्रणव कुमार एवं डा. अमिय प्रियम द्वारा संचालित किया गया। प्रतिभागियों ने अपने आपको स्वस्थ रखने हेतु अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने की शपथ ली।

स्वच्छ भारत अभियान (22-26 जून, 2015)

सीयूएसबी में 22-26 जून, 2015 के दौरान स्वच्छ स्वच्छ भारत अभियान (सफाई अभियान सप्ताह) पटना एवं गया दोनों परिसरों में मनाया गया। सफाई अभियान का मुख्य जोर गतिविधियों पर था यथा कार्यालय सहित परिसर के आम क्षेत्र की सफाई, शौचालय, सीढ़ियां आदि, कार्यालय के बाह्य क्षेत्रों में पार्किंग क्षेत्र, आमरास्ता आदि, अनुपयोगी वाहन/फर्नीचर/इलेक्ट्रानिक्स उपकरण आदि की निपटान तथा पुरानी फाइलों/रिकार्डों आदि का निस्तारण।

डिजिटल इण्डिया वीक (1-7 जुलाई, 2015)

यूजीसी के निर्देशानुसार सीयूएसबी में डिजिटल इण्डिया वीक मनाया गया। सप्ताह भर के लम्बे आयोजन का औपचारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री के इंदिरा गाँधी स्टेडियम, नई दिल्ली में **01** जुलाई, **2015** से हुआ। सप्ताह भर के दौरान कई गतिविधियाँ आयोजित कई गई जिनमें पोस्टरों कई प्रदर्शनी एवं विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल सेवाएँ उरादन करना, डिजिटल सेवाओं से जुड़े तीव्र दैनिक तथ्यों एवं उपकरणों को ईमेल द्वारा साझा करना आदि शामिल रहा।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (26-31 अक्टूबर, 2015)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देशानुरूप सीयूएसबी में **26-31** अक्टूबर, **2015** के दौरान "सुशासन के उपकरण के रूप में निवारक सतर्कता" थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। संकायगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों ने अपनी सभी गतिविधियों में लगातार निष्ठा एवं पारदर्शिता रखने हेतु शपथ ली। डॉ. आलोक गुप्ता के पर्यवेक्षण में सप्ताह के दौरान एक निबंध प्रतियोगिता तथा एक पैनल डिस्कशन (वाद-विवाद) आयोजित किया गया।

मातृभाषा दिवस का आयोजन (03.03.2016)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निदेशानुसार विश्वविद्यालय के गया परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। मातृभाषा दिवस का उद्घाटन पूर्वाह्न 11:00 बजे डीन स्कूल ऑफ एजुकेशन प्रो. रेखा अग्रवाल, डीन स्टुडेंट्स वेलफेयर डा. सनत कुमार शर्मा, डीन, स्कूल ऑफ पॉलिटीकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस प्रो. एस.एन.सिंह, प्रॉक्टर (कुलानुशासक) डा. कौशल किशोर तथा हिन्दी अधिकारी श्री प्रतीश कुमार दास ने सम्मेलन कक्ष में दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत सभी ने मातृभाषा के प्रयोग पर अपने विचार रखे। आयोजन के तहत विद्यार्थियों हेतु तीन प्रतियोगिताएं क्रमशः पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा गायन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

वार्ताएं / व्याख्यानें / सम्मेलनें

बी.ए.आर.सी. वैज्ञानिक डॉ. एस गौतम द्वारा व्याख्यान (5 अप्रैल, 2015)

भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई के खाद्य विज्ञान एवं सुरक्षा अनुभाग, खाद्य प्रौद्योगिकी प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. एस. गौतम ने सीयूएसबी पटना परिसर में एक व्याख्यान दिया। सेण्टर फॉर बायोलॉजिकल साइंस (सीयूएसबी) द्वारा आयोजित व्याख्यान में डॉ. गौतम ने भारत के सन्दर्भ में विकिरण उर्जा के प्रयोग सहित खाद्य सुरक्षा, भोजन की उपलब्धता, सुरक्षा-भोजन का महत्व तथा देश के अंतराष्ट्रीय व्यापार में स्थिति (उत्पादों का निर्यात) को व्याख्यायित किया।

डॉ. आंबेडकर पर संगोष्ठी (14 अप्रैल, 2015)

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर सीयूएसबी गया परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सत्र का शीर्षक "डॉ.भीमराव आंबेडकर एंड सोशल ट्रांसफॉर्मेशन" था जिसकी अध्यक्षता सेण्टर फॉर इंडियन लैंग्वेज (हिंदी) के अध्यक्ष डॉ. कमलानंद झा ने की। इस अवसर पर डॉ. कर्मानंद आर्य, डॉ. जितेन्द्र राम, डॉ. प्रणव कुमार, डॉ. प्रशांत कुमार तथा डॉ. अभय कुमार ने अपने विचार साझा किए।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर वार्ता (10 अक्टूबर, 2015)

सीयूएसबी के सेण्टर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मानते हुए आई.एच्.बी.एस., नई दिल्ली के क्लिनिकल साइकोलॉजी के पूर्व डीन प्रो.तेजबहादुर सिंह का एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। डब्ल्यू एच ओ थीम "डिग्निटी इन मेंटल हेल्थ, इंडियन कांटेक्स्ट" पर व्याख्यान देते हुए प्रो. सिंह ने कहा कि मानसिक बीमारी की समस्या पूरे विश्व में खतरे की घंटी की तरह बढ़ रही है। यदि यह इसी रफ़्तार से बढती रही तो प्रत्येक चार में से एक व्यक्ति प्रभावित होगा। प्रो. सिंह ने कहा कि मानसिक बीमारी का इलाज संभव है यदि समय पर मनोविज्ञानी की सलाह पर उपचार किया जाय।

विश्व सांख्यिकी दिवस आयोजन (20 अक्टूबर, 2015)

सीयूएसबी के सांख्यिकी विभाग ने द्वितीय सांख्यिकी दिवस मनाया जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. राठौर ने व्यावहरिक विज्ञानों में सांख्यिकी के अनुप्रयोग में विश्व की बढती आश्रिता के बारे में कहा। मुख्य अतिथि प्रो. अमरेन्द्र मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग पटना यूनिवर्सिटी ने दैनिक जीवन में सांख्यिकी के महत्व एवं अनुप्रयोग को रेखांकित किया। समारोह के समापन पर डिपार्टमेंट ऑफ़ स्टेटिस्टिक्स के अध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार सिन्हा ने विशेष दिवस के उद्देश्य को "बेटर डेटा, बेटर लाइवस" नारे से व्याख्यायित किया।

यूएस निवासी वैज्ञानिक डा. ध्रुव कुमार का व्याख्यान (23 नवम्बर, 2015)

सीयूएसबी के सेंटर फॉर बायोलॉजीकल साइंसेज (सीबीएस) ने यूएस निवासी भारतीय वैज्ञानिक डा. ध्रुव कुमार की एक वार्ता आयोजित की जिन्होंने "मेटाबोलिक सिम्बायोसिस बिटवीन ट्यूमर एसोसिएटेड फिब्रोब्लास्ट्स एंड हेड एंड नेक्क स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा" पर एक वार्ता

प्रस्तुत की। अपनी वार्ता में डा. कुमार ने सिर और गले में कैंसर कोशिकाओं से उत्पन्न बिमारियों को प्रकाशित किया। इस बीमारी को रोकने हेतु डा. कुमार ने आधे उबाले भोज्य पदार्थों को खाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया क्योंकि भोजन के पोषक तत्व ज्यादा पकाने एवं भूनने से कम हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि कैंसर रोधी अवयव टर्मरिक, ग्रीन टी तथा सब्जियाँ यथा फूलगोभी, पत्तागोभी, ब्रोक्कोली में पाए जाते हैं।

डा. रामजी लाल द्वारा क्लासिकल ग्रुप्स के अनुप्रयोग पर वार्ता (3 फरवरी, 2016)

सीयूएसबी में हरीश चन्द्र रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैथमेटिक्स, इलाहाबाद के डा. रामजी लाल द्वारा क्लासिकल ग्रुप्स के अनुप्रयोग पर एक वार्ता प्रस्तुत की गई। सीयूएसबी के डिपार्टमेंट ऑफ़ मैथमेटिक्स द्वारा आयोजित वार्ता में डा. लाल ने "क्लासिकल ग्रुप्स" एवं मैथमेटिक्स तथा प्रायोगिक भौतिकी में इसके अनुप्रयोग पर बोला। उन्होंने क्लासिकल ग्रुप्स के अन्य पहलुओं यथा बाईलिनिअर फॉर्म्स, औटोमोर्फिज्म ग्रुप फॉर्म्स, लाई अलजेब्रा आदि पर विशेष प्रकाश डाला।

नाइजीरिया निवासी भारतीय प्रो. डी. सिंह की वार्ता (23 फरवरी, 2016)

नाइजीरिया निवासी भारतीय प्रो. दशरथ सिंह ने सीयूएसबी पटना परिसर में 23 फरवरी, 2016 को एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अह्मदु बेल्लो यूनिवर्सिटी, ज़रिया, नाइजीरिया के प्रो. सिंह ने "मल्टीसेट इट्स थ्योरी एंड एप्लीकेशन्स" पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स, कंप्यूटर साइंस के प्रभारी डीन, प्रो. अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि सांख्यिकी शिक्षण के क्षेत्र में क्लस्टर एनालिसिस में इसके बहुत अच्छे अनुप्रयोग हैं जो अपर्यवेक्षणीय शिक्षण प्रक्रिया में तथा बड़े आंकड़ों के विश्लेषण में एक बहुत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

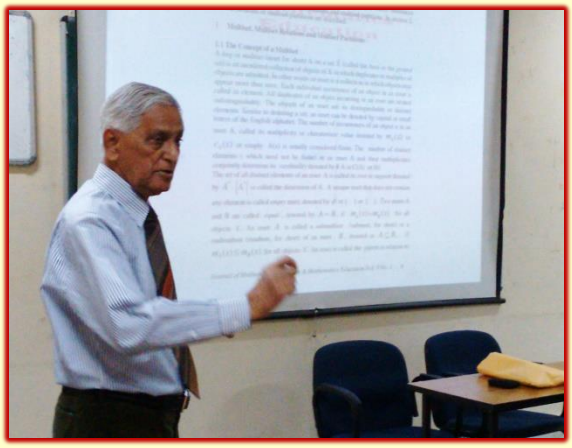

कल्याणकारी गतिविधियाँ/ कैंप

पटना परिसर में फ्री डेंटल चेकअप कैंप (2 मई, 2015)

सीयूएसबी के पटना परिसर में डा. बी. आर. अम्बेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल, पटना के द्वारा एक फ्री ओरल एंड डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। हॉस्पिटल के सामाजिक जवाबदेही कार्यक्रम के तहत एक 15 सदस्यीय टीम ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया और लगभग 100 व्यक्तियों का रोगनिदान किया जिनमें संकाय सदस्यगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा विद्यार्थीगण शामिल थे। चेकअप में मुफ्त रोगनिदान, सलाह, मुफ्त दवायें तथा भविष्य की निदान योजनाएँ थीं।

पटना परिसर में रक्तदान शिविर (15 मार्च, 2016)

सीयूएसबी के पटना परिसर में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, पटना के ब्लड बैंक के सहयोग से तथा कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर के मार्गदर्शन में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रतिकुलपति डा. ओ.पी. राय ने किया। डीन, स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, प्रो. रेखा अग्रवाल ने सर्वप्रथम रक्तदान किया तथा उसके बाद कुलसचिव डा. गायत्री वी. पाटिल ने रक्तदान किया। कैंप का सञ्चालन डा. राजेश कुमार रंजन के नेतृत्व में उनकी टीम के अन्य संकाय सदस्यों नामतः डा. प्रशांत, डा. गौतम कुमार, डा. अमृता श्रीवास्तव एंड डा. विवेक कुमार जैन ने किया। विद्यार्थी स्वयंसेवकों के जोशीले प्रयास ने रिकॉर्ड कुल 102 यूनिट रक्तदान पैकेट का संग्रह किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

सीयूएसबी के विद्यार्थियों ने मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया

सीयूएसबी बी.ए.एलएलबी (तृतीय सेमेस्टर) के नवनीत कुमार ने 16 सितम्बर, 2015 को नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी के साथ इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया। सर्वप्रथम माननीय मंत्री ने देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी विद्यार्थियों से संवाद किया और तदोपरांत "नो डिटेंशन पालिसी" विषय पर एक विडियो कॉन्फ्रेंस सत्र आयोजित हुआ। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान मंत्री महोदया ने प्रतिभागियों द्वारा उच्च शिक्षा संबंधित मुख्य मुद्दों तथा उनके द्वारा झेली जा रही चुनौतियों के विषय में विस्तार से विचार विमर्श किया। नवनीत ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली के मुद्दों यथा सतत मूल्यांकन प्रणाली तथा विद्यार्थियों द्वारा विधि, शिक्षा एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रायोगिक शिक्षण पाने पर्याप्त सामग्रियों की समस्याओं को सामने रखा।

सीयूएसबी की लघु फिल्म नेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाने हेतु चयनित

सीयूएसबी के बीएससीबीएड कार्यक्रम के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित लघु फिल्म को विज्ञान प्रसार, भारत सरकार द्वारा नेहरु विज्ञान केंद्र, मुम्बई में 9-13 फरवरी, 2016 के दौरान आयोजित छठे राष्ट्रीय विज्ञान फिल्मोत्सव एवं प्रतियोगिता हेतु चयनित किया गया। एक विज्ञान फिल्म शीर्षक "टेप, ट्विस्ट एंड टर्न द पिएजो वे टू स्मार्ट इलेक्ट्रिसिटी", का निर्माण केमिस्ट्री के सहायक प्राध्यापक, डा. अमिय प्रियम के निर्देशन में विद्यार्थियों नामतः अमन रंजन, सुप्रिया, कुशाग्र रोहतगी, मेघा वत्स, शुभम कुमार लाल तथा सुधा सिन्हा ने किया। फिल्म एक प्रयास था वर्तमान उर्जा संकट के सामान्य, हरित एवं मितव्ययी हल हेतु पिएजोइलेक्ट्रिसिटी के प्रति जागरूकता लाने पर।

सीयूएसबी के छात्र ने पाठ्यक्रम मूल्यांकन प्रणाली हेतु एक वेब एप्लीकेशन विकसित किया

सीयूएसबी के एम. टेक कंप्यूटर साइंस छात्र धनंजय कुमार एवं यशवंत कुमार ने पाठ्यक्रम मूल्यांकन प्रणाली हेतु एक वेब एप्लीकेशन विकसित किया जिसका नाम "विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन" था। कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने प्रत्येक विद्यार्थी को 5000 रूपये और एक प्रशस्ति प्रमाणपत्र के साथ सम्मानित किया। स्वदेशी तकनीक पर एक माह के रिकॉर्ड समय पर विकसित वेब एप्लीकेशन का झुकाव विद्यार्थियों द्वारा उनके पाठ्यक्रम के सम्बन्धित शिक्षकों की प्रतिपुष्टि का स्वसंचालन है।

सीयूएसबी का विद्यार्थी बना माइक्रोसॉफ्ट स्टूडेंट पार्टनर फॉर इंडिया

सीयूएसबी के एमटेक कंप्यूटर साइंस के छात्र धनंजय कुमार को वर्ष 2015 के लिए माइक्रोसॉफ्ट स्टूडेंट पार्टनर फॉर इंडिया चुना गया। धनंजय को सीयूएसबी तथा देश के अन्य संस्थानों में माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रदान किए जा रहे दानों के महत्व बताने हेतु जिम्मेदारी सौंपी गयी थी।

विविध गतिविधियाँ

बाबू जगजीवन राम की जयंती

सीयूएसबी के सेंटर फॉर सोशियोलॉजीकल स्टडीज द्वारा 6 अप्रैल, 2015 को बाबू जगजीवन राम की 107वीं जयंती के अवसर पर एक वार्ता सह संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। बाबू जगजीवन राम चेयर के समन्वयक डा. जितेन्द्र राम ने बाबूजी के बारे में अपने विचार साँझा किए।

डा. ए.पी. जे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजली

भारत के मिसाइलमैन तथा भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए.पी. जे अब्दुल कलाम के सम्मान में एक शोक सत्र का आयोजन पटना परिसर में 28 जुलाई, 2015 को मनाया गया। शोक सत्र की शुरुआत डा. कलाम की याद में दो मिनट का मौन रखकर हुई जिसके बाद उनके चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलन तथा पुष्पांजलि भेंट की गई। उपस्थित समूह ने डा. कलाम के जीवनवृत पर विचार किया तथा उनके उच्च मानवीय व्यक्तित्व सहित देश के लिए एक वैज्ञानिक, भारत के राष्ट्रपति एवं शिक्षाविद के रूप में उनके योगदान पर चर्चा की।

भारत के राष्ट्रपति की धर्मपत्नी स्व0 श्रीमती सुव्रा मुखर्जी की याद में शोक सभा

भारत के राष्ट्रपति की धर्मपत्नी स्व0 श्रीमती सुव्रा मुखर्जी की याद में शोक सभा का आयोजन सीयूएसबी, पटना परिसर में दिनांक 20 अगस्त, 2015 को आयोजित किया गया। शोकसभा की शुरुआत श्रीमती प्रभावती के संक्षिप्त भावभीने भाषण से हुआ जिसमें उन्होंने स्व० मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा भारत के राष्ट्रपति को उम्रभर उनके समर्थन/सहयोग के बारे में भी चर्चा की। उपस्थित जनसमूह द्वारा स्व० श्रीमती मुखर्जी की याद में दो मिनट का मौन भी रखा गया।

स्थापना दिवस सह फ्रेशर पार्टी

सीयूएसबी में शिक्षक दिवस के साथ छठे फाउंडेशन डे का आयोजन पटना परिसर में दिनांक 5 सितम्बर, 2015 को किया गया। इसके उपरांत समारोह के अंतर्गत तृतीय सत्र (सीनियर) के विद्यार्थियों द्वारा नवागंतुक (जूनियर) के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन हुआ। नवागंतुकों का स्वागत सीनियरों द्वारा मोहब्बत और पूरे गर्मजोशी के साथ तथा हास्य खेलों और मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। फ्रेशर पार्टी की मुख्य विशेषता मिस तथा मिस्टर फ्रेशर का चयन था। चार जजों की बेंच ने सुश्री जया शुक्ला (एमए साइकोलॉजी) तथा श्री लोकेश (एमएससी लाइफ साइंस) को क्रमशः मिस तथा मिस्टर फ्रेशर घोषित किया।

सीयूएसबी के विद्यार्थियों ने स्टडी सर्किल 'रेनेसां' गठित किया

सीयूएसबी के विद्यार्थियों ने स्टडी सर्किल 'रेनेसां' गठित किया जिसका औपचारिक उद्घाटन कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने संरक्षक के तौर पर किया। रेनेसां का निर्माण विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर आधारित आयोजनों तथा सम्मेलनों, संगोष्ठियों, व्याख्यानों एवं समूह चर्चा हेतु किया गया।

सीयूएसबी में उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ

सीयूएसबी में उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ का गठन क्षेत्र के ग्रामीण विकास में परिवर्तन लाने की जवाबदेही के साथ किया गया है। प्रारम्भिक स्तर पर प्रकोष्ठ ने नेपा पंचायत के कुछ गावों यथा दरियापुर, टेपा, शहबाजपुर, नेपा तथा खरहरा को चिन्हित किया है। प्रकोष्ठ में शामिल, संकायगण तथा विद्यार्थीगण ने मुख्य मुद्दों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, इंटरप्रेंयोरशीप तथा कृषि पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है। 15 फरवरी, 2016 को नेपा पंचायत के फतेहपुर माध्यमिक

विद्यालय में यूवीए प्रकोष्ठ के सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने पंचायत सदस्यों मुखिया तथा शिक्षकों के साथ ग्रामीण बैठक में भाग लिया।

"स्माइल" सीयूएसबी का सामाजिक सेवा समूह

एमए पॉलिटिकल साइंस के विद्यार्थियों ने जनवरी, 2016 में डा. प्रणव कुमार, सहायक प्राध्यापक, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज एंड इंटरनेशनल रिलेशंस के पर्यवेक्षण में "स्माइल" नाम का एक सोशल सर्विस ग्रुप प्रारम्भ किया है । इसकी स्थापना के तुरंत बाद विभिन्न पाठ्यक्रमों/ विभागों यथा इकोनॉमिक्स, डेवलपमेंट स्टडीज, एजुकेशन तथा लॉ के छात्रों ने भी इस समूह में प्रवेश किया है और गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं । साथ ही संकायगण डा. आलोक कुमार गुप्ता, डा. अंजू हेलेन बारा तथा अन्य भी अपना निर्देश स्माइल टीम को अपनी गतिविधियों हेतु आवश्यक निर्देश दें रहें हैं। प्रथम फेज में स्माइल की टीम ने डंकन मध्य विद्यालय तथा रामपुर मध्य विद्यालय, सिकडीया मोड़ गया का दौरा किया है और विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की समस्याओं तथा कम नामांकन के पीछे के कारणों पर शोध किया है।

द्वितीय फेज में टीम ने चयनित स्कूलों का दौरा किया और विविध प्रतियोगिताएँ यथा क्विज, पोस्टरमेकिंग, चित्रकारी, निबंध लेखन, खेलकूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों आयोजित की। तृतीय फेज में टीम ने विद्यार्थियों के कम नामांकन अनुपात के आधार पर चयनित क्षेत्रों का दौरा किया।

सीयूएसबी के आईईईई स्टूडेंट विंग ने केन्द्रीय विद्यालय में वर्कशॉप आयोजित किया

सीयूएसबी में संचालित आईईईई (इंस्टीटयूट ऑफ़ इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजिनियर्स) के स्टूडेंट विंग ने आउटरीच प्रोग्राम के तहत 24 अप्रैल, 2015 को बेली रोड पटना स्थित केन्द्रीय विद्यालय का दौरा किया। कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष डा. आर. राजेश तथा विद्यार्थियों श्री धनंजय कुमार, श्री आशीष रंजन, सुश्री स्मृति प्रियदर्शनी तथा सुश्री प्रियंका कुमारी की टीम ने कार्यशाला आयोजित किया और सी/सी++ प्रोग्रामिंग के आधारभूत विषयों को विद्यार्थियों को बताया।

आईईईई विश्व का सबसे बड़ा पेशेवर संगठन है जो मानवता की भलाई के लिए तकनीकी नवोन्मेष एवं उत्कृष्टता हेतु समर्पित है।

स्कूल और केंद्र/विभाग

भारत की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, ने अपनी क्षमता से, अधिनियम, 2009 की धारा 27(3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय की विधान संख्या 15 (देखें तारीख 28 जुलाई, 2010 का पत्र संख्या:एफ.42-26/2009-डेस्क (यू)) में संशोधन करने के लिए सहमति देने की कृपा की।

अनुमोदित एवं सांविधि में प्रविष्ट स्कूल

क्रम सं.	स्कूलों के नाम
1	स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़
2	स्कूल ऑफ एजुकेशन
3	स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़
4	स्कूल ऑफ लैंगवेजेज़ एंड लिटरेचर
5	स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस
6	स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस
7	स्कूल ऑफ मीडिया, आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स
8	स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसीज़
9	स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़
10	स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़
11	स्कूल ऑफ टेकनोलॉजी
12	स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज़
13	स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
14	स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट

- वर्तमान में 14 स्कूलों में से स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट के अलावा नौ स्कूल कार्यरत हैं।

(i) स्कूल ऑफ़ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज

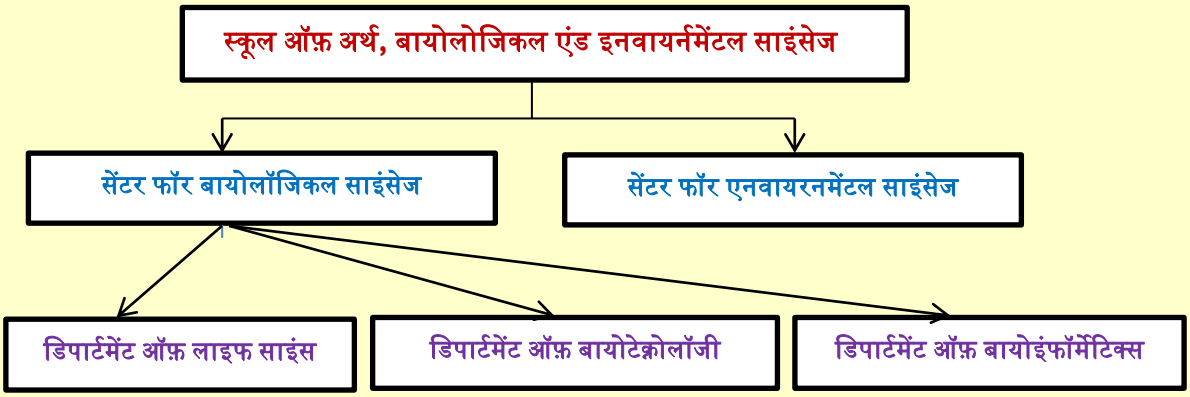

यह शताब्दी जीवविज्ञान का है और आज के वक्त जो हम अधिकांश चुनौतियां झेल रहे हैं वे ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, मानव बीमारियाँ तथा हमारे प्राकृतिक संसाधनों में परिवर्तन है. जीवविज्ञान की गहरी समझ से सिर्फ इन समस्याओं का समाधान नहीं होगा बल्कि हमें वर्तमान प्राकृतिक संसाधनों को भी स्थाई रखने में मदद करनी होगी. सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम् भूमिका अदा करता है. हमारी असली ताकत जेनोमिक्स, बायोकेमिस्ट्री, इन्फार्मेटिक्स, इमर्जिंग इन्फेक्शस डिजीजेज तथा बेसिक एंड एप्लाइएड बायोलोजी के क्षेत्र पर है. ये ताकत हमारे निपुण संकायगण के द्वारा और मजबूत हो रहा है और वो अपने इस ज्ञान को ग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट तथा पीएचडी स्तर पर सर्वथा भिन्न विद्यार्थी प्रशिक्षण के तहत पुनः निवेशित कर रहे हैं.

(ए) सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़

वर्तमान में सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़ (सीबीएस) लाईफ साइंस, बायोटेक्नोलॉजी और बायोइनफॉरमेटिक्स में पीजी एवं इंटीग्रेटेड एमफिल- पीएचडी कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इन कार्यक्रमों में अच्छे थियोरी और प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम सहित बायोलॉजिकल साइंसेज़ के सीमान्त क्षेत्रों में नवाचार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

यह तीनों प्रोग्राम शोधकर्ताओं को बायोलॉजिकल प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को थियोरेटिकल के साथ प्रैक्टिकल रूप में भी समझाने में सक्षम हैं और उन्हें अध्ययन और शोध के लिए एक इंटीग्रेटिव दृष्टिकोण तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(i) डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइफ साइंस

यह डिपार्टमेंट आधुनिक जैववैज्ञानिक तकनीकों की सीखने एवं जीवविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों यथा जेनेटिक ग्रीनिंग, इम्यूनोलॉजी, रिकम्बिनेन्ट डीएनए टेक्नोलॉजी, प्रोटीन क्रिस्टालोग्राफी, माइक्रोबायोलॉजी, कैंसर, मलेरिया इत्यादि की समझ हेतु आधारभूत एवं प्रायोगिक कलात्मक सुविधा प्रदान करता है। यह प्लेटफार्म विद्यार्थियों की सोच को अनुभूति, विश्लेषण, समझ एवं जैववैज्ञानिक तकनीकों एवं घटनाओं को आधारभूत सह अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में विकसित करता है। जीवविज्ञान में प्रस्तुति, सत्रीय कार्य, प्रायोगिक साक्ष्य, क्षेत्र अनुभूति, आंकड़ा विश्लेषण एवं कंप्यूटर एप्लीकेशंस कुछ ऐसी प्रक्रियाएँ हैं जो शिक्षण में प्रयोग किए जाते हैं।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.एससी. तथा एकीकृत एम.फिल – पीएचडी इन लाइफ साइंस
नियमित संकाय	4
अनुबंध पर	1
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. राकेश कुमार सिंह

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1.	डॉ. गौतम कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, जेएनयू	मोलेक्यूलर रेगुलेटरी मेकॉनिज़्म्स्
2.	डा. मनोज पंचाल	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	पिट्यूटरी प्रोटीन होरमोंस एंड सेक्रेटोरी पाथवे
3.	डॉ. अमृता श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	माइक्रोबायल फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री
4.	डॉ. तारा काशव	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी पोस्टडॉक्	प्रोटीन स्ट्रक्चरल बायोलॉजी
5.	डॉ. अमित रंजन	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	पीएचडी	न्यूरोबायोलॉजी

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार

डॉ. गौतम कुमार

- सन्नी कुमारी, एस.के. द्विवेदी, संतोष कुमार, वेद प्रकाश, ए.के. सिंह एंड गौतम कुमार (2016): इफ़ेक्ट ऑफ़ सोविंग विंडोज ऑन प्लांट ग्रोथ फिजियोलॉजी एंड यील्ड ऑफ़ वीट जेनोनोटाइप्स इन ईस्टर्न इंडो गंगेटिक प्लेन, इन नेशनल कांफ्रेंस ऑन "रूरल लाइवलीहुड सिक्यूरिटी थ्रू इनोवेटिव एग्री-इन्टरप्रेन्योरशिप (आरएलएसआईएइ)" ड्यूरिंग मार्च 12-13 2016 इन पटना।
- सहाना बासु, शेखर सुमन, प्रेम प्रकाश सिंह, शरद कुमार द्विवेदी, संतोष कुमार, अनिल कुमार सिंह, गौतम कुमार (2016): इम्पेक्ट ऑफ़ टर्मिनल टेम्प्रेचर ऑन सिलेक्टेड वीट जेनोटाइप्स ऑफ़ ईस्टर्न इंडिया, इन नेशनल कांफ्रेंस ऑन "रूरल लाइवलीहुड सिक्यूरिटी थ्रू इनोवेटिव एग्री-इन्टरप्रेन्योरशिप (आरएलएसआईएइ)" ड्यूरिंग मार्च 12-13 2016 इन पटना।
- रुचिका गिरि, सहाना बासु, रंजन कुमार गिरि, इब्तेशम बेनज़िर, शरद कुमार द्विवेदी, संतोष कुमार, गौतम कुमार (2016): कोम्प्रीहेंसिव फिजियोलॉजीकल एनालिसिस एंड आरओएस प्रोफिलिंग इन सिलेक्टेड राइस जेनोटाइप्स अंडर सलिनिटी स्ट्रेस, इन नेशनल कांफ्रेंस ऑन "रूरल लाइवलीहुड सिक्यूरिटी थ्रू इनोवेटिव एग्री-इन्टरप्रेन्योरशिप (आरएलएसआईएइ)" ड्यूरिंग मार्च 12-13 2016 इन पटना।

डॉ. अमृता श्रीवास्तव

- अमृता श्रीवास्तव* एंड अरुण कुमार मिश्रा. डेसिफेरिंग द बेसिस ऑफ़ साल्ट टॉलरेंस एंड एग्रीकल्चरल यूटिलिटी ऑफ़ फ्रेंकिया स्ट्रेस आइसोलेटेड फ्रॉम हिप्पोफाए सलिसिफोलिया द. डान. इन 56 एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ एसोसिएशन ऑफ़ माइक्रोबायोलोजिस्ट्स ऑफ़ इंडिया एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन "इमर्जिंग डिस्कवरीज इन माइक्रोबायोलोजी " हेल्ड एट जे.एन.यू., नई दिल्ली ड्यूरिंग दिसम्बर 7-10, 2015.
- घनश्याम कुमार सत्यपाल, अमृता श्रीवास्तव, नितीश कुमार*. "आइसोलेशन एंड करेक्टराइजेशन ऑफ़ आर्सेनिक ट्रांस्फोर्मिंग बेक्टेरिया फ्रॉम द मिडिल गंगेटिक प्लेन ऑफ़ बिहार, इंडिया" इन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ बायोटेक्नोलोजि" ड्यूरिंग फरवरी 12-14, 2016, पटना, बिहार.

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डा. मनोज पंचाल

- के. रावत, के. एम. किब्रिया, एम. पंचाल, जे. बी. डेक्स, ए. मोहम्मद, आर. तुतेजा. पी. मल्होत्रा. प्रोटीन ट्रांसपोर्ट मेक्रिज्म्स इन प्लाजमोडियम फल्सिपेरम एज नावेल एंटी-मलेरियल ड्रग टारगेट. ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड इंटरनेशनल हेल्थ वॉल्यूम 20 सप्ल. 1 पीपी 120, सितम्बर 2015. (इम्पैक्ट फैक्टर: 2.329)

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डॉ. गौतम कुमार

- एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, पटना यूनिवर्सिटी द्वारा 12 मई से 8 जून, 2015 के दौरान 71वें ओरिएंटेशन प्रोग्राम में हिस्सा लिया.

- बिहार स्टेट एड्स कण्ट्रोल सोसाइटी द्वारा 12 अगस्त, 2015 को इंटरनेशनल यूथ डे पर आयोजित वर्कशॉप में हिस्सा लिया.

- होटल चाणक्या, पटना 7-9 दिसम्बर 2015 के दौरान स्टेट लेवल वर्कशॉप "ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स ऑन सोशल बेहवियर चेंज कम्युनिकेशन फॉर लाइफ एजुकेशन अमोंग यूथ" में हिस्सा लिया.

- आर्सेनिक अपटेक एंड एक्युमुलेशन इन राइस (ओरिजा सतिवा एल.): इट्ज़ इफ़ेक्ट ऑन डिफरेंट राइस जेनोटाइप्स ऑफ़ ईस्टर्न इंडिया' इन नेशनल कांफ्रेंस ऑन "रूरल लाइवलीहुड सिक्यूरिटी थ्रू इनोवेटिव एग्री-इन्टरप्रेन्योरशिप (आरएलएसआईएड)" ड्यूरिंग मार्च 12-13 2016 इन पटना।

डॉ. अमृता श्रीवास्तव

- प्रेसेंटेड पोस्टर इन 56 एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ एसोसिएशन ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजिस्टिस ऑफ़ इंडिया एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन "इमर्जिंग डिस्कवरीज इन माइक्रोबायोलॉजी" हेल्ड एट जे.एन.यू., नई दिल्ली फ्रॉम दिसम्बर 7-10, 2015

डॉ. तारा काशव

- प्रेसेंटेड पोस्टर एंटाइटिल्ड "स्ट्रक्चरल एनालिसिस ऑफ मिस्सेंस म्यूटेशन इन सी-टर्मिनल डोमेन ऑफ ह्यूमन आईआरएफ 6 काउजींग वीडब्ल्यूएस एंड पीपीएस" एट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी" ड्यूरिंग फरवरी 12-14, 2016, पटना, बिहार।

- प्रेजेंटेड पोस्टर एंटाइटिल्ड "स्ट्रक्चरल एनालिसिस ऑफ मिस्सेंस म्यूटेशन इन एन-टर्मिनल डोमेन ऑफ ह्यूमन आईआरएफ 6 काउजींग वीडब्ल्यूएस एंड पीपीएस" एट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी" ड्यूरिंग फरवरी 12-14, 2016, पटना, बिहार।

डॉ. अमित रंजन

- प्रेजेंटेड ए पेपर टाइटल्ड "कम्पेरेटीव स्टडी ऑफ सीएआई न्यूरोंस आफ्टर 14 डेज सिमुलेटेड माइक्रोग्रेविटी एंड 6 डेज आरईएम स्लीप डेप्रिवेशन इन रेट्स; इन " सेकेण्ड यूआरएसआई रीजनल कांफ्रेंस (इंटरनेशनल कांफ्रेंस) ऑन रेडियो साइंस" हेल्ड ड्यूरिंग नवम्बर 16-19, 2015, एट जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

❖ प्राप्त पुरस्कार / प्रशस्ति / सम्मान / फैलोशिप

डॉ. गौतम कुमार

- स्युर यंग साइंटिस्ट अवार्ड – 2015 फॉर आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रिब्यूशन इन द फील्ड ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री, बाय द सोसाइटी फॉर अपलिफ्टमेंट ऑफ रूरल इकॉनोमी, वाराणसी (यूपी), इंडिया, इन नेशनल कांफ्रेंस ऑन "रूरल लाइवलीहुड सिक्यूरिटी थ्रू इनोवेटिव एग्री-इन्टरप्रेन्योरशिप (आरएलएसआईएड)" ड्यूरिंग मार्च 12-13, 2016 हेल्ड एट आईसीएआर सेंट्रल पोटैटो रिसर्च स्टेशन, पटना।

- फर्स्ट पोस्टर एवार्डेड इन नेशनल कोंफ्रेंस ऑन " रूरल लाइवलीहुड सिक्यूरिटी थ्रू इनोवेटिव एग्री-इन्टरप्रेन्योरशिप (आरएलएसआईएड)" ड्यूरिंग मार्च 12-13, 2016 इन पटना।

❖ प्राप्त शोध परियोजना अनुदान

डॉ. गौतम कुमार

फ्रॉम : एसईआरबी-डीएसटी (यंग साइंटिस्ट)

प्रोजेक्ट टाइटल : कोप्रीहेंसिव स्टडी ऑन ड्राऊट टॉलरेंस मैकेनिज्म इन राइस कल्टीवर्स ऑफ़ ईस्टर्न इंडिया विथ ए फोकस ऑन प्राइमरी लेवल ऑफ़ स्ट्रेस परसेप्शन

फाइल न: वाईएसएस/2015, स्टेटस : ऑनगोइंग

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- ओर्गेनाइज्ड फर्स्ट इंटर्नेशनल कोंफ्रेंस ऑन ह्यूमन इम्प्लिकेशन ऑफ़ बायोटेक्नोलोजी (आइसीएचआई बी – 2016), फरवरी. 2016 एट सेंटर लेवल (सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज)

- सुश्री तरन्नुम परवीन तथा सुश्री फौजिया परवीन एमएससी लाइफ साइंस (2014-16) ने एम्स, पटना (28 अप्रैल, 2015) में वर्ल्ड इम्युनोलॉजी डे पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया.
- सुश्री फौजिया परवीन, सुश्री खुशबू सिन्हा तथा श्री रितेश रंजन एमएससी लाइफ साइंस (2014-16) ने बिहार स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी वर्कशॉप ऑन इंटरनेशनल यूथ डे (12 अगस्त, 2015) पर ओरल प्रेजेंटेशन दिया.
- सुश्री प्रतीका सिंह एमएससी लाइफ साइंस (2014-16) ने पीएमसीएच, पटना में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी कल्चरल फेस्ट में एकल गायन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया.

(ii) डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी

डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलोजी पूरे विश्वविद्यालय में संकाय/शोधकर्ताओं की प्रतिभागिता के साथ इंटरडिसीप्लीनरी (अंतअर्नुशासनात्मक) अप्रोच विकसित करता है। पेशवर एवं प्रबंध कौशल के साथ प्रशिक्षण प्रदान करता हमारी शिक्षण शैली की कुंजी है। यह प्रोग्राम शोध एवं नीति में उत्तरदायित्व निर्माण एवं नीति अनुपालन पर ध्यान केन्द्रित करता है। हम ह्यूमेन हेल्थ, ट्रांसजेनिक क्रॉप डेवलपमेंट, इनवायर्नमेंटल साइंसेज तथा इंफोर्मेटिक्स पर एक इंटीग्रेटेड (एकीकृत) अप्रोच लाने पर समान रूप से बल देते हैं। यह पाठ्यक्रम प्रोजक्ट डिजर्टेशन, प्रस्तुतिकरण तथा विस्तृत मौखिकी को मूल्यांकन प्रथा के एक भाग के रूप में समाहित करता है। विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण एवं बायोटेक्नोलॉजी उद्योगों को भ्रमण द्वारा उत्पाद विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं को सीखने हेतु प्रमुख शोध संस्थानों का दौरा करते है। बायोटेक्नोलॉजी कार्यक्रम का एक प्रमुख लक्ष्य विद्यार्थियों को कटिंग एज रिसर्च में सक्रिय रूप से शामिल करना है। वर्त्तमान में विभागीय शोध मुख्यतया कैंसर बायोलॉजी, ऑटो इम्यून डिजीजेज, फंगल डिजीजेज, लंग फिजियोलॉजी, न्यूरोइथोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, जेनेटिक इंजीनयरिंग, स्टेम सेल थेरेपी, प्रोओमिक्स, मोलिक्युलर बायोलॉजी, सिग्नल ट्रांसडक्शन, इंटरफेरॉन (आईएफएनएस) ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर्स, न्यूरोइमेजिंग, इलेक्ट्रोफिलियोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री ऑफ फंगल पैथोजन्स एंड जेनेसिस ऑफ सेकेन्ड्री मेटाबोलाइट्स के साथ-साथ जेनेटिक मेनिपुलेशंस ऑफ प्लांट्स जिसमें प्लांट टिस्यू कल्चर तथा मोलिक्युलर मार्किट डेवलपमेन्ट्स भी शामिल हैं, के क्षेत्रों पर केन्द्रित है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.एससी. तथा एकीकृत एम.फिल – पीएचडी बायोटेक्नोलॉजी
नियमित संकाय	8
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. राकेश कुमार सिंह

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पद	योग्यता	विशेषज्ञता
1	प्रो. राकेश कुमार सिंह	प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	पीएचडी, बीएचयू, वाराणसी पीडीएफ: आईआरडी, फ्रांस; बीएचयू एफडीए, यूएसए (3 वर्ष)	पारासिटिक इम्यूनोलोजी
2	डॉ. रिज़वानुल हक	सह प्राध्यापक तथा समन्वयक	पीएचडी, जेएचयू, नई दिल्ली पीडीएफ: पीएसयूसीएम, हेर्शेय, यूएसए (9 वर्ष	ईम्मयूनोमोडुलेशन, स्टेम सेल डिफ्फरेंशिएशन, डिस्कवरी प्रोटोमिक्स इत्यादि
3	डा. राकेश कुमार	सह प्राध्यापक	पीएचडी: आईआईटी, नई दिल्ली पीडीएफ: चाइना (2 वर्ष)	बायोपोलीमेर्स एंड बायोकौम्पोजिट्स
4	डॉ. अंतरेश कुमार	सह प्राध्यापक	पीएचडी, जेएनयू, नई दिल्ली पीडीएफ: एनसीआई, एनआईएच (यूएसए)	इन्फेक्शन बायोलॉजी एंड रेगुलेशन ऑफ़ सेकेंडरी मेटाबोलाइट
5	डॉ. नितीश कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, सीएसएमसीआरआई, भावनगर पीडीएफ: एएयू, गुजरात	जेनेटिक मेनिपुलेशंस ऑफ प्लांटस्; मोलेक्यूलर मार्कर डेवलपमेंट
6	डॉ. कृष्ण प्रकाश	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, जेएनयू, नई दिल्ली पीडीएफ: आईसीजीईबी (2.6 वर्ष)	ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर्स, सेल सिग्नलिंग एंड कैंसर
7	डॉ. जावेद अहसन	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, एनसीबीएस, बैंगलोर पीडीएफ: जर्मनी (1.8 वर्ष)	ड्रोसोफिला न्यूरोबायोलॉजी, मोलेक्यूलर बायोलॉजी, जेनेटिक्स
8	डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा	यूजीसी- सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, एनबीआरआई, लखनऊ पीडीएफ: यूएसए (7 वर्ष)	माइटोकॉन्ड्रिया, ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस, कैंसर एंड मेटाबॉलिज़म

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

पब्लिश्ड पेपर्स इन जर्नल्स

डॉ. रिज़वानुल हक

- अशरफ, जी.एम., परवीन, ए., जैदी, एस.के., तबरेज़, एस., शकील, एस., एहमद, ए., रिजवानुल हक़., अहसान, जे., कमल, एम.ए., बी अनु, एन. इंटीग्रेटिंग क्वालिटेटिव एंड क्वांटीटेटिव टूल्स फॉर द डिटेक्शन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ लेक्टिन इन मेजर ह्यूमन डिजीज. प्रोटीन एंड पेप्टाइड लेटर्स, 2015;22(11):954-62. आईएसएसएन:1875-5305(ऑनलाइन), आईएसएसएन: 0929-8665 (प्रिंट).
- नादरा सदफ, जावेद अहसन, सैफ़ अहमद, रिजवानुल हक़. माइटोकांड्रिया : ए की प्लेयर इन स्टेम सेल फेट. सेल बायोलॉजी. 2015; 3(2-1): 31-37. आईएसएसएन: 2330-0175 (प्रिंट); आईएसएसएन: 2330-0183 (ऑनलाइन).

डॉ. अंतरेश कुमार

- राकेश कुमार, राजेश डी. आनंदजिवाला, अंतरेश कुमार (2015) थर्मल एंड मैकेनिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ मांडलिक एसिड-इंकॉर्पोरेटेड सोया प्रोटीन फ़िल्म्स. जे. थेम. एना. काल. 123,1273-1279 (आईएफ 2.0)

डॉ. नितीश कुमार

- कुमार एच.प्रिया ओ, सिंह एन, कुमार एम, चौधरी बीके, कुमार एल, सिंह आईएस, कुमार एन* (2016) आरएपीडी एंड आईएसएसआर मार्कर्स बेस्ड काम्परेटिव इवैल्यूएशन ऑफ़ जेनेटिक डाइवर्सिटी अमोंग इंडियन जर्मप्लाज्म ऑफ़ यूर्याले फेरोक्स : एनएक्रेटिक फूड प्लांट. एप्लाइड बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी (स्प्रिंगर पब्लिशिंग) इन प्रेस.
- सत्यपाल जीके, रानी एस, कुमार एम, कुमार एन* (2016) पोटेंशियल रोल ऑफ़ आर्सेनिक रेसिस्टेंट बैक्टीरिया इन बायोरेमेडियेशन: करंट स्टेटस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्टस. जर्नल ऑफ़ माइक्रोबायल एंड बायोकेमिकल टेक्नोलॉजी. 8:256-259.

डॉ. कृष्ण प्रकाश

- संतोष कुमार मिश्रा, प्रभात सुमन, पुष्पा कुमारी शर्मा, नितीश कुमार एंड कृष्णा प्रकाश* ह्यूमन इंटरफेरन रेगुलेटरी फैक्टर – 2 (आईआरएफ-2) : किमेरिक प्रोटीन एंड एक्सप्रेशन एनालिसिस. आईजेबीपीएएस, सितम्बर, 2015, 4(9): 5990 – 6002
- गाँधी, वी.पी., प्रिया, ए., प्रिया, एस., दैया, वी., केसरी, जे., प्रकाश, के., कुमार झा, कुमार, के, 4, एंड कुमार, एन. आइसोलेशन एंड मोलिक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ बैक्टीरिया टू हैवी मेटल्स आइसोलेटेड फ्रॉम स्वाइल सेम्पल्स इन बोकारो कोल माइंस, इंडिया. पॉल्यूशन, 1(3): 287-295, समर 2015

डॉ. जावेद अहसन

- अशरफ जी.एम., परवीन ए., जैदी एस.के., तबरेज़ एस., शकील एस., अहमद ए., हक़ आर., अहसान जे., कमल एम.ए. एंड बानू एन. (2015). "इंटीग्रटिंग क्वालिटेटिव एंड क्वांटीटेटिव टूल्स फॉर द डिटेक्शन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ लेक्टिंस इन मेजर ह्यूमन डिसीसेज". प्रोटीन एंड पेप्टाइड लेटर्स. 22(11):954-62. पीएमआईडी: 26419242 (इम्पैक्ट फैक्टर: 1.124)
- सदफ़ एन., अहसन जे., अहमद एस. एंड हक़ आर. (2015). माइटोकांड्रिया : ए की प्लेयर इन स्टेम सेल फते. सेल बायोलॉजी. स्पेशल इशू : माइटोकांड्रिया: इम्प्लिकेशंस इन ह्यूमन हेल्थ एंड डिसेअसेज. वोल. 3 न. 2-1, 2015, पीपी. 31-37. आईएसएसएन प्रिंट : 2330-0175, आईएसएसएन ऑनलाइन : 2330-0183 (इम्पेक्ट फैक्टर: एनए)

डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा

- वांग एच, शर्मा एल, लू जे, फिंच पी, फ्लेचर एस, प्रोचोन्निक ईवी. स्ट्रूकचुराल्ली डाइवर्स सी-एमवाईसी इन्हिबिटर्स शेयर ए कॉमन मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन इन्वोल्विंग एटीपी डेप्लेशन. ऑनकोटारगेट. 2015 जून 30;6(18):15857-70. पीएमआईडी: 26036281 (इम्पैक्ट फैक्टर -6.63).

- एड्मुन्ड्स एलआर, शर्मा एल, वांग एच, कंग ए, डी'सौज़ा एस, लू जे, मेकलौघ्लीन एम, डोलेज़ल जेएम, जो एक्स, वेंट्रुब एसटी, डिंग वाई, जेंग एक्स, याटेस एन, प्रोचोन्निक ईवी. सी-मीक एंड एएमपीके कंट्रोल सेलुलर एनर्जी लेवल बाय कोओपरेटिवलि रेगुलेटिंग माइटोकांड्रियल स्ट्रक्चर एंड फंक्शन. पीएलओएस वन. 2015 जुलाई 31;10(7):ई0134049. डीओआई: 10.1371/जर्नल.पोन.0134049. ईकलेक्सन 2015. (इम्पेक्ट फैक्टर: 3.234).

- मिशुर आरजे, खान एम, मूनकेसी ई, शर्मा एल, बोकोव ए, बीम एच, राडेतस्काय ओ, बोर्रोर एम, लाने आर, बाई बाय, रिया एसएल. माइटोकांड्रिया मेटाबोलाइट्स एक्सटेंड लाइफ्स्पान. एजिंग सेल. 2016 जनवरी 5. डीओआई: 10.1111/acel.12439. 336-48. [Epub ahead of print] (इम्पैक्ट फैक्टर: 6.34).

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार

डॉ. रिज़वानुल हक

- नादरा सदाफ़, वाहव अली, संजीव बिमल एंड रिजवानुल हक़. आर्सेनिक ट्राईऑक्साइड इन्हिबिट्स सेल ग्रोथ एंड एंड्यूसड अपोप्टोसीस मोर् इन लीवर कैंसर सेल एज कॉम्परेड टू नार्मल लीवर सेल. पेज 42. पोस्टर प्रेजेंटेशन इन फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इम्प्लिकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी (आईसीएचआईबी-2016), फरवरी 12-14, 2016 इन सीयूएसबी, पटना,
- अर्चना चौधरी, नादरा सदाफ़ एंड रिजवानुल हक़. इफ़ेक्ट ऑफ़ आर्सेनिक ऑन फॉक्सपी3 एक्सप्रेशन. पोस्टर प्रेजेंटेशन इन फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इम्प्लिकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी (आईसीएचआईबी-2016), फरवरी 12-14, 2016 इन सीयूएसबी, पटना,
- नादरा सदाफ़, वाहव एंड रिजवानुल हक़. नौच-2 मोड्युलेशंस इन नार्मल ह्यूमन लीवर एंड कैंसरेज सेल लाइन्स इन रिस्पांस टू आर्सेनिक ट्रीटमेंट. पोस्टर प्रेजेंटेशन इन एनुअल कांफ्रेंस ऑन इंडियन इम्युनोलॉजी सोसाइटी. इम्यूनोकॉन 2015, हेल्ड एट आरएमआरआईएमएस, पटना. अक्टूबर 9-11-2015. अब्सट्रेक्ट नंबर: पीपी 130.
- अर्चना चौधरी, नादरा सदाफ़ एंड रिजवानुल हक़. मोड्युलेशन ऑफ फॉक्सपी3 एक्सप्रेशन इन टी सेल्स बाय आर्सेनिक ट्रीटमेंट. पोस्टर प्रेजेंटेशन इन एनुअल कांफ्रेंस ऑन इंडियन इम्युनोलॉजी सोसाइटी. इम्यूनोकॉन 2015, हेल्ड एट आरएमआरआईएमएस, पटना. अक्टूबर 9-11-2015. अब्सट्रेक्ट नंबर: पीपी 60.

डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा

- लोकेन्द्र शर्मा एंड यिदोंग बाई. अल्टरेशंस इन मेटाबोलिक प्रोफिलिंग ऑफ़ लेबर'स हेरेडीटरी ऑप्टिक न्यूरोपैथी. पेथेबायोलोजी ऑफ़ एजिंग एंड ऐज-रिलेटेड डीजीजेज 2015, 5: 30765 - http://dx.doi.org/10.3402/pba.v5.30765. बारशॉप सिम्पोजियम ऑन एजिंग, मेटाबोलिज्म एंड एजिंग : फ्रॉम मोलिक्यूलर फिजियोलॉजी स्टेट्स. अक्टूबर 1518, 2015.
- लीया आर. एडमंड्स, लोकेन्द्र शर्मा, पीटर अन्थोनी ओटेरो, सोनिया डी'सौज़ा, जेम्स एम. डोलेज़ल, एक्सुएमेरी जेंग, यिंग डिंग, फ़ी डिंग, मगन ई. बेक, लिसा ई. क्रत्ज़, जेरी वोक्क्ले, एरिक गोएत्ज्मन, डोनाल्ड स्कॉट, नाथन याटेस, एंड्रू डब्लयू. डंकन , एडवर्ड वी. प्रोचोन्निक. नावेल हिपेटिक फेनोटाइपस काउसेड बाय कंडीशनल सी-मीक डेलिशन. [अब्सट्रेक्ट]. इन : प्रोसेडिंगस ऑफ़ द एएसीआर स्पेशल कांफ्रेंस : मेटाबोलिज्म एंड कैंसर; जून 7-10, 2015; बेल्लेवुए, डब्लयूए.फ़िलेडैल्फ़िया (पीए): यूनाइटेड स्टैट्स. एएसीआर; मोल कैंसर रेस 2016;14(1_सप्पल):अब्सट्रेक्ट एनआर बी25.

बुक चैप्टर्स

डॉ. नितीश कुमार

- मोदी ए, कुमार एन एंड सुभाष एन (2016) ट्रांसक्रिप्ट क्वानटीफिकेशन ऑफ़ जेंस इन्वोल्वेड इन स्टेविओल ग्लाइकोसाइड बायोसिंथेसिस इन स्टेविया रेबदियाना बेर्टोनी बाय रियल टाइम पोलीमेरस चैन रिएक्शन (आरटी-पीसीआर). इन "प्रोटोकॉल फॉर इनविट्रो कल्चरज एंड सेकेंडरी मेटाबोलाइट एनालिसिस ऑफ़ एरोमेटिक एंड मेडिसिनल प्लांट्स "एडिटेड बाय मोहन जैन., पीपी: 289-301. स्प्रिंगर पब्लिशर
- कुमार एन*, मोदी ए, पाटिल जी, सिंह एएस, एंड सुभाष एन (2016) माइक्रोप्रोपागेशन एंड बायोमास प्रोडक्शन ऑफ़ टू-टू-टाइप स्टेविया रेबदियाना बेर्टोनी. इन "प्रोटोकॉल फॉर इनविट्रो कल्चरज एंड सेकेंडरी मेटाबोलाइट एनालिसिस ऑफ़ एरोमेटिक एंड मेडिसिनल प्लांट्स "एडिटेड बाय मोहन जैन., पीपी: 113-123. स्प्रिंगर पब्लिशर

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

प्रो. राकेश कुमार सिंह

- **साइंटिफिक सेशन चेयर्ड,** सीयूएसबी, पटना में 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी (आइसीएचआईबी- 2016) पर फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

डॉ. रिज़वानुल हक

- सीयूएसबी, पटना में 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी(आइसीएचआईबी- 2016) फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शीर्षक : पोटेंशियल ऑफ़ इन्ड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल्स पर_आमंत्रित प्रस्तुति

- **साइंटिफिक सेशन चेयर्ड**_सीयूएसबी, पटना में 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी(आइसीएचआईबी- 2016) पर फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

डॉ. अंतरेश कुमार

- सेशन चेयर ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी (आइसीएचआईबी- 2016) पर फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस.
- एचआरडीसी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद, इलाहाबाद में जलवायु परिवर्तन पर 26 फरवरी 2016 से 17 मार्च, 2016 के दौरान रिफ्रेसर कोर्स में हिस्सा लिया.
- डिपार्टमेंट ऑफ़ हेल्थ रिसर्च (डीएचआर), भारत सरकार द्वारा एनआईवी, पुणे द्वारा 22 जून 2015 से 12 अगस्त 2015 तक प्रायोजित तीन हफ्ते के ट्रेनिंग वर्कशॉप " मोलेक्यूलर वायरोलोजिकल टेक्नीक्स फॉर डेंगू एंड चिकनगुनिया" में हिस्सा लिया.

डॉ. कृष्ण प्रकाश

- सीयूएसबी, पटना में 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी (आइसीएचआईबी- 2016) पर फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सेशन चेयर किया .
- यूजीसी- एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, एजुकेशन डिपार्टमेंट, पटना यूनिवसिर्टी, पटना द्वारा 24 नवंबर 2015 से 21 दिसम्बर 2015 तक आयोजित 28 दिनों के ओरिएन्टेशन प्रोग्राम ट्रेनिंग में हिस्सा लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया.
- आईसीएससीबी, पुणे द्वारा 2- 5 अक्टूबर, 2015 के दौरान स्टेम सेल और कैंसर पर आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएससीसी-2015) में " चिमेरिक ह्यूमन आईआरएफ- 2: मोलेक्यूलर क्लोनिंग एंड एक्सप्रेशन एनालाइसिस" शीर्षक पर एक वार्ता प्रस्तुत की.

डॉ. जावेद अहसन

- सीयूएसबी, बीआईटी केम्पस, पटना में 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी(आइसीएचआईबी- 2016) पर फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया और एक साइंटिफिक सेशन को चेयर किया.
- बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ कानपुर द्वारा आईआईटीके, कानपुर में 20-23 दिसम्बर, 2015 के दौरान आयोजित " बाइनिअल इंडियन ड्रोसोफिला रिसर्च कॉन्फ्रेंस" में हिस्सा लिया और पोस्टर प्रस्तुत किया.

❖ प्राप्त पुरस्कार / प्रशस्ति / सम्मान / फैलोशिप

डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा

- एसईआरबी- डीएसटी / सेंटर फॉर इंटरनेशनल कोऔपरेशन से बर्लिन जर्मनी में 28-30 अक्टूबर 2015 को आयोजित छठे वर्ल्ड कॉंग्रेस में हिस्सा लेने हेतु इंटरनेशनल ट्रेवल ग्रांट (नहीं लिया).

❖ प्राप्त शोध परियोजना अनुदान

डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा

नवनियुक्त संकाय हेतु यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) स्टार्ट अप ग्रांट

परियोजना शीर्षक: माइटोकोंड्रियल मेकेनिज्म्स इन कैंसर

अवधि 2015-2017 (2 वर्ष)

फंडिंग अमाउंट: रू. 600,000/-

❖ अन्य गतिविधियाँ/ उपलब्धियाँ

डॉ. रिज़वानुल हक

- 2016: यूनानी मेडिसिन क्षेत्रीय शोध संस्थान, पटना, सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सम्मान समारोह एक दिवसीय तकनीकी राजभाषा सिम्पोजियम में दिनांक 30-03-2016 को आमंत्रित प्रतीभागी. शीर्षक : स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत
- महावीर कैंसर संस्थान एवं शोध केंद्र, पटना के रीसर्च एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य

डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा

- सदस्य, रीसर्च एडवाइजरी कमिटी, पटना यूनिवर्सिटी, बिहार, भारत

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- केंद्र स्तर पर 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी(आइसीएचआईबी- 2016) पर फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित.

(iii) डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोइनफॉरमेटिक्स

यह विभाग विद्यार्थियों को शोध की दिशा में उन्मुख करते हुए न केवल विषय के मूल को समझने में सहायता करता है बल्कि मोलेक्यूलर मॉडेलिंग, सिमुलेशन और कंप्यूटर एडैड ड्रग डिज़ाइनिंग, सिस्टम बायोलॉजी और फंक्शनल जेनोमिक्स जैसे उभरते विषयों में एप्लाइड शोध के लिए भी प्रेरित करता है।

विश्लेषणात्मक तकनीक, प्रबंधन और बायोलॉजिकल डेटाबेस का विश्लेषण भी पढ़ाया जाता है क्योंकि मोलेक्यूलर बायोलॉजी के न्यूनकारी दृष्टिकोण से इंटीग्रेटेड दृष्टिकोण में परिवर्तित होने से सेल को एक सिस्टम के रूप में मानने के बाद से थियोरेटिकल बायोलॉजी में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी एंड एकीकृत एमफिल-पीएचडी बायोइन्फार्मेटिक्स
नियमित संकाय	7
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. राकेश कुमार सिंह

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1.	प्रो. रवीन्द्रनाथ सिंह राठौर	प्रोफेसर एंड डीन	पीएचडी	ड्रग डिजाईन – फ्री एनर्जी पैरट्रबेशन फॉर लीड ऑप्टिमाईजेशन
2.	डा. आशीष शंकर	सह प्राध्यापक	पीएचडी	सीक्वेंस एनालिसिस, डाटाबेस एंड सर्वर डेवलपमेंट
3.	डा. अजय कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	एम.टेक, पीएचडी	बायोलॉजीकल डाटाबेस, कंप्यूटर एडेड ड्रग-डिजाइनिंग
4.	डा. कृष्ण कुमार ओझा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, कम्पेरेटिव जीनोमिक्स
5.	डा. दुर्ग विजय सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	मॉलिक्यूलर मॉडलिंग एंड सिमुलेशन, ड्रग डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट
6.	डा. विजय कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	फंक्शनल जीनोमिक्स
7.	डा. अनिल कुमार	सहायक प्राध्यापक	एम.टेक, पीएचडी	बायोइन्फरमेटिक्स

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

डा. विजय कुमार सिंह

- कुमार जे, अवस्थी ए, पार्क केसी, सिंह वीके, प्रसाद बी. (2015). केनोर्हेब्दितिस एलिगंस मोडल टू टेस्ट द इफेक्ट ऑफ़ फार्माकोलोजिकल ड्रग्स ऑन आईजीएफ-1/ इंसुलिन साइनालिंग पाथवे. जे डायबिटीज मेटाब. 6: 625. डीओआई:10.4172/2155-6156.1000625. (आइएसएसएन: 2155-6156)
- अंजली अवस्थी, निखत परवीन, विजय कुमार सिंह, आरिफ अनवर,बीरेंद्र प्रसाद, जीतेन्द्र कुमार (2016). डायबिटीज: सिमटम्स, कॉज एंड पोटेंशियल नेचुरल थेरापेटिक मेथड्स. एड्वान्सेस इन डायबिटीज एंड मेटाबोलिज्म. 4(1) डीओआई: 10.13189/एडीएम.2016.040102. (आइएसएसएन: 2332-0052)

डा. अनिल कुमार

- कुमार ए. चेतिया एच, शर्मा एस, कविराज डी, तालुकदार एनडी एंड बोरा यू (2015) करकुमिन रिसोर्स डेटाबेस. डाटाबेस (ऑक्सफ़ोर्ड). डीओआई: 10.1093/डाटाबेस/बीएवी070. [आईएफ 3.37]

डा. कृष्ण कुमार ओझा

- ललित कुमार पाण्डेय, कृष्णा कुमार ओझा, एट अल. डायएटम्स इमेज डाटाबेस ऑफ़ इंडिया (डीआईडीआई): ए रिसर्च टूल, एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, 5 (2016), पीपी 148-160,doi:10.1016/j.eti.2016.02.001.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार

डा. दुर्ग विजय सिंह

- बेरा के*, ए. कुमार, डी. वी. सिंह, इन सिलिको एलुसिदेशन ऑफ़ स्ट्रक्चर एंड फंक्शन ऑफ़ टीएमडी0 ऑफ़ ईसीडीएल: एन एबीसी ट्रांसपोर्टर., एट द फर्स्ट आइसीएचआईबी- 2016 सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार, पटना ड्यूरिंग फरवरी 12 - 14, 2016.
- बेरा के*, ए. कुमार, डी. वी. सिंह, इन सिलिको प्रेडिक्शन ऑफ़ ए पोटेंशियल ड्रग टारगेट फॉर प्रोटीन एसटीपी 1 इन स्टाफ़्फ़ीलोक्क्स औरुस, एट द फर्स्ट आइसीएचआईबी-2016; सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार, पटना ड्यूरिंग फरवरी 12 - 14, 2016.
- कुमारी जे., डी.वी. सिंह, प्रेजेंटेड पेपर एंटाइटिल्ड "द रैशनल डिजाईन ऑफ़ हेरबीसाइड फॉर कार्बोक्स्यट्रांसफेरस (सीटी) डोमेन ऑफ़ असेटिअल-सीओए कार्बोक्स्यलॉस प्रोटीन इन पी.माइनर" एट द नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोइन्फार्मेटिक्स पनोरमा इन एग्रीकल्चर एंड हेल्थ (एनसीबीपीएएच), सेम हिग्गिनबॉटम इंस्टिट्यूट ऑफ़ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंस, 2015; इलाहाबाद.
- कुमारी जे., डी.वी. सिंह, प्रेजेंटेड पेपर एंटाइटिल्ड "म्यूटेशनल होमोलोजि मॉडल्स ऑफ़ एसीकेस कार्बोक्स्यट्रांसफेरस (सीटी) डोमेन ऑफ़ पी.माइनर: प्लौसिब्ल एक्सप्लानेशन फॉर रेजिस्टेंस टू एफओपीएस एंड डीआईएम ग्रुप ऑफ़ हेरबीसिडेस" एट द फर्स्ट आइसीएचआईबी- 2016; सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार, पटना ड्यूरिंग फरवरी 12 - 14, 2016.

शोध प्रकाशन

डा. आशीष शंकर

- शंकर ए (2016) डिटेक्शन ऑफ़ सिंपल सीक्वेंस रीपीट्स इन द क्लोरोप्लास्ट जीनोम ऑफ़ टेट्राफीस पेल्लुसिदा हेद्व. प्लांट साइंस टूडे 3: 207-210
- काबरा आर, कपिल ए, अतरवाला के, राय पीके, शंकर ए (2016) आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ कॉमन, यूनिक एंड पौलिमोर्फिक माइक्रोसेटेलाइट्स अमंग 73 साइनोबैक्टीरियल जीनोम्स. वर्ल्ड जे माइक्रोबायल बायोटेक्नोल 32:71 **[आईएफ : 1.532]**

पुस्तक

डा. आशीष शंकर

- शर्मा वी, मुंजाल ए, शंकर ए (2016 द्वितीय संस्करण) बायोइंफॉर्मेटिक्स की टेक्स्टबुक. रस्तोगी प्रकाशन, मेरठ, भारत, पी. 350 (आईएसबीएन-978-93-5078-142-5).

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. विजय कुमार सिंह

- डेलिवर्ड एन इनवायटेड टॉक एंटाइटिल्ड "असोसिएशन ऑफ़ डायबिटीज एंड अल्झाइमर: एबिहटा-40 एज एन्तेगोनिस्ट टू इन्सुलिन रिसेप्टर" एट द फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन इम्प्लिकेशन ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी, 2016; सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार, पटना ड्यूरिंग फरवरी 12 - 14, 2016.
- कम्पलीटेड ए वीक लॉन्ग ट्रेनिंग कोर्स इन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स (बेसिक एंड एप्लाइड अस्पेक्ट्स) एट मॉलिक्यूलर रिसर्च लेबोरेटरी, एसजीआरआर इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज देहरादून, ड्यूरिंग अक्टूबर 19-24, 2015.
- 24 नवम्बर से 21 दिसम्बर 2015 तक पटना यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 72वीं ओरिएंटेशन प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा किया.

डा. दुर्ग विजय सिंह

- सक्सेसफुल्ली कम्पलीटेड द रिफ्रेशर कोर्स आर्गेनाइजड बाय यूजीसी – एचआरडीसी रिफ्रेशर कोर्स आर्गेनाइजड बाय यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद फ्रॉम 26.02.2016 - 17.03.2016.

डा. कृष्ण कुमार ओझा

- इनवायटेड टॉक इन नेशनल वर्कशॉप ऑन "एप्लिकेशन ऑफ़ बायोइन्फार्मेटिक्स इन मेडिकल साइंसेज", अप्रैल, 2015 एट आरएमआरआई पटना.

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- केंद्र स्तर पर 12-14 फरवरी, 2016 के दौरान ह्यूमन इम्प्लीकेशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी(आइसीएचआईबी-2016) पर फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित.

(बी) सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल साइंसेज़

सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल साइंसेज अर्थ, एटमोस्फेयरिक, बायोलॉजिकल और केमिकल प्रोसेसेस और एक अधिक स्थायी पर्यावरण को प्राप्त करने के विकासात्मक दृष्टिकोणों से उनके सम्बन्ध के अंत: विषयक और इंटीग्रेटेड अध्ययन के इर्द-गिर्द केन्द्रित है। प्रमुख चुनौतियों हैं : (i) प्राकृतिक संसाधन, मानव गतिविधियों और उसके प्रभावों और मानव विकास पर पर्यावरण क्षरण के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए (ii) वातावरण में प्राकृतिक प्रक्रियाओं (iii) आबादी और अर्थव्यवस्था के विकास के निर्धारकों को समझने के लिए पर्यावरण परिवर्तन के मानवीय आयाम और (iv) पर्यावरण विज्ञान में विश्लेषणात्मक उपकरण : इस तरह के डाटा संग्रह के रूप में पर्यावरण के मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए बुनियादी उपकरण, और विश्लेषण और हवा, पानी, मिट्टी और जैविक प्रणालियों के मॉडलिंग। पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला जलवायु और मानसून मॉडलिंग, जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिकीय, बायोमेनिपुलेशन और जैव नियंत्रण, बायोजियोकेमिस्ट्री, प्रदूषण की निगरानी और नियंत्रण, पर्यावरण इंजीनियरिंग, पर्यावरण जैव प्रद्योगिकी और सूक्ष्म जीव विज्ञान, इकोटोकसीकोलॉजी, मृदा विज्ञान, आदि में प्रयोग और अनुसंधान हेतु पूर्ण सुसज्जित है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.एससी. तथा एकीकृत एम.फिल – पीएचडी इन एनवायरनमेंटल साइंस
नियमित संकाय	5
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	डा. प्रधान पार्थ सारथी

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	डा. प्रधान पार्थसारथी	सह प्राध्यापक	पीएचडी मौसम विज्ञान, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी	पर्यावरणीय विज्ञान /मौसम विज्ञान /जलवायु परिवर्तन
2	डा. राम कुमार	सह प्राध्यापक	पीएचडी जूलोजी, दिल्ली यूनिवर्सिटी	फोरागिंग बेहविअर ऑफ मेरिन एंड फ्रेश वाटर ओर्गेनिज्म्स; लाइफ हिस्ट्री ट्रेट्स इन जूप्लेंक्टन
3	डा. राजेश कुमार रंजन	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी इन्वायर्न्मेंटल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली	ओरगेनिक जियोकेमिस्ट्री, इन्वायर्न्मेंटल केमिस्ट्री, बायोजियोकेमेस्ट्री, हाइड्रोजियोकेमेस्ट्री
4	डा. प्रशांत	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी इन्वायर्न्मेंट मेनेजमेंट विक्रम यूनिवर्सिटी, उज्जैन, एमपी	कन्स्ट्रक्टेड वेट्लेंड्स फॉर वेस्टवाटर ट्रीटमेंट; आर्टिफ़िशिअल फ्लोटिंग आइज्लेंड्स एंड वाटर पोल्यूशन कंट्रोल, ईटीसी.
5	डा. एन. एल. देवी	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी इन्वायर्न्मेंटल साइंस, चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज, वुहान, चाइना	फेट ऑफ परसिस्टेंट ओरगेनिक पोलल्यूटेनट्स (पीओपीज) इन डिफरेंट इन्वायर्न्मेंटल मीडिया एंड इट्स हेल्थ इफेक्ट्स; हेवी मेटल कन्टेमिनेशन; सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

डा. प्रधान पार्थ सारथी

- प्रवीण कुमार एंड पी. पार्थसारथी, " इंटर- कम्पेरीजन ऑफ ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल (जीसीएम) एंड डाउनस्केल्ड रीजनल क्लाइमेट मॉडल (आरईजीसीएम) फॉर प्रोजेक्शन ऑफ इंडियन समर मॉनसून" इंडियन स्टेटिस्टीकल इन्स्टीट्यूट (आईएसआई), इंडिया एंड स्टेटिस्टीकल एंड मेथेमेटिकल साइंसेज इन्स्टीट्यूट, यूएसए : अप्रैल 2015 .

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. प्रधान पार्थ सारथी

- होटल चाणक्या, पटना में 04 जून, 2015 को " बाढ़ एवं सूखे के दौरान संधारणीय कृषि पद्धति" शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया.
- होटल मौर्या, पटना में 03 सितम्बर, 2015 को आईसीआईएमओडी, नेपाल द्वारा " नदियों की यातनाएं : बिहार में बाढ़ " शीर्षक पर गोलमेज सत्र में प्रतिभागिता की.
- अरण्य भवन, पटना में नवम्बर, 2015 में वन एवं प्राकृतिक पारिस्थितिकी नीतियाँ एवं कार्यक्रम : बदलते जलवायु के साथ अनुकूलन की मंशा विषयक कार्यशाला में हिस्सा लिया.
- बिहार स्टेट डिजास्टर मेनेजमेंट अथॉरिटी (बीएसडीएमए) द्वारा अधिवेशन भवन, सिंचाई भवन परिसर (सचिवालय), पटना में " साझा- 2015 " शीर्षक पर आयोजित 8वें फ़ौंडेशन डे में प्रतिभागिता की.
- बीएसडीएमए, बिहार सरकार द्वारा 6-7 जनवरी, 2016 के दौरान आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला के साथ इम्प्लीमेंटिंग एजेंसीज तथा जिलों के संबंधित नोडल ऑफिसर (एडीएम एंड एडीसी) की कार्यशाला में भाग लिया.
- बीएसडीएमए तथा आईसीआईएमओडी द्वारा दिनांक 4-5 फरवरी, 2016 को कोशी बेसिन प्रोग्राम (केबीपी) के एक भाग के रूप में आयोजित " नॉलेज फोरम " कार्यशाला में हिस्सा लिया.
- सीजीडब्ल्यूबी, एमईआर, पटना द्वारा एएनएसआईएसएस, पटना में 18 मार्च, 2016

- फ्यूचर प्रोजेक्टेड चेंज इन समर मॉनसून रेनफाल एसेसमेंट फॉर ग्राउंड वाटर रीचार्ज, ग्राउंड वाटर डेवलपमेंट प्रोस्पेक्ट्स एंड वाटर क्वालिटी इश्यूज इन बिहार " शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया.

❖ प्राप्त शोध परियोजना अनुदान

डा. प्रधान पार्थ सारथी

- डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार द्वारा " पूर्वी गंगा मैदानों में अतीत एवं भविष्य में सूखे की स्थितियों का अध्ययन" पर निधि अनुदान (प्रारम्भ 29-07-2015), 3 वर्ष, रू. 35,96,000/- (चलित)
- टोयोटा फाउंडेशन द्वारा निधि प्रदत्त स्मार्ट सिटी कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट, (फरवरी 2016- जून 2016), 2.5 लाख रू.

❖ अन्य गतिविधियाँ/ उपलब्धियां

- होटल मौर्या, पटना में 15 जुलाई, 2015 को जलवायु परिवर्तन के लिए बिहार कार्य योजना के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान: जलवायु-स्मार्ट कृषि और स्वच्छ ऊर्जा पर फोकस पर आयोजित परामर्श बैठक में भाग लिया.
- बीएसडीएमए, बिहार सरकार द्वारा 16 अक्टूबर, 2015 पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन पर आयोजित सलाहकारी समिति की बैठक में हिस्सा लिया.

- एटेंडेड वेलीडेशन मीटिंग फॉर लॉन्ग रेंज प्लानिंग एक्सरसाइज फॉर बिहार अंडर क्लाइमेट चेंज इनोवेशन प्रोग्राम (ज्वाइंट इनिशिएटिव ऑफ़ डीएफआईडी एंड एमओईएफसीसी, जीओआई) बिंग आर्गनाइज्ड बाय डीएफआईडी एंड डिपार्टमेंट ऑफ़ एनवायरनमेंट एंड फारेस्ट, गवर्नमेंट ऑफ़ बिहार. फरवरी 25, 2016 एट अरन्या भवन, पटना.

(ii) स्कूल ऑफ़ एजुकेशन

स्कूल ऑफ़ एजुकेशन की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2013-14 से दो चार वर्षीय एकीकृत कार्यक्रमों यथा बीए. बीएड तथा बीएससी. बीएड से की गयी. आगे शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से स्कूल एमएड तथा पीएचडी को प्रारंभ करने की योजना बना रही है. स्कूल ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के तहत विशेष श्रेणियों में पांच केंद्र स्थापित करने हेतु आवेदन दिया है. यूजीसी ने पूर्व से स्वीकृत 13 पदों के अतिरिक्त 13 अन्य शैक्षणिक पदों और 9 गैर शैक्षणिक पदों की स्वीकृति प्रदान की है. कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को एनसीटीई तथा यूजीसी के नए निदेशों और समय की मांग अनुरूप अद्यतन किया जाता है. भविष्य के शिक्षकों के बेहतर छवि निर्माण एवं गहरे अनुभव हेतु स्कूल के पास पुस्तकों एवं जर्नल्स का प्रिंट तथा डिजिटल रूप में बढ़िया संग्रह, पूरी तरह सुविधाओं से लैस एजुकेशनल रीसोर्स सेंटर जिसमें शैक्षणिक नीतियों के दस्तावेज़, साइकोलोजिकल टेस्ट्स एवं प्रायोगिक उपकरण, डिजिटल लर्निंग रिसोर्सेस, टीचिंग एड्स सहित साइंस लैब तथा आईसीटी लैब की सुविधा भी है. भविष्य के शिक्षकों एवं शिक्षक शैक्षणिकों के इंटर्नशिप एवं अन्य क्षेत्रीय कार्य हेतु 20 से अधिक स्कूल संलग्न हैं.

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	बीए.बीएड एंड बीएससी.बीएड
नियमित संकाय	5
अनुबंध पर	2
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. रेखा अग्रवाल

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	प्रो. रेखा अग्रवाल	प्राध्यापक	एम.एससी. (केमिस्ट्री), एम.एड., एम.फिल., पीएच.डी एंड डी. लिट्. (एजुकेशन)	रिसर्च मेथडोलॉजी एंड स्टेटिस्टिक्स, साइंस एजुकेशन, स्कूल एजुकेशन, टीचर एजुकेशन एंड पैरेंट एजुकेशन
2	डा. कौशल किशोर	सह प्राध्यापक	एम.ए (पोलिटिकल साइंस), एम.एड, पीएच.डी (एजुकेशन), यूजीसी-नेट (एजुकेशन)	एजुकेशनल असेसमेंट एंड इवैल्यूएशन, रिसर्च मेथडोलॉजी
3	डा. टी.के. बसंतिया	सह प्राध्यापक	पीएच.डी (एजुकेशन), एम.फिल. (एजुकेशन), यूजीसी-नेट	रिसर्च मेथडोलॉजी इन एजुकेशन/सोशल साइंसेज
4	डा. मितांजलि साहू	सहायक प्राध्यापक	एम.ए.(इकोनॉमिक्स), एम.फिल (इकोनॉमिक्स), एम.एड., यूजीसी-नेट, पीएच.डी (एजुकेशन)	एजुकेशनल मेज़रमेंट एंड इवैल्यूएशन, गाइडेंस एंड काउंसलिंग
5	डा. रिंकी	सहायक प्राध्यापक	एम.एससी (केमिस्ट्री), एमएड., पीएच.डी (एजुकेशन) यूजीसी-नेट	पैडागोजी ऑफ़ फिजिकल साइंस, एजुकेशनल असेसमेंट
6	डा. रजनीश कुमार	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध)	एम.ए., एम.एड., पीएच.डी एंड यूजीसी-नेट	साइकोलॉजी ऑफ़ लर्निंग एंड लर्नर्स, कोगनिटिव साइकोलॉजी
7	डा. शाम्भवी कुमारी	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध)	एम.ए., एम.फिल., एम.एड., पीएच.डी एंड यूजीसी-नेट	शेड्यूल्ड ट्राइब एजुकेशन, वूमेन एजुकेशन, रिसर्च मेथोड़ोलोजी

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

पब्लिश्ड पेपर्स इन जर्नल्स

डा. कौशल किशोर

- मूसा अली एंड कौशल किशोर. सेक्युलर एटीट्यूड : ए स्टडी ऑफ़ मदरसा टीचर्स. इंडियन जर्नल ऑफ़ एप्लाइड रिसर्च, 2015: 5(8): 490-491. इम्पैक्ट फैक्टर: 3.6241, आईएसएसएन: 2249-555X

- असेसमेंट इन हायर एजुकेशन: ए केस ऑफ़ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार. इंडियन जर्नल ऑफ़ एप्लाइड रिसर्च, 2015: 5(8): 543-545. इम्पैक्ट फैक्टर: 3.6241, आईएसएसएन: 2249-555X

डा. टी.के. बसंतिया

- बसंतिया, टी.के., एंड पांडा, एस.सी. (2015). टीचर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस. टीचर सपोर्ट, 4(3), 53-64, एनएसटीई, नई दिल्ली. (आईएसएसएन न.: 0975-4598).

डा. मितांजलि साहू

- साहू. एम. एंड साहू, पी.के. (2015). ए बुक रिव्यु ऑन "ए हैंड बुक फॉर टीचिंग एंड लर्निंग इन हायर एजुकेशन: एन्हान्सिंग अकेडमिक प्रैक्टिस. थर्ड एडिशन" , हिमालयन जर्नल ऑफ़ सोशल साइंसेज (ए बाई-एनुअल पीर रीव्यूड जर्नल) वॉल्यूम. 5, इशू 1, आईएसएसएन न.2231-6639, अप्रैल 2015.

- साहू, एम.(2015). इन्फ्लुएंस ऑफ़ होम एनवायरनमेंट ऑन इंटेलिजेंस ऑफ़ द सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स, अन्वेषण: जर्नल ऑफ़ एजुकेशन (ए बाई-एनुअल इंटरडीसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल ऑफ़ एजुकेशन) वॉल्यूम. V, न. 2, आईएसएसएन न. 22493794, जून 2015.

बुक / अन्य पब्लिकेशंस

डा. मितांजलि साहू

- साहू. एम. (2015). एडोलसेंट बिहेवियर, आईएसबीएन न. 978-93-313-2605-8, एपीएच पब्लिशिंग कारपोरेशन, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली.

डा. कौशल किशोर

- "बेहतर प्रशिक्षण के साथ बनिए काबिल टीचर" . लक्ष्य (मैगज़ीन): दैनिक भास्कर हिन्दी डेली. 01 दिसम्बर 2015. पेज 12.

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. कौशल किशोर

- पार्टिसिपेटेड एंड प्रेसेंटेड ए पेपर एंटाइटिल्ड, 'एन्हान्सिंग सोशल अक्सेपटेबिलिटी अमोंग पीअर्स' इन ए नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ आईएटीई एंड फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन, बीएचयू, वाराणसी हेल्ड ड्यूरिंग मार्च 12-13, 2016.

- पार्टिसिपेटेड एज रेसौर्स पर्सन एंड चैयरड सेशन इन ए नेशनल सेमिनार ऑन 'टीचर एजुकेशन इन इंडिया: पॉलिसीस, प्रैक्टिसेज एंड चैलेंजेजस' आर्गनाइज्ड बाय सीएसजेएम यूनिवर्सिटी, कानपूर ड्यूरिंग फरवरी 27-28, 2016.

डा. रिंकी

- पार्टिसिपेटेड एंड प्रेसेंटेड ए पेपर एंटाइटिल्ड, 'टीचिंग इंग्लिश इन मल्टीकल्चरिज्म इन एजुकेशन: द इंडियन कॉन्टेक्स्ट' आर्गनाइज्ड बाय फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन इन कोलैबोरेशन ऑफ़ आईएटीई, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी ड्यूरिंग मार्च 12-13, 2016.

डा. शाम्भवी कुमारी

- पार्टिसिपेटेड एंड प्रेसेंटेड ए पेपर एंटाइटिल्ड, 'टीचिंग इंग्लिश इन मल्टीलिंगुअल क्लासरूम' इन ए कांफ्रेंस ऑन 'अकोमोडेटिंग मल्टीकल्चरिज्म इन एजुकेशन: द इंडियन कॉन्टेक्स्ट' आर्गनाइज्ड बाय फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन इन कोलैबोरेशन ऑफ़ आईएटीई, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी ड्यूरिंग मार्च 12-13, 2016.

❖ प्राप्त पुरस्कार / प्रशस्ति / सम्मान / फैलोशिप

प्रो. रेखा अग्रवाल

- डी. लिट्. इन एजुकेशन "एम्पिरिकल रिआर्गेनाइजेशन ऑफ़ करिकुलम फॉर लर्निंग टू बी, लर्निंग टू डू, लर्निंग टू थिंक एंड लर्निंग टूगेदर एट प्राइमरी लेवल"- अवार्डेड ऑन 5 जनवरी 2016

❖ अन्य गतिविधियाँ/ उपलब्धियाँ

प्रो. रेखा अग्रवाल

- कीनोट स्पीकर, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "इनोवेटिंग एजुकेशन, यूथ इन्टरप्रेन्योरशिप एंड स्किलिंग"- 21 दिसम्बर 2015, एसआरएम यूनिवर्सिटी.
- कीनोट स्पीकर- इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "एजुकेशन फॉर हप्पिनेस"- मार्च 11 टू मार्च 13, 2016 एमजेपी रोहिलखंड यूनिवर्सिटी, बरेली.
- मेम्बर, एनसीटीई कमेटी फॉर फोर इयर्स इंटीग्रेटेड बी.एड. प्रोग्राम

डा. कौशल किशोर

- गिवेन टू इनवाईटेड लेक्चर्ज एट एमजेपी रोहिलखंड यूनिवर्सिटी, बरेली (यूपी) ऑन जून 07, 2015
- गिवेन टू इनवायटेड लेकचर्ज एट सीएसजेएम यूनिवर्सिटी, कानपूर (यूपी) ड्यूरिंग जुलाई 06-07, 2015
- गिवेन वन इनवायटेड लेकचर्ज एट मधुस्थली टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, मधेपुरा (झारखण्ड) ऑन अगस्त 12, 2015
- गिवेन 16 इनवायटेड लेकचर्ज एट मगध यूनिवर्सिटी, बोधगया (बिहार) ड्यूरिंग नवम्बर 21, 2015 – फरवरी 22, 2016
- गिवेन ऑन इनवायटेड लेक्चर एट विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन (डब्ल्यूबी) ऑन फरवरी 13, 2016

डा. टी.के. बसंतिया

- गाइडेड 06 पीएच.डी, 04 ऑफ़ थेम वर आईसीएसएसआर फेल्लोस

डा. मितांजलि साहू

- अटेंडेंटेड द ओरिएंटेशन प्रोग्राम एट यूजीसी ह्यूमन रेसौर्स डेवलपमेंट सेंटर, नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, डार्जीलिंग, वेस्ट बंगाल ड्यूरिंग 25.02.2016 - 23.03.2016.

डा. रिंकी

- अटेंडेंटेड द ओरिएंटेशन कोर्स ऑफ़ फोर वीक्स ड्यूरिंग 08.02.2016 – 04.03.2016 एट एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली.

डा. शाम्भवी कुमारी

- इनवायटेड एस ए रेसौर्स पर्सन फॉर डेवलपिंग ई-रिसोर्सेज इन लोकल एंड रीजनल लैंग्वेज फॉर एनआरओईआर ड्यूरिंग जून 29- जुलाई 03, 2015 एट सीआईईटी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- डाक्यूमेंट्री मूवी प्रेजेंटेशन एंड स्क्रीनिंग " व्हेयर नॉलेज इज फ्री" आर्गनाइज्ड फॉर ऑल स्टूडेंट्स ऑफ़ सीयूएसबी गया कैंपस 10-04-2015
- लेक्चर टॉक रोल ऑफ़ नेक असेसमेंट एंड एक्रीडिशन ऑफ़ हायर एजुकेशन बाय प्रो. सुरेन्द्र मोहन पनी, रिटायर्ड. प्रो. हेड ऑफ़ आईएएसई कट्टक, उड़ीसा 31-10-2015
- प्रेजेंटेशन ऑन "कैंसर" बाय सैयेम इफ़्तेख़ार (बीएससी.बीएड स्टूडेंट्स) **15-04-2015**
- प्रेजेंटेशन ऑन "प्लास्टिक फ्रेंड और फोए" बाय सुधा सिन्हा (बीएससीबीएड स्टूडेंट्स) **22-04-2015**

(iii) स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज

स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज मानवों के अध्ययन को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बायोलॉजिकल स्पेशीज के रूप में उनके अनुभवों, गतिविधियों, निर्माणों और कलाकृतियों के संदर्भ में अध्ययन करने पर ध्यान केन्द्रित करता है। मानवीय स्वभाव को सीमित अनुशासन की परिधि में नहीं बांधा जा सकता है इसलिए यह स्कूल अंर्तअनुशासनात्मक दृष्टिकोण को समझने पर जोर देता है। मानवता द्वारा झेले जानेवाले मानवीय स्वभाव और चुनौतियों की एक व्यापक समझ को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के जरिये पहुंचाना स्कूल का एक मिशन है। अनुशासन यथा एन्थ्रोपोलॉजी, साइकोलॉजी, सोशल वर्क एवं अन्य सोशल साइंसेज अंतः क्रियात्मक रूप से शोध द्वारा ज्ञान के एक तरीके का विकास कर रहे हैं जो मानवता के विकास में संलग्न हो सकते हैं। स्कूल का उद्देश्य शोध के जरिये विभिन्न मानव विज्ञानों में एक उच्च वैज्ञानिक ज्ञान का विकास करना है।

सेन्टर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज

साइकोलॉजी के क्षेत्र में विश्वस्तरीय ज्ञान का निर्माण एवं विस्तार के विजन के साथ सेन्टर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज (सीपीएस) के पास साइकोलॉजी की प्रचुर क्षमता के साथ किसी व्यक्ति और समाज के जीवन में गुणों की पहचान करता है। केन्द्र का मिशन साइकोलोजिस्टों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है ताकि वे मानवता की सेवा कर सकें। यह वर्तमान में मास्टर इन साइकोलॉजी के साथ सोशल साइकोलॉजी, आर्गेनाइजेशनल विहेवियर, क्लीनिकल साइकोलॉजी, एव काउंसलिंग साइकोलॉजी में विशेषज्ञता प्रदान करता है। वर्तमान में प्रयोगशाला छात्रों को तीन प्रकार की सुविधाएं प्रदान करती हैं: प्रयोगों का अभ्यास, मनोवैज्ञानिक परीक्षण और गुणात्मक अनुसंधान। प्रयोगशाला विद्यार्थियों को कंप्यूटर आधारित प्रयोगों और सामाजिक प्रयोगों को करने हेतु सक्षम बनाता है। प्रयोगशाला में अनेक साइकोलॉजिकल जांच किए जाते हैं। इन जांचों में पर्सनेलिटी टेस्ट, इंटेलीजेंस टेस्ट, न्यूरोसाइकोलॉजिकल टेस्ट एवं अन्य कई टेस्ट शामिल हैं। गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध साइकोलॉजी लैब के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। प्रयोगशाला के पास कंप्यूटर के साथ ही ऑडियो-वीडियो मोड पर डेटा कलेक्शन तथा इसके इंटरप्रीटेशन की सुविधा है। लैब सॉफ्टवेयर यथा एसपीएसएस आर एवं क्यूडीए से लैस है जो शोध के विश्लेषण में काम आते हैं।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. तथा एकीकृत एमफिल-पीएच.डी. इन साइकोलॉजी
नियमित संकाय	5
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. तेज बहादुर सिंह

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	प्रो. टी.बी. सिंह	डीन एंड प्राध्यापक	एम.फिल; पीएच.डी	क्लिनिकल साइकोलॉजी
2	डा. नरसिंह कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	आर्गनाइजेशनल बिहेवियर, ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट
3	डा. दास अम्बिका भारती	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	हेल्थ साइकोलॉजी
4	डा. मंगलेश कुमार मंगलम	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल; पीएच.डी	क्लिनिकल साइकोलॉजी
5	डा. चेतना जयसवाल	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल; पीएच.डी	आर्गनाइजेशनल बिहेवियर, सोशल साइकोलॉजी

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

प्रो. टी.बी. सिंह

- शर्मा एम.सिंह टी.बी.(2015): इफीकेसी ऑफ़ इंटरपर्सनल प्रोटेक्शन मॉडल इन चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज विथ कोगनिटिव डिफिकल्टिज. इंटर्नेशनल जर्नल ऑफ़ ह्यूमनेटिज एंड सोशल साइंसेज इन्वेंशन, 4(2), 12-15.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार

डा. नरसिंह कुमार

- कुमार एन. (2016). मोडेरेटिंग रोल ऑफ़ कोपिंग स्ट्रेटेजीज बिटवीन रिलेशनशिप ऑफ़ इमोशनल लेबर, परफॉरमेंस मोनिटरिंग एंड वेल-बिंग. पेपर प्रेजेंटेड एट 25 सिल्वर जुबिली कन्वेंशन ऑफ़ नेशनल अकैडेमी ऑफ़ साइकोलॉजी हेल्ड एट यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद, इंडिया ड्यूरिंग फरवरी 02-05 2016.
- तिवारी जी., एंड कुमार एन. (2016). टास्क एंड रिलेशनशिप ओरिएंटेशंस इन इंडियन एम्प्लाइज: देयर रिलेशनशिप विथ आर्गेनाइजेशनल कमिटमेंट. पेपर प्रेजेंटेड एट 25थ सिल्वर जुबिली कन्वेंशन ऑफ़ नेशनल अकैडेमी ऑफ़ साइकोलॉजी हेल्ड एट यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद, इंडिया ड्यूरिंग फरवरी 02-05 2016.
- कुमारी एस., एंड कुमार एन (2016). द इफ़ेक्ट ऑफ़ आर्गेनाइजेशनल नॉलेज शेयरिंग प्रैक्टिसेज एंड इनोवेशन ऑन नॉलेज शेयरिंग: मोडेरेटिंग रोल ऑफ़ ट्रस्ट. पेपर प्रेजेंटेड एट 25वीं सिल्वर जुबिली कन्वेंशन ऑफ़ नेशनल अकैडेमी ऑफ़ साइकोलॉजी हेल्ड एट यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद, इंडिया ड्यूरिंग फरवरी 02-05 2016.

❖ अन्य गतिविधियाँ/ उपलब्धियाँ

डा. मंगलेश कुमार मंगलम

- अटेंडेंड एंड सक्सेसफुल्ली कम्पलीटेड ओरिएंटेशन प्रोग्राम

(iv) स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर

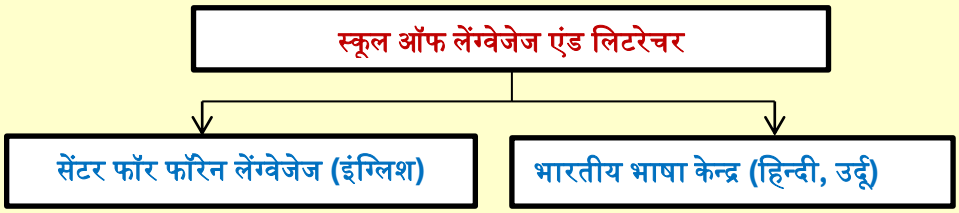

मानव सभ्यता का विकास असंख्य भाषाओं के विकास के दौर से गुजरा है। ज्ञान खुद अपने विकास हेतु भाषाओं के साथ हाथ से हाथ मिलाकर आगे बढ़ता है। मानव व्यवहार को प्रदर्शित करने के लिए रचनात्मक प्रोत्साहन ने ही साहित्य को आकार प्रदान किया। भाषायी विरासत के वाचक के रूप में साहित्य सांस्कृतिक विविधताओं को शाब्दिक व्याख्याओं के माध्यम से शिक्षण के रूप में प्रोत्साहित करता है। स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज की स्थापना इस विचार को स्थापित करती है कि भाषा एक बहता नीर है जो जीवन को विभिन्न भाषायी अंतर होते हुए भी विभिन्न परिप्रेक्ष्यों में दर्पण की तरह रखता है। अंर्तअनुशासनात्मक दृष्टिकोण को प्राथमिक मानते हुए यह शिक्षार्थी समुदाय में विश्वास लाकर संचार एवं प्रस्तुति कौशल को बढ़ावा देता है। स्कूल अपनी पाठ्यचर्या में 'अनुवाद अध्ययन' को एक कॉमन एकेडमिक कनसर्न में सापेक्षिक सांस्कृतिक आयाम के साथ समाज की बहुलता के संदर्भ में देखता है। स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर वर्तमान में सेन्टर फॉर इंडियन लेंग्वेजेज एवं सेन्टर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज को एक शुरूआती भवन के रूप में प्रदर्शित कर रहा है। स्कूल अपने मुख्य उद्देश्यों के तहत विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के शोध और अध्ययन को उद्घाटित करता है जो वैश्विक साहित्य के सांस्कृतिक, सांदर्भिक और तुलनात्मक विश्लेषण को प्रोत्साहित करता है।

(ए) सेंटर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज (इंग्लिश)

वर्ष 2012 में अपनी स्थापना से सेंटर फॉरेन लेंग्वेजेज (सीएफएल) इंग्लिश ब्रिटिश, इन्डियन, अमेरिकन, यूरोपियन साहित्य की प्रवृत्तियों तथा आन्दोलनों एवं नए साहित्य और साहित्यिक सिद्धांतों का गहरा ज्ञान प्रदान कर रहा है. साहित्य के प्रति अंतर-भाषी दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर केन्द्र छात्रों के संचार कौशल की प्रवीणता में सुधार लाने पर पर जोर देकर उनके सम्पूर्ण विकास हेतु उनमें साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को पैदा करने के साथ-साथ साहित्यिक और भाषाई क्षमता का विकास कर उनके समग्र विकास करने में सतत लगा है। आलोचनात्मक - विश्लेषणात्मक विधि द्वारा केंद्र मुख्यतः शिक्षण के लिए छात्रों की सलाह / परामर्श और विभिन्न सह पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित करता है। केंद्र के छात्रों ने गांधी फैलोशिप और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ रोजगार प्लेसमेंट भी प्राप्त किया है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम इन इंग्लिश
नियमित संकाय	4
अनुबंध पर	1
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. प्रभात कुमार सिंह

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	प्राध्यापक	एमए, पीएचडी	ब्रिटिश एंड इंडियन पोएट्री एंड फिक्शन इन इंग्लिश
2	डा. सुरेश कुरापति	सहायक प्राध्यापक	एमए, एमफिल, पीएचडी	ईएलटी, लिंग्विस्टिक्स
3	डा. अर्पणा झा	सहायक प्राध्यापक	एमए (डबल), पीएचडी	ईएलटी, लिंग्विस्टिक्स
4	डा. सरोज कुमार	सहायक प्राध्यापक	एमए, एमफिल, पीएचडी	ईएलटी, लिंग्विस्टिक्स
5	डा. अभय लियोनार्ड एक्का	सहायक प्राध्यापक	एमए, एमएड	अमेरिकन लिटरेचर

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

पुस्तक

प्रो. प्रभात कुमार सिंह

- लिटरेरी क्रिटिसिज्म -रैंडम थॉट्स: एसेज इन क्रिटिसिज्म, कैंब्रिज स्कोलर्ज पब्लिशिंग, न्यूकास्टले, इंग्लैंड, सितम्बर 2015.
- पोएट्री - इन्डेलिबल इम्प्रेशंस. ऑथर्स प्रेस, नई दिल्ली, दिसम्बर, 2015.
- ट्रांसलेशन - बुद्ध, निर्वाण की राह पर (उपन्यास), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, जनवरी 2016. (शिव कुमार के रफ पैसेज टू द बोधि ट्री, रेंडम हॉउस इंडिया, 2013 हिन्दी में)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

डा. अर्पणा झा

- पब्लिश्ड ए पेपर टाइटल्ड द मूवी परिनीता: ए ट्रांसक्रीएशन, पुणे रिसर्च : एन इंटरनेशनल जर्नल इन इंग्लिश, आईएसएसएन 2454-3454, वॉल्यूम. 1, इशू 3, नवम्बर-दिसम्बर. 2015.

डा. सरोज कुमार

- पब्लिश्ड ए पेपर टाइटल्ड 'लिंगविस्टिक ओपिनियन एंड प्रेफरेंस ऑफ़ द एजुकेटेड अर्बन पीपल ऑफ़ हिन्दी स्पीकिंग रीजन ऑफ़ इंडिया: ए स्टडी ऑफ़ मिक्स्ड-हिन्दी-इंग्लिश:' इन सिंह, विजय प्रकाश. (एड.) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ लिटरेचर, लैंग्वेज एंड थ्योरी वॉल्यूम. 1, इशू II, पीपी 63-71, आईएसएसएन न.

2347355X*Literature, Language and Theory* Vol. 1, Issue II, pp 63-71, ISSN No. 2347355

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. प्रभात कुमार सिंह

- डेलिवर्ड ए प्लेनरी लेक्चर एंड चेयर्ड ऑफ़ ए सेशन एट द नेशनल सेमिनार ऑन "फ्रॉम द प्रिंटेड टेक्स्ट ऑफ़ टू द स्क्रीन प्ले: रिकॉन्फीग्रिंग लिटरेचर एंड सिनेमा", द रिसर्च' एसोसिएशन ऑफ़ उड़ीसा, कट्टक, 20 दिसम्बर, 2015.

डा. अर्पणा झा

- प्रेजेंटेड ए पेपर टाइटल्ड, 'ट्रांसलेशन एक्जेक्टीट्यूड इन सबटाइटलिंग फॉर फ़िल्म्स', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एवोल्विंग फैक्ट्स ऑफ़ ट्रांसलेशन: कम्पेरेटिव पर्सपेक्टिव्स, एडेप्टेशन एंड पोपुलर कल्चर, इन एसोसिएशन विथ आरएएसई, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, 23-24 नवम्बर, 2015.

डा. सरोज कुमार

- प्रेजेंटेड ए पेपर, "एन एवेल्वेटीव स्टडी ऑफ़ द इंग्लिश सिलेबी ऑफ़ नार्थ इंडियन प्रोफेशनल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस" एट द टू-डे नेशनल कांफ्रेंस ऑन 'इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग इन द प्रेजेंट कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ 'इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग इन द प्रेजेंट कॉन्टेक्स्ट', 18-19 सितम्बर 2015, आर्गनाइज्ड बाय एसआरएम यूनिवर्सिटी, एनसीआर कैंपस, मोदीनगर, गाजियाबाद.

❖ अन्य गतिविधियाँ/ उपलब्धियाँ

डा. सुरेश कुरापति

- सबमिटेड हिज पीएच.डी. थीसिस ऑन 07-10-2015 टू द यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद

(बी) भारतीय भाषा केन्द्र (हिन्दी, उर्दू)

भारतीय भाषा केन्द्र भाषा और साहित्य के अध्ययन–अध्यापन के साथ विद्यार्थियों में उच्चस्तरीय शोध–अभिरुचि विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भाषा और साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज की बहुआयामी सांस्कृतिक विविधताओं का अध्ययन करता है।

यह साहित्य और समाज की महान परंपराओं एवं विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए रचनाशीलता तथा ज्ञान के नए अनुषासनों के निर्माण एवं उनमें परस्पर संवाद की ओर उन्मुख है। इसके साथ केन्द्र बदलते वैष्विक परिदृष्य में नई तकनीक एवं संचार की दिषा में अग्रसर होते हुए भारतीय भाषाओं को रोजगारपरक बनाने के लिए भी प्रयासरत है ।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर हिन्दी, एम.फ़िल.- पी-एच.डी. संयुक्त पाठ्यक्रम
नियमित संकाय	06 (हिन्दी – 05, उर्दू – 01)
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	**डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक**	सह-प्राध्यापक (हिन्दी)	पी-एच.डी. (काशी हिन्दू वि.वि., वाराणसी)	हिन्दी व्याकरण (भाषाविज्ञान), स्त्री और ज़ेण्डर अध्ययन
2	**डॉ. योगेश प्रताप शेखर**	सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)	पी-एच.डी. (पटना विश्वविद्यालय, पटना)	मध्यकालीन काव्य, उपन्यास, हिन्दी आलोचना
3	**डॉ. कर्मानन्द आर्य**	सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)	पी-एच.डी. (गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)	दलित साहित्य, भारतीय काव्यशास्त्र, समकालीन साहित्य
4	**डॉ. अनुज लुगुन**	सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)	पी-एच.डी. (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)	समकालीन हिंदी साहित्य, आदिवासी विमर्श
5	**श्री शान्ति भूषण**	सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)	एम.ए., पी-एच.डी. (शोध-प्रबन्ध जमा)	हिन्दी व्यंग्य, आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य
6.	**डॉ. कफ़ील अहमद नसीम**	सहायक प्राध्यापक (उर्दू)	पी-एच.डी. (जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली)	उर्दू कविता की आलोचना, उर्दू भाषा एवं साहित्य का इतिहास

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक

- 'किशोरीदास वाजपेयी का व्याकरण-विमर्श' (कारक और विभक्ति : समस्या और समाधान), 'प्रतिमान' (पूर्वसमीक्षित अर्द्धवार्षिक शोध-पत्रिका), विकासशील समाज अध्ययन पीठ, दिल्ली, जनवरी-जून,**2015,** पृष्ठ-**192-212**
- 'हिन्दी-व्याकरण के कुछ उलझे-अनुत्तरित सवाल', 'भाषा' (द्वैमासिक), केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली, जुलाई-अक्टूबर,**2015,** पृ.**187-192**
- 'हिन्दी की ध्वनि/वर्ण-व्यवस्था का अवलोकन', 'गवेषणा' (त्रैमासिक शोध-पत्रिका), केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, जनवरी-जून,**2015,** पृ.**31-60**
- 'पर्यावरण का प्रश्न और स्त्री', 'बयान' (मासिक), अप्रैल,**2010,** पृ.**7-10**
- 'बेटा आँख होता है और बेटी नाक : लोकोक्तियों में झाँकती स्त्री-द्वेषी भावनाएँ', 'चेतांशी' (त्रैमासिक), पटना, अक्टूबर-दिसम्बर,**2015,** पृ.**76-77**
- 'माँ सार्वभौमिक है और मौलिक भी', 'चेतांशी', पटना, अप्रैल-जून,**2015,** पृ.**78-79**
- 'ज्वलन्त स्त्री-समस्या पर कविताई', 'फ़ारवर्ड प्रेस', दिल्ली, मई,**2015,** पृ.**39-43** (ऑनलाइन पत्रिका 'स्त्रीकाल' में पुन: प्रकाशित । http://www.streekaal.com/2015/06/blog-post_25.html 2015)

डॉ. योगेश प्रताप शेखर

- 'खरी कसौटी की ईमानदार तलाश', 'आलोचना' (त्रैमासिक), दिल्ली, जुलाई-सितम्बर, 2015

डॉ. कर्मानन्द आर्य

- 'समकालीन दलित साहित्य कुछ नये प्रश्न', 'निरुप्रह', दिल्ली, दिसंबर **2014**-मई 2015 **(संयुक्तांक)**
- 'जब दलित बनायेंगे अपना सिनेमा', 'निरुप्रह', सिनेमा विशेषांक**,** जून-अगस्त 2015

डॉ. अनुज लुगुन

- 'सभ्यता-समीक्षक हैं इसी सदी के असुर', 'आदिवासी साहित्य', दिल्ली, अप्रैल-जून, **2015**
- 'राग, रंग और रस की विविधा (सेलेद)', 'जनजातीय शोध-पत्रिका', जनवरी, **2016**
- 'मुण्डारी साहित्य की भूमिका', 'आवर्तन' (शोध-पत्रिका), अमरकण्टक (मध्य प्रदेश), जनवरी **2016**

डॉ. कफ़ील अहमद नसीम

- 'उर्दू की पैदाइश में हिन्दुओं का हिस्सा' , 'अब्जद' (उर्दू त्रैमासिक), अररिया बिहार, जून 2015

पुस्तक अध्याय

डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक

- 'लोहे का स्वाद उस घोड़े से पूछो जिसके मुँह में लगाम है' शीर्षक भूमिका, 'मातृत्व' पुस्तक (-गायत्री आर्य), साहित्य उपक्रम, दिल्ली, जनवरी, **2016 , ISBN – 978-81-8235-127-1**

डॉ. कर्मानन्द आर्य

- 'समकालीन हिंदी आलोचना में स्त्री स्वर' शीर्षक अध्याय, 'स्त्री मुक्ति के प्रश्न और समकालीन विमर्श' पुस्तक (सम्पादक - अल्पना सिंह), देव प्रकाशन, दिल्ली, **ISBN-978-81-86485-32-3**

डॉ. अनुज लुगुन

- 'परम्परा और युद्ध-भूमि के बीच आदिवासी कविताएँ', 'आदिवासी दर्शन और साहित्य', विकल्प प्रकाशन, दिल्ली , **ISBN – 978-93-82695-34-9**

शोध प्रकाशन (ज्ञान आधारित वॉल्यूम)

डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक

- हिन्दी साहित्य-ज्ञानकोश' (5 खण्ड), सम्पादक – प्रो. शम्भुनाथ, भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता द्वारा प्रकाश्य । इसमें भाषाविज्ञान और काव्यशास्त्र से सम्बद्ध 25 प्रविष्टियों का लेखन :- मौखिक और लिखित भाषा, चार वाक्, लाँग् और पैरोल, पिज़िन और क्रियोल, योगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा, सिन्धु-हड़प्पा लिपि, ब्राह्मी लिपि, फ़ारसी और उर्दू लिपि, प्रोक्ति, लोकोक्ति, सूक्ति, स्फोट, भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र, सार्वभौमिक व्याकरण, व्याकरण और पितृसत्ता, व्याकरण का समाजशास्त्र, स्त्रीभाषा, अर्थप्रकृति, नाट्यसन्धि, यास्क, दीमशित्स, भर्तृहरि, हेमचन्द्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा ।

डॉ. कफ़ील अहमद नसीम

- 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' की 'ई. पाठशाला' में 'एम.ए.उर्दू पाठ्यक्रम' के लिये उर्दू मर्सिये की आलोचना पर आधारित 13 अध्याय लिखित (हर अध्याय लगभग चार हज़ार शब्दों में) :- उर्दू में करबलाई मर्सिये की रिवायत, उर्दू में शख्सी मर्सिये की रिवायत, करबलाई और शख्सी मर्सिये के इम्तेयाज़ात, उर्दू में जदीद मर्सिये की रिवायत, करबलाई और जदीद मर्सिये में फर्क़, मीर बब्बर अली अनीस की मर्सिया निगारी, मिर्ज़ा सलामत अली दबीर की मर्सिया निगारी, जोश मलीहाबादी के जदीद मर्सिये, जमील मजहरी की जदीद मर्सिया निगारी, वहीद अख्तर की जदीद मर्सिया निगारी, उर्दू मर्सिये का मौजूदह मंज़रनामा, करबलाई और जदीद मर्सिये में हिन्दुस्तानी अनासिर, जदीद मर्सिये का मुस्तक़बिल।

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डॉ. योगेश प्रताप शेखर

- 'दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय' के राजनीतिक अध्ययन केंद्र की ओर से स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी 2016 ई.) के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में 'आधुनिक भारत के निर्माण में स्वामी विवेकानंद का योगदान' विषय पर व्याख्यान।

डॉ. कर्मानन्द आर्य

- `हिंदी विभाग' , 'काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी' के द्वारा आयोजित `राष्ट्रीय युवा कवि संगम' (26-27 फरवरी 2016) में भागीदारी।

- 'यू.जी.सी.' संपोषित एवं `सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एंड इंक्लूसिव पॉलिसी, पटना यूनिवर्सिटी' द्वारा 24-26 अप्रैल, 2015 को आयोजित संगोष्ठी में `भारतीय संस्कृति, सांस्कृतिक अवरोध और हाशिये के लोग' ' विषय पर पत्र-प्रस्तुति ।

श्री शान्ति भूषण

- 'यू.जी.सी.' संपोषित एवं `सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एंड इंक्लूसिव पॉलिसी, पटना यूनिवर्सिटी' द्वारा 24-26 अप्रैल, 2015 को आयोजित संगोष्ठी में `हाशिये की वैचारिकी और ग्राम्शी' विषय पर पत्र-प्रस्तुति ।
- `यू.जी.सी. संपोषित एवं रामेश्वरदस पन्नालाल महिला महाविद्यालय, पटना सिटी द्वारा 22 सितम्बर 2015 को आयोजित 'साहित्य में वृद्ध विमर्श' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में तत्संबंधी पत्र-प्रस्तुति I
- यू.जी.सी. एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय (लखनऊ) द्वारा 01 से 22 जनवरी 2016 तक आयोजित रिफ्रेशर कोर्स (हिन्दी) में प्रतिभाग I

डॉ. अनुज लुगुन

- 'सरकारी ब्रेन्नन कॉलेज, तलश्शेरी (केरल)' में 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता में मानवाधिकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (18-20 नवम्बर, 2015) में 'समकालीन हिन्दी कविता में वंचितों का स्वर
- दलित एवं आदिवासी कविताएँ' शीर्षक पत्र-प्रस्तुति।
- 'गुरुनानक कॉलेज, धनबाद (झारखण्ड)' में 'मातृभाषा शिक्षा और विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथि-व्याख्यान (दिनांक 19-12-15)।

- 'हिन्दी विभाग', 'काशी हिन्दू वि.वि., वाराणसी' द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय युवा कवि संगम' (26-27 फरवरी, 2016) में भागीदारी ।

डॉ. कफ़ील अहमद नसीम

- यू.जी.सी.एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, कोलकाता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम (30 मार्च से 29 अप्रैल 2015) में भागीदारी|

❖ अन्य गतिविधियाँ/ उपलब्धियाँ

डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक

- 'चेतांशी' त्रैमासिक पत्रिका (पटना) में भाषा और स्त्री के सम्बन्धों पर 'आधी भाषा' नामक कॉलम-लेखन|

डॉ. अनुज लुगुन

- 'प्रभात खबर' (दैनिक) में सामाजिक मुद्दों पर कॉलम-लेखन|

श्री शांति भूषण

- दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया परिसर में (दिनांक 17-20 फरवरी 2016 के दौरान) आयोजित 'वार्षिक स्पोर्ट्स मीट (उमंग-2016)' का संयोजन एवं संचालन |

केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- भीष्म साहनी जन्मशताब्दी वर्ष समारोह (12-08-2015)
- रमाशंकर विद्रोही : श्रद्धांजलि सभा (11-12-2015)
- भारतीय कविता उत्सव (13-01-2016)
- निदा फ़ाज़ली : श्रद्धांजलि सभा (11-02-2016)

(v) स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस

स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने शैक्षणिक सत्र वर्ष 2013-14 से कार्य आरंभ किया है। प्रत्येक प्रोग्राम बीसीआई और यूजीसी के मानदंडों के अनुपालन में डिज़ाइन किया गया है। इसके पाठ्यक्रम की संरचना आधुनिक कानूनी शिक्षा की वैश्विक मांग को पूरा करने के उद्देश्य से की गयी है। असमर्थ वर्गों के हितों की सुरक्षा और विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए वैधानिक शिक्षा 2008 के अनुपालन में स्कूल ने कानूनी सहायता क्लिनिक की स्थापना की है।

यह सभी विद्यार्थियों को मूट कोर्ट (छद्म न्यायालय) और संयुक्त राष्ट्र मॉडल का भी प्रशिक्षण प्रदान करती है। व्यावसायिक मांग को पूरा करने और साथ ही वैयक्तिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। स्कूल का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक कौशल के साथ आलोचनात्मक विचार का विकास करना और साथ ही विधिज्ञ परिषद और न्यायालय का सदस्य बनने के लिए सक्षम करना।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	बी.ए.एलएल.बी/बी.एससी.एलएलबी (ऑनर्स) और एलएल.एम
नियमित संकाय	6
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	प्राध्यापक	एलएल.एम., पीएच.डी (विधि)	पेटेंटस् लॉ, लॉ एंड गवर्नेंस, कॉपीराइट लॉ और साइबर लॉ
2	डॉ. पवन कुमार मिश्रा	सह प्राध्यापक	एलएल.एम., पीएच.डी (विधि)	क्रिमिलन लॉ और महिला और बाल संबंधी लॉ
3	डॉ. प्रदीप कुमार दास	सहायक प्राध्यापक	एलएल.एम., पीएच.डी (विधि)	बिज़नेस लॉ और आईपीआर
4	सुश्री पूनम कुमारी	सहायक प्राध्यापक	एलएल.एम.	ह्यूमन राईटस्
5	डॉ. दिगविजय सिंह	सहायक प्राध्यापक	एलएल.एम., पीएच.डी (विधि)	इंटरनेशनल लॉ, इंटेलक्चुअल प्रॉपर्टी लॉ, लेबर लॉ और प्रॉपर्टी लॉ
6	श्री देव नारायण सिंह	सहायक प्राध्यापक	एलएल.एम.	इंश्योरेंस लॉ, फैमिली लॉ और सिविल प्रोसीजर कोड

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डॉ. प्रदीप कुमार दास

- दिसंबर 2015 में प्लेबस् जर्नल ऑफ लॉ, ए रेफर्ड एंड इंडेक्सड नेशनल लॉ जर्नल, वोल्यूम 2 में आईएसएसएन – 2454-4124, हरियाणा भारत, पृष्ठ संख्या 327-338 तक में, वोमेन एंड चाईल्ड ट्रॉफीकिंग – ए सोशल कैंसर इन इंडिया : एन एप्रेजल फ्रॉम लीगल प्रॉस्पेक्टिव, शीर्षक पत्र प्रकाशित

श्री देव नारायण सिंह

- "मेवाड़ जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज़, मोहन लाल सुखाडिया युनिवर्सिटी, राजस्थान, वोल्यूम सं. XVII (आईएसएसएन-0975-346X) में "फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट:एन एनालिसिस ऑफ इंश्योरेंस बिल, 2015" शीर्षक पत्र

पुस्तक अध्याय

प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव

- डॉ.एस.पी. श्रीवास्तव और श्री पी.सी.एस. यादव, "पॉज़ीटिव डिस्क्रिमिनेशन एंड स्टेटस ऑफ दलित वोमेन इन इंडिया : मिथ एंड पैराडॉक्स", संपादित पुस्तक शीर्षक, एफरमेटिव एक्शन : वोमेन एंड लॉ, मुख्यत संपादन : डॉ. सी.पी. सिंह, पब्लिकेशन रैपिड बुक सर्विस, लखनऊ, 2015, पृष्ठ सं.:264-74

डॉ. प्रदीप कुमार दास

- "लीगल एजुकेशन इन इंडिया:न्यू होराइज़नस्" पुस्तक में, टीचिंग एंड लर्निंग द लॉ थ्रू केस स्टडी मेथड ऑफ लॉ टीचिंग:ए क्रिटिकल एनालिसिस, शीर्षक से बुक चैपटर प्रकाशित, डॉ. स्वाति सिन्हा द्वारा संपादित,आईएसबीएन-978-93-8033-285-7

डॉ. दिगविजय सिंह

- प्रदीप कुमार दास (संपादक) के कंपनीज़ एक्ट, 2013:बीगीनिंग ऑफ ए न्यू एरा (कोलकाता : मानव प्रकाशन, 2016) शीर्षक पुस्तक में "कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी विस-ए-विस इंडियन लॉ एंड प्रैक्टिस:एन एनालिसिस" शीर्षक चैपटर

- " भारत में पर्यावरणीय विधियों और नीतियों का विकास:एक अध्ययन" में अनूप कुमार, पर्यावरणीय विधि:चुनौतियां, विश्लेषण एवं भविष्य (इलाहाबाद:सेंटर लॉ पब्लिकेशन, 2015)

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव

- 6 फरवरी 2016 को पटना यूनिवर्सिटी के स्नात्कोत्तर विधि विभाग द्वारा यूजीसी प्रायोजित रिसर्च मेथॉडोलॉजी पर आयोजित अल्पकालीन पाठ्यक्रम में रीसोर्स पर्सन।

- 9 मार्च 2016 को पटना युनिवर्सिटी के एकाडमिक स्टाफ कॉलेज में यूजीसी प्रायोजित रिफ्रेशर कोर्स में रीसोर्स पर्सन ।

- 3 मई 2015 को विधि संकाय , लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में लॉ, सोशल ट्रांस्फॉरमेंशन एंड शेड्युल्ड कास्ट एंड शेड्युल्ड ट्राईबस् विषय के राष्ट्रीय सेमिनार में "प्रोटेक्टर एज़ वायोलेटर ऑफ ह्यूमन राईटस् ऑफ एससी एंड एसटीज: चैलेंजेज़ एंड ऑपशंस" शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. पवन कुमार मिश्रा

- 27 से 29 मार्च 2016 तक ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, पटना द्वारा 'सोशल एक्सक्लूज़न, प्रोटेक्शन ऑफ दलित विथ रेफरेंस टू कॉन्स्टीट्यूशन ऑफ इंडिया' शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रदीप कुमार दास

- यूजीसी के मानव संसाधन विकास केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्द्धवान, बर्द्धवान, पश्चिम बंगाल से यूजीसी प्रायोजित 28 दिनों का (1 से 28 मार्च 2016) ओरिएंटेशन प्रोग्राम (103वां ओ.पी.) सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. दिगविजय सिंह

- 11 अप्रैल 2015 को एचएनएलयू, रायपुर द्वारा 'रोल ऑफ एथिक्स, वैल्यूज़ एंड मोरॉलिटी इन लॉ' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "एथिकल इंप्लीकेशंस ऑफ ग्लोबलाइज़ेशन ऑफ लीगल प्रोफेशन:इंडियन पर्सपेक्टिव" शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, ट्रेडिशनल नॉलेज एंड ट्रेडिशनल कल्चरल एक्सप्रेशंस शीर्षक पर 25 जुलाई 2015 को डब्ल्यूआईपीओ एकैडमी, जिनेवा में एडवांस कोर्स पूरा किया।

- अगस्त 2015 में ड्यूक यूनिवर्सिटी, एमरॉय यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कॉरोलीना, चैपल हिल, में कॉपीराइट फॉर एडुकेटर एंड लाईब्रेरियन पर कोर्स पूरा किया।

❖ प्राप्त पुरस्कार / प्रशस्ति / सम्मान / फैलोशिप

डॉ. दिगविजय सिंह

- मार्च 2016 में डब्ल्यूआईपीओ एकैडमी, जिनेवा से डीएल 201 और डीएल 301 में एडवांस कोर्स के लिए डब्ल्यूआईपीओ एकैडमी स्कॉलरशिप

❖ अन्य गतिविधियाँ/ उपलब्धियाँ

प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव

- 12-13 मार्च, 2016 को मगध विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (लॉ) के एलएल.एम. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संरचना के लिए बाह्य सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।
- कोटा विश्वविद्यालय, राजस्थान में पीएच.डी. मौखिकी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. पवन कुमार मिश्रा

- 12-13 मार्च, 2016 को मगध विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (लॉ) के एलएल.एम. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संरचना के लिए बाह्य सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. दिगविजय सिंह

- नवंबर 2015 में लॉ कॉलेज देहरादून, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून (उत्तराखंड) के देहरादून लॉ रिव्यू, 7वें अंक के सह संपादक

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय विधि दिवस समारोह, 26 नवंबर, 2015
- मानवाधिकार दिवस समारोह, 10 दिसंबर, 2015
- विधि सहायता क्लिनिक का उद्घाटन, फरवरी, 2016

(vi) स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस

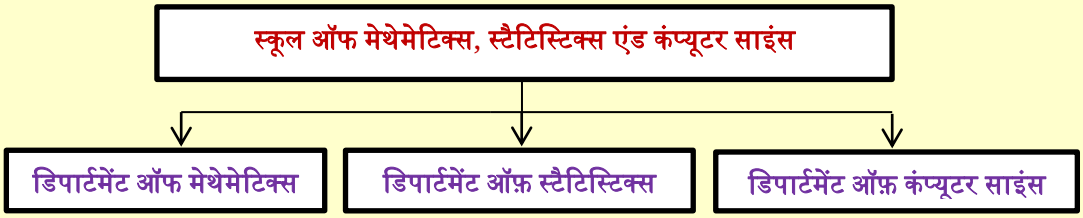

मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स और कंप्यूटर साइंस ने सभी विज्ञानों को परिपूर्ण करके आधुनिक सभ्यता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल का उद्देश्य है मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स और कंप्यूटर साइंस और साथ ही ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के बीच पारस्परिक विचार से अंत:विषयी शोध में सहायता करना और गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करना। इसमें तीन विभाग हैं जिनके नाम हैं, मेथेमेटिक्स विभाग, स्टैटिस्टिक्स विभाग और कंप्यूटर साइंस विभाग। अंत:विषयी दृष्टिकोण की एक नई प्रवृत्ति आरंभ करते हुए स्कूल के अंतर्गत ये तीनों विभाग संबंधित विद्यार्थियों को न केवल शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं बल्कि साथ ही नियमित और विशेष पाठ्यक्रमों के अन्य विषयों में भी शैक्षणिक और तकनीकी मुद्दों को हल करने का उपयुक्त कौशल प्रदान करके सहायता प्रदान करते हैं।

(ए) कंप्यूटर साइंस विभाग

कंप्यूटर साइंस विभाग का लक्ष्य है शोध, शिक्षण और प्रौद्योगिकी विकास में स्थानीय प्रासंगिकता और वैश्विक उत्कृष्टता के लिए अवसर प्रदान करना। विभाग में सुविधासंपन्न वातानुकूलित प्रयोगशाला है जिसमें विद्यार्थियों को सर्वर सहित हाई एंड कंप्यूटर और अपेक्षित सॉफ्टवेयर की कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विभाग में प्रिंटिंग और स्कैनिंग की सुविधा के लिए एक समर्पित प्रिंटर/स्कैनर है। एंड्रॉयड आधारित अनुप्रयोगों के विकास के लिए विभाग में टैबलेट और एंड्रॉयड मोबाइल फोन हैं। बाज़ार और उद्योगों की आवश्यकतानुसार विभाग विभिन्न आकर्षक प्रशिक्षण और कार्यशाला कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.एससी.(कंप्यूटर साइंस) और एम.टेक.(कंप्यूटर साइंस)
नियमित संकाय	5
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	श्री नेमी चंद्र राठौड़

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	श्री नेमी चंद्र राठौड़	सहायक प्राध्यापक	एम.टेक.,(आई.आई.टी. पटना से पीएच.डी. कर रहे हैं)	कंप्यूटर नेटवर्क एंड सेक्यूरिटी
2	डॉ. प्रभात रंजन	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी., एम.एन.एन.आई.टी., इलाहाबाद	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग
3	सुश्री स्मिता रॉय	सहायक प्राध्यापक	एम.टेक., (आई.आई.टी. पटना से पीएच.डी. अध्ययनरत)	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
4.	श्री जयनाथ यादव	सहायक प्राध्यापक	एम.टेक., (आई.आई.टी. खड़गपुर से पीएच.डी. कर रहे हैं)	स्पीच प्रोसेसिंग
5.	श्री पीयूष सिंह	सहायक प्राध्यापक	एम.सी.ए., पीएच.डी. कर रहे हैं), बीएचयू, वाराणसी	वेभलेट ट्रांसफॉर्म, इमेज प्रोसेसिंग

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

पुस्तक अध्याय

श्री नेमी चंद्र राठौड़

- आशीष कुमार, नेमी चंद्र राठौड़, इंप्रूविंग एट्रीब्यूट इंफरेंस अटैक यूजिंग लिंक प्रेडिक्शन इन ऑनलाइन सोशल नेटवर्कस्, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस 2015, बिहार, इंडिया, 29-31 मई 2015, इंडिया, पीपी. 494-503

- अभिनव कुमार एंड नेमी चंद्र राठौड़, रिलेशनशिप स्ट्रेंथ बेस्ड एसेस कंट्रोल इन ऑनलाइन सोशल नेटवर्कस्, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेकनोलॉजी फॉर इंटेलिजेंट सिस्टमस्-2015, नवंबर 28-29, 2015, अहमदाबाद, इंडिया, वोल्यूम 51 ऑफ द सीरीज़ स्मार्ट इन्नोवेशन, सिस्टमस् एंड टेकनोलॉजीज़ पीपी 197-206

- एन.सी. राठौड़ एंड एस त्रिपाठी, 'कोलॉबोरेटिव एसेस कंट्रोल मॉडेल फॉर ऑनलाइन सोशल नेटवर्कस्', 2016 आईईईई 6ठा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसड् कंप्यूटिंग (आईएसीसी), भीमावरम, इंडिया, 2016, पीपी 19-24.

डॉ. प्रभात रंजन

- पी. रंजन, सुशांत कुमार एंड आर. राजेश ' ' एन ओवरव्यू ऑफ टेस्ट केस ऑप्टीमाइज़ेशन यूजिंग मेटा-ह्यूरिस्टिक एप्रोच'', वर्ल्ड साइंटिफिक प्रोसीडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, आईएसबीएन 978-981-4696-16-6, 29-31 मई 2015, सीयूएसबी पटना, बिहार, इंडिया.

- पी.रंजन, शिखा अग्रवाल एंड आर. राजेश ''एनहैंसड् वेलोसिटी बाइनरी पार्टीकल स्वार्म ऑप्टीमाइज़ेशन एंड कंवर्जेंस एनालिसिस ऑन डायमेंशनॉलिटी रीडक्शन प्रॉबलम'', वर्ल्ड साइंटिफिक प्रोसीडिंगस् ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, आईएसबीएन 978-981-4696-16-6, 29-31 मई 2015, सीयूएसबी पटना, बिहार, इंडिया.

- पी. रंजन, गोविंद कुमार झा, नीरज कुमार एंड के.जी. शर्मा ''डेंसिटी बेस्ड आउटलिअर डिटेकशन (डीबीओडी) इन डेटा माइनिंग:ए नोवल एप्रोच'', वर्ल्ड साइंटिफिक प्रोसीडिंगस् ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, आईएसबीएन 978-981-4696-16-6, 29-31 मई 2015, सीयूएसबी पटना, बिहार, इंडिया

- पी. रंजन, गोविंद कुमार झा, ए.पी. शाक्या एंड नीरज कुमार, ''ए नोवल एलगोरिदम फॉर मॉजिक स्क्वेरस्'', वर्ल्ड साइंटिफिक प्रोसीडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, आईएसबीएन – 978-981-4696-16-6, 29-31 मई 2015, सीयूएसबी पटना, बिहार, इंडिया

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस प्रोसीडींग्स

डॉ. प्रभात रंजन

- पी. रंजन, सुशांत कुमार एंड आर.राजेश ''मोडिफाइड एसीओ टू मेनटेन डायवर्सिटी इन रीग्रेशन टेस्ट ऑप्टीमाइज़ेशन'' आईईईई प्रोसीडिंगस् ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन इंफॉरमेशन टेकनोलॉजी (आरएआईटी-2016), आईएसबीएन 978-1-4799-8578-4, 3-5 मार्च 2016, आईएसएम धनबाद, इंडिया

- पी. रंजन, सुशांत कुमार एंड आर. राजेश ''ए कॉन्सेप्ट फॉर टेस्ट केस प्रायोराइटाइज़ेशन बेस्ड अपोन द प्रायोरिटी इंफॉरमेशन ऑफ अर्ली फेज़'', स्प्रींगर प्रोसीडिंगस् ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिगनल, नेटवर्किंग, कंप्यूटिंग एंड सिस्टमस् (आईसीएसएनसीएस-2016), लेक्चर नोटस् इन इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, आईएसएसएन 1876-1100, 25-27 फरवरी 2016, जेएनयू न्यू दिल्ली, इंडिया

श्री जयनाथ यादव

- रंधीर बागी एंड जयनाथ यादव, "परफॉरमेंस डीग्रेडेशन ऑफ लैंग्वेज आइडेंटिफिकेशन इन न्वाईज़ी एनवायरनमेंट'', इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, पटना, 31 मई, 2015

- मनीष कुमार एंड जयनाथ यादव, ''स्पीच ईमोशन रिकॉगनिशन यूज़िंग भावेल ऑनसेट एंड ऑफसेट प्वाइंटस्'', इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, पटना, 31 मई, 2015

- रंधीर बागी, जयनाथ यादव एंड के. राव, ''इंप्रूवड् रिकॉगनिशन रेट ऑफ लैंग्वेज आईडेंटिफिकेशन सिस्टम इन न्यॉज़ी एनवायरनमेंट'', इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंटेंपोरेरी कंप्यूटिंग (आईसी3-2015), 20-22 अगस्त, 2015, नोएडा, इंडिया

शोध प्रकाशन

सुश्री स्मिता रॉय

- अब्दुल मकसित आलम, स्मिता रॉय, 2016, ''कोल्यूसिव यूज़र रिमूवल एंड ट्रस्टेड कंपोजिट वेब सर्विस सेलेक्शन बेस्ड ऑन क्यूओएस एट्रीब्यूटस्'', सेकेंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉरमेशन एंड कम्यूनिकेशन टेकनोलॉजी फॉर कंपीटीटिव स्ट्रेटज़ीज़ (आईसीटीसीएस-2016), उदयपुर, राजस्थान, इंडिया, मार्च 4-5, 2016, कॉन्फ्रेंस प्रोसीडींग्स बाय एसीएम-आईसीपीएस प्रोसीडींग्स वोल्यूम आईएसबीएन नं. 978-1-4503-3962-9

श्री पीयूष सिंह

- पी.के.सिंह, के.एन. राय, ''एन इमेज एनक्रिप्शन एलगोरिदम बेस्ड ऑन एक्सओआर ऑपरेशन विथ एप्रॉक्सीमेशन कंपोनेंट इन वेभलेट ट्रांसफॉर्म'', इन आईईईई एक्सप्लोर

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

श्री जयनाथ यादव

- जयनाथ यादव, के. श्रीनिवास राव, ''प्रोसोडिक मैपिंग, यूज़िंग न्यूरल नेटवर्कस् फॉर ईमोशन कनवर्ज़न इन हिंदी लैंग्वेज'', सर्किट सिस्टम एंड सिगनल प्रोसेसिंग, अप्रैल 2015.

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

श्री नेमी चंद्र राठौड़

- सेकलैबस् एंड सिस्टमस् द्वारा 11 अक्टूबर, 2015 को पटना में आयोजित ''साइबर सेक्यूरिटी एंड एथिकल हैकिंग (द लीट हैकिंग कॉन्फ्रेंस)'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

- डिस्ट्रीब्यूटेड कंप्यूटिंग एंड इंटरनेट टेक्नोलॉजी *12*वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीडीसीआईटी जनवरी - 2016, भुवनेश्वर, भारत में ''कोलॉबोरेटिव एसेस कंट्रोल मेकॉनिज़म फॉर ऑनलाइन सोशल नेटवर्कस्'', विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

- एडवांसड् कंप्यूटिंग, (आईएसीसी) आईईईई 6ठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 27-28 फरवरी, 2016 भीमावरम, भारत में ''कोलॉबोरेटिव एसेस कंट्रोल मॉडल फॉर ऑनलाइन नेटवर्कस्'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

श्री पीयूष सिंह

- 16-19 दिसंबर, 2015 में इंडियन यूनिट ऑफ पैटर्न एसोसिएशन एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आईयूपीआरएआई) के सहयोग से आई.आई.टी. पटना द्वारा आयोजित कंप्यूटर विज़न, पैटर्न रिकॉगनिशन, इमेज प्रोसेसिंग एंड ग्राफिक्स (एनसीवीपीआरआईपीजी-2015) विषय के राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

❖ प्राप्त शोध परियोजना अनुदान

डॉ. प्रभात रंजन

डीएसटी एसईआरबी ''स्टडी ऑफ ड्रॉट कंडीशंस इन द ईसटर्न गंगेटिक प्लेन अंडर प्रेज़ेंट एंड फ्यूचर क्लाइमेट'' शीर्षक परियोजना में सीओ-पीआई

राशि : 35,96,000/- रुपए (आरंभ तारीख 29.07.2015)

❖ अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

श्री नेमी चंद्र राठौड़

- *22* जून से 18 जुलाई 2015 के दौरान एचआरडीसी हिमाचल विश्वविद्यालय शिमला में 119वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।
- तीन एम.टेक. विद्यार्थियों को उनके अंतिम वर्ष में थीसिस के कार्य में मार्गदर्शन किया।

डॉ. प्रभात रंजन

- ***24.11.2015*** से 21.12.2015 के दौरान एचआरडीसी पटना विश्वविद्यालय में 72वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।
- पांच एम.टेक. विद्यार्थियों को उनके अंतिम वर्ष में थीसिस के कार्य में मार्गदर्शन किया।

सुश्री स्मिता रॉय

- ***05.01.2016*** से 01.02.2016 के दौरान एचआरडीसी बर्द्धवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में 102वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।
- दो एम.टेक. विद्यार्थियों को उनके अंतिम वर्ष में थीसिस के कार्य में मार्गदर्शन किया।

(बी) डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स

डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स की शुरुआत इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए की गई थी कि ये मैथेमेटिक्स तथा साइंस के मूल तथा अनुप्रयोगात्मक साइंस की सह शाखाओं के क्षेत्र में शिक्षण और शोध कार्यों को आरंभ कर प्रशिक्षित मानवशक्ति प्रदान करेगा। डिपार्टमेंट वर्तमान में फाउन्डेशनल, कोर एवं विशिष्ट पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण को संचालित करने में समर्थन/ सहायता कर रहा है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्र को रचनात्मक सोच के लिए अपने कौशल, गणित के सभी बुनियादी क्षेत्रों में और गणित विषय में व्यावसायिक दक्षता प्राप्त करने के लिए और समस्या को हल करने की बुनियादी अवधारणाओं को समझने में प्रशिक्षित करना है। पाठ्यक्रम को इस तरह डिजाइन किया गया है कि छात्र संकाय और विश्वविद्यालय के सामान्य वातावरण के सक्षम मार्गदर्शन के तहत विषय को एक व्यवस्थित ढंग से जानने के लिए सक्षम हो जाएं। पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद छात्र के लिए कई अवसर उपलब्ध हैं। विभाग के पास एक कंप्यूटर प्रयोगशाला है जो गणित के लिए आवश्यक सभी गणना की सुविधा के साथ सुसज्जित है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.एससी. तथा एकीकृत एम.फिल – पीएचडी इन मैथेमेटिक्स
नियमित संकाय	5
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	डा. हरे कृष्ण निगम

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1.	डा. हरे कृष्ण निगम	सह प्राध्यापक	पीएचडी	एप्रोक्सिमेशन थ्योरी, फुरीयर एनेलाइसिस एंड समेबिलिटी
2.	डा. राजेश प्रताप सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	फिनाईट फील्ड्स एंड क्रिप्टोग्राफी
3.	डा. विवेक कुमार जैन	सहायक प्राध्यापक	डी.फिल	ग्रुप थ्योरी
4.	डा. शुभ नारायण सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	अल्जेब्रिक औटोमेटा थ्योरी
5.	डा. रौशन कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	एप्लाइड मेथेमेटिक्स

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डा. विवेक कुमार जैन

- विवेक कुमार जैन, ऑन द आईसोमोर्फिस्म क्लासेज ऑफ़ ट्रांस्वेर्सल्स III, जर्नल ऑफ़ द इंडियन मैथ. एसओसी. वॉल्यूम82, न. 3-4 (2015), 83-96

आर्टिकल्स इन प्रोसीडिंग्स

डा. शुभ नारायण सिंह

- शुभ नारायण सिंह एंड के. वी. कृष्णा, एल-प्रिमिटिव वर्ड्स इन सब्मोनोइडस ऑफ़ ए फ्री मोनोइड, इन प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसेज इन मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस 2015 (आईसीआरएएमएससीएस 2015) बिहार, इंडिया, 29-31 मई 2015.

डा. रौशन कुमार

- सांत्वना मुखोपाध्याय एंड रौशन कुमार, स्टडी ऑफ़ ए प्रॉब्लम ऑफ़ एन्नुलर सिलिंडर अंडर टू-टेम्परेचर थर्मोएलास्टिसिटी विथ थर्मल रिलैक्सेशन पैरामीटर्स, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी, डीओआई: 10.1142/9789814704830_0006

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. विवेक कुमार जैन

- कम्पलीटेड रिफ्रेशर कोर्स एट अकेडमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाब यूनिवर्सिटी फ्रॉम मार्च 18 टू अप्रैल 4, 2015.

डा. शुभ नारायण सिंह

- प्रेसेंटेड ए पेपर एंटाइटिल्ड "द होलोनोमी डेकोम्पोसीशन ऑफ़ सम सर्कुलर सेमी-फ्लावर ऑटोमेटा" इन द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सेमिग्रूप्स, अल्जेब्रास एंड एप्लीकेशंस (आईसीएसएए 2015) आर्गनाइज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ़ मैथेमेटिक्स, कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोची, इंडिया ड्यूरिंग सितम्बर 17-19, 2015.
- प्रेसेंटेड ए पेपर एंटाइटिल्ड "एल-प्रिमिटिव वर्ड्स इन सब्मोनोइडस ऑफ़ ए फ्री मोनोइड" इन द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसेज इन मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस 2015 (आईसीआरएएमएससीएस 2015) आर्गनाइज्ड बाय स्कूल ऑफ़ मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार, पटना इंडिया ड्यूरिंग मई 29-31, 2015.
- सक्सेसफुल्ली पार्टिसिपेटेड इन द 72वां ओरिएंटेशन प्रोग्राम कंडक्टेड बाय पटना यूनिवर्सिटी अंडर यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ड्यूरिंग नवम्बर 24 टू दिसम्बर 21, 2015.

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- विभाग ने सीयूएसबी में मैथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस के साथ संयुक्त रूप से रीसेंट एडवांसेज इन मैथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस पर एक इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित किया. यह 29-31 मई 2015 के दौरान आयोजित हुआ.

(सी) स्टैटिस्टिक्स विभाग

मूल और अंत:विषयी स्टैटिस्टिक्स के क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थियों को स्टैटिस्टिक्स विभाग एक जीवंत और रचनात्मक शिक्षण का वातावरण प्रदान करता है। विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां मौलिक अवधारणाओं को अच्छी तरह से समझने और जीवन की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने की विश्लेषणात्मक क्षमता के विकास पर जोर देता है। यह विद्यार्थियों को विकास के लिए आवश्यक, पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में संलग्न होने के लिए समूह की भावना से पोषित करता है और संगठनात्मक कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग में कक्षा शिक्षण ट्यूटोरियल द्वारा समर्थित है और विद्यार्थियों की प्रगति के आकलन के लिए सतत मूल्यांकन प्रणाली अपनाई गई है। एक सुविधा संपन्न कंप्यूटर प्रयोगशाला उपलब्ध है जिसमें हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन और सॉफ्टवेयर की सुविधा है जिसमें मिनीटैब, एसपीएसएसआर, मैटलैब और आईबीएम डेटा मॉडलर की सुविधा उपलब्ध है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.एससी. और इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. स्टैटिस्टिक्स
नियमित संकाय	3
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. अरुण कुमार सिन्हा

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	प्रो. अरुण कुमार सिन्हा	प्राध्यापक	पीएच.डी. (स्टैटिस्टिक्स), पटना विश्वविद्यालय	सर्वे सैंपलिंग : थ्योरी एंड मेथडस्, डिस्ट्रीब्यूशन थ्योरी, स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल, इत्यादि।
2	डॉ. रिचा वत्स	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. (स्टैटिस्टिक्स), ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन विश्वविद्यालय, आयरलैंड	बायेसियन स्टैटिस्टिकल मॉडेलिंग एंड कंप्यूटेशन, बायेसियन स्टैटिस्टिकल एनालिसिस, डिस्ट्रीब्यूशन थ्योरी, स्टैटिस्टिकल इंफरेंस, इत्यादि।
3	डॉ. मुकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. (स्टैटिस्टिक्स), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय	सैंपलिंग थ्योरी, मल्टीवैरिएट एनालिसिस और ऑपरेशंस रिसर्च, इत्यादि।

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

प्रो. अरुण कुमार सिन्हा

- ''एस्टीमेटिंग अंडरग्राउंड फार्म प्रोड्यूस बाय रैंकड् सेट सैंपलिंग विथ अनईक्वल एलोकेशंस'' (विथ विजय कुमार) इंटरनेशनल जर्नल एग्रीकल्ट स्टैटिस्टिक्स साइंस (आईएसएसएन:0973-1903), 11(1), 47-52 (2015)
- ''स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल टेकनीक्स इन सर्विस सेक्टर्स'' (विथ एम.एस. आलम) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड सिस्टमस् (आईजेएसएस) (आईएसएसएन 0973-2675), 10(1), 66-70 (2015)
- ''एस्टीमेटिंग द वेट ऑफ शूगरकेन्स बाय रैंकड् सेट सैंपलिंग'' (विथ रहबर अली) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड सिस्टमस् (आईजेएसएस) (आईएसएसएन:0973-2675), 10(1), 93-98 (2015)
- ''पोवर्टी एनालिसिस यूज़िंग स्कैन स्टैटिस्टिक्स मेथडस्'' (विथ मुकेश कुमार), टू एपीयर इन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी, सिंगापुर
- ''स्पाशियल एनालिसिस ऑफ एएफपी सर्वीलिएंस स्ट्रेटेजी फॉर पोलियो इरेडिकेशन इन इंडिया'' (विथ पंकज श्रीवास्तव), टू एपीयर इन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी, सिंगापुर
- ''ऑन एस्टीमेटिंग द अर्बन पोपुलेशन यूज़िंग मिनिमम इंफॉरमेशन'' (विथ विजय कुमार एंड रवि बी.पी. वर्मा), टू एपीयर इन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी, सिंगापुर
- ''कंपॉरिज़न ऑफ द परफॉरमेंस ऑफ रैंकड् सेट सैंपलिंग विथ द लीनियर रीग्रेशन एस्टीमेशन'' (विथ रहबर अली), टू एपीयर इन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी, सिंगापुर
- ''ऑन स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल टेकनीक्स् बेसड् ऑन रैंकड् सेट सैंपलिंग'' (विथ मो. सरवर आलम एंड रहबर अली), टू एपीयर इन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी, सिंगापुर
- 'बिग डेटा एंड चेंजिंग रोलस् ऑफ स्टैटिस्टिक्स' (विथ रिचा वत्स), जर्नल ऑफ पटना साइंस कॉलेज (आईएसएसएन:2347-9604), 3, (171-178), (2015)

डॉ. रिचा वत्स

- 'बिग डेटा एंड चेंजिंग रोल्स ऑफ स्टैटिस्टिक्स' (विथ अरुण कुमार सिन्हा), जर्नल ऑफ पटना साइंस कॉलेज (आईएसएसएन:2347-9604), 3, (171-178), (2015)

डॉ. मुकेश कुमार

- ''पोवर्टी एनालिसिस यूज़िंग स्कैन स्टैटिस्टिक्स मेथडस्'' (विथ अरुण कुमार सिन्हा), टू एपीयर इन रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी, सिंगापुर

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

प्रो. अरुण कुमार सिन्हा

- ***14***, 15 और 17 मार्च 2016 को बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट, बिहार सरकार में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टैटिस्टिक्स पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- जुलाई 2015 रीओ, ब्राज़िल में 60वें वर्ल्ड स्टैटिस्टिक्स कांग्रेस ऑफ इंटरनेशनल स्टैटिस्टिक्स में पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रिचा वत्स

- ***18*** मार्च 2016 को बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट, बिहार सरकार में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टैटिस्टिक्स पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- ***24*** नवंबर से 21 दिसंबर 2015 तक यूजीसी-मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पटना विश्वविद्यालय, पटना में आयोजित 72वें ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया।
- मार्कण्डेय राय, रिचा वत्स और अरुण कुमार सिन्हा, ''स्टैटिस्टिक्स, बिग डेटा एंड ए बेटर वर्ल्ड'' एन इनवाइटेड टॉक, ऑफिशियल स्टैटिस्टिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 'बेटर डेटा, बेटर लाइवस्', इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ऑफिशियल स्टैटिस्टिक्स (आईएओएस), इंटरनेशनल स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, रामालाह, पैलेस्टाईन, 19-22 अक्टूबर, 2015 (मार्कण्डेय राय द्वारा प्रस्तुत)।

डॉ. मुकेश कुमार

- 29-31 मई 2015 को सीयूएसबी, पटना में आयोजित रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस शीर्षक के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पोवर्टी एनालिसिस यूज़िंग स्कैन स्टैटिस्टिक्स मेथडस्'' (विथ अरुण कुमार सिन्हा), शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- ***25-26*** अक्टूबर, 2015 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के स्टैटिस्टिक्स विभाग में नेशनल सेमिनार ऑन यूज़ ऑफ स्टैटिस्टिक्स इन इंडस्ट्री एंड कॉर्पोरेट वर्ल्ड (एनएसएसआईसीडब्ल्यू 2015)'' में 'ए फैमिली ऑफ सम रेशियो एंड प्रोडक्ट टाइप एस्टीमेटरस् यूज़िंग नोन वैल्यू ऑफ पोपुलेशन पैरामीटरस् (विथ मलिक एस., सिंह आर.)' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- ***26*** नवंबर से 16 दिसंबर 2015 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, द्वारा आयोजित "रिफ्रेशर कोर्स द मेथेमेटिकल साइंसेस'' में भाग लिया।

❖ अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

डॉ. रिचा वत्स

- अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक स्टैटिस्टिक्स विभाग, बीएचयू, पटना विश्वविद्यालय, वोमेन्स कॉलेज, पीयू, बी.एन. कॉलेज, पीयू, इत्यादि में बाह्य परीक्षक।

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- ***15-18*** मार्च 2015 और 28-29 मार्च 2016 के दौरान प्रो. रवि, बी. पी. वर्मा, विश्व विख्यात डेमोग्राफर, पूर्व में एडजंक्ट रिसर्च प्रोफेसर, कार्लेटन युनिवर्सिटी, ओटावा, ओंटेरिया, केनाडा और सीनियर पोपुलेशन एनालिस्ट, स्टैटिस्टिक्स, कनाडा, कनाडा सरकार द्वारा डेमोग्राफी पर व्याख्यान का आयोजन।
- ***23*** फरवरी 2016 को प्रो. दशरथ सिंह, अहमदू बेलो युनिवर्सिटी, नाइजीरिया द्वारा 'सम एस्पेक्टस् ऑफ मल्टीसेट थ्योरी' विषय पर वार्ता का आयोजन।
- सीयूएसबी के स्टैटिस्टिक्स विभाग ने मेथेमेटिक्स और कंप्यूटर विभाग के साथ मिलकर रिसेंट एडवांसेस इन मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह 29-31 मई 2015 को आयोजित किया गया था।
- विभाग ने 6-7 मई 2015 को आईबीएम एसपीएसएस डेटा मॉडलर 16.0, ए डेटा माइनिंग/प्रीडिक्टिव मॉडलिंग सॉफ्टवेयर विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

(vii) स्कूल ऑफ मीडिया आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स

मानव जीवन कला और सौंदर्यशास्त्र तत्वों से पोषित है और मानव संचार का केंद्र मीडिया है। इस संदर्भ में मीडिया, आर्टस् और एस्थेटिक्स मानव जीवन के अभिन्न अंग हैं। जहां तक मानव जीवन के पूरे विकास का संबंध है, जीवन के इन पहलुओं का शैक्षणिक अध्ययन महत्वपूर्ण है। स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स में शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध का लक्ष्य है शैक्षणिक आश्यकताओं को पूरा करना, व्यावहारिक पहलू और भविष्य संबंधी विचारों और जीवन के आदर्शों का निर्माण करना। स्कूल की स्थापना के पीछे मूल विचार है विभिन्न, मीडिया, संस्कृति और कला रूपों को एक साथ संगठित करके एक उच्च स्तर का प्रोग्राम विकसित करना। स्कूल की प्रकृति अंत:विषयी है जो विद्यार्थियों के ज्ञान और समझ के क्षेत्र को विस्तारित करता है। इसके अलावा स्कूल विद्यार्थियों को गहन औद्योगिक प्रशिक्षण मोड्यूल के साथ मीडिया, आर्टस् और एस्थेटिक्स के विभिन्न रूपों का व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करता है।

सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़

हमेशा विस्तार की ओर बढ़ते हुए मास मीडिया के क्षेत्र ने मल्टी-टास्किंग और मल्टी-टैलेंटेड मीडिया व्यावसायियों की आवश्यकताओं को हमेशा सक्षमता प्रदान किया है। जहां सीयूएसबी का उद्देश्य हमेशा उच्च शैक्षणिक मानकों, पाठ्येतर गतिविधियों और नए शोधों, सेमिनारों, इत्यादि से संबंधित है, वहीं इसका सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया (सीएमएस) विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने, औद्योगिक विशेषज्ञों से बातचीत और अन्य संस्थाओं और पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों से विचारों का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाता है। ये सभी और इसके अतिरिक्त सीएमएस की अन्य गतिविधियां भी बेहतरीन विचारों, शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक मानकों और सर्वोत्तम वर्ग की सुविधाओं का एक सम्मिश्रण स्थापित करती है। विद्यार्थियों में मीडिया की समझ की वृद्धि के लिए सीएमएस विभिन्न नए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ प्रयोग करने के लिए अभ्यस्त है।

विभाग/केन्द्र का सारांश

अकादमिक कार्यक्रम	कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़ में एम.ए.
नियमित संकाय	5
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	डॉ. आतिश पराशर

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	डॉ. आतिश पराशर	सह प्राध्यापक	पीएच.डी. आसाम विश्वविद्यालय	एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन, न्यू मीडिया, मीडिया रिसर्च
2	डॉ. किंशुक पाठक	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय	प्रिंट जर्नलिज़म, मीडिया लॉ एंड एथिक्स एंड विज़ुअल कम्युनिकेशन
3	श्री सुजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., गुरू जंबेश्वर विश्वविद्यालय,	कम्युनिकेशन टेकनोलॉजी एंड न्यू मीडिया, इवोल्यूशन ऑफ मीडिया एंड डेवलपमेंट कम्युनिकेशन
4	डॉ. अनिंद्य देव	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. आसाम विश्वविद्यालय	मीडिया रिसर्च, न्यू मीडिया,कंटेंपोरेरी इश्यूज़ इन मीडिया
5	डॉ. रवि सूर्यवंशी	सहायक प्राध्यापक	बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ	टी.वी. एंड वीडियो प्रोडक्शन, कम्युनिकेशन मॉडल्स एंड थ्योरीज़

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डॉ. आतिश पराशर

- माइंड सेट शेपिंग बाय मीडिया:एन ओवरव्यू ऑफ मीडिया टेकनोलॉजीज़ लीडिंग टूवर्डस् मीडिया इंपेरिअलिज़म इन मीडिया मिक्स, चाईनीज़ ओपन एसेस जर्नल, ''सोशल नेटवर्किंग'', आईएसएसएन नं.- 2015-41002
- पॉवर थेफ्ट एंड ग्लोरीफिकेशन ऑफ क्राईम बाय इंडियन मीडिया-ए केस स्टडी बेसड् ऑन कैंपेन ऑरगेनाइज़्ड् बाय इंडिया अगेंस्ट करप्शन, द डिशकसेंट, आईएसएसएन नं.-2250-3412
- हिन्दी सिनेमा में मानवीय संवेदनाएं: गुलजार द्वारा निर्देशित फिल्मों के अंतर्वस्तु विश्लेषण पर आधारित, सहचर, आईएसएसएन नं.-2395-2873.

डॉ. अनिंद्य देव

- देव, ए. डिसक्लोज़र्स ऑफ डेवलपमेंट कम्युनिकेशन:ए क्रिटिकल रिव्यू.प्रज्ञान.वोल्यूम 13, इश्यू 2, दिसंबर, 2015.39-42

डॉ. रवि सूर्यवंशी

- निगम, नेहा एंड सूर्यवंशी, रवि. (2015), फीमेल जर्नलिस्ट वर्सेस मीडिया इंडस्ट्री: ए फाईट अगेंस्ट डिस्क्रीमिनेशन टुडे, वोल्यूम नं.17 (नं.4),116-125, आईएसएसएन 0975-217*X*

बुक / बुक चेप्टर्स

डॉ. आतिश पराशर

- न्यू मीडिया बेसिक प्रिंसीपल्स एंड कंसेप्ट, आईएसबीएन नं.- 978-93-8355941-1, मान्यता प्रकाशन, नई दिल्ली
- इवेंट मेनेजमेंट प्रिंसीपल्स एंड मेथडस्, आईएसबीएन नं.-978-83996-73-5, एप्पल बुक्स, नई दिल्ली
- मानवाधिकार एवं महिलाएं, आधी आबादी का सच एवं मीडिया, संपादक- डॉ टी. एन. ओझा, आईएसबीएन नं.-978-93-83282-807, एमआर पब्लिकेशन दरयागंज, नई दिल्ली

शोध प्रकाशन

श्री सुजीत कुमार

- कृषि की उन्नति में मोबाइल का योगदान-संचार माध्यम, आईएसएसएन नं.-2321-2608
- इंटरैक्टिव ऑनलाइन प्लैटफॉर्मस् एंड ग्रुप पार्टिशिपेशन-मीडिया कम्युनिक, आईएसएसएन नं.-2395-3780

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डॉ. किंशुक पाठक

- 6 दिसंबर, 2015 को पूर्णिया (बिहार) में विषय विशेषज्ञ स्पीकर के रूप में 'पत्रकारिता के सामाजिक प्रश्नों पर संगोष्ठी' सेमिनार में भाग लिया।
- 21-24 नवंबर, 2015 को गौहाटी यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में यूनिसेफ (यूएनआईसीईएफ) द्वारा आयोजित चार दिवसीय क्षेत्रीय कॉनक्लेव में 'कैपेसिटी स्ट्रेंदिंग ऑफ एकॉडेमिक, प्रोफेशनल एंड गवर्नमेंट इन द एरिया ऑफ एसबीसी, कम्युनिकेशन फॉर एंपॉवरिंग एडोलेसेंटस् इन आसाम एंड नॉर्थ-ईस्ट इंडिया, 2015' विषय पर नेशनल रिसोर्स पर्सन के रूप में में भाग लिया।
- 15 मार्च, 2016 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (यू.पी.) द्वारा आयोजित 'समकालीन पत्रकारिता की प्रवृत्ति एवं भारत' शीर्षक राष्ट्रीय सेमिनार में 'द एग्जिसटेंस एंड फ्यूचर ऑफ प्रिंट मीडिया' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

श्री सुजीत कुमार

- ***28*** अप्रैल, 2015 को नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा ''मीडिया कॉर्पोराइज़ेशन : नीडस् एंड एडिक्वेसीज'' के राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और ''इंटरैक्टिव ऑनलाइन प्लेटफॉर्मस् एंड ग्रुप पार्टीशिपेशन'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।
- ***13*** मार्च, 2016 को ''सोशल मीडिया फॉर चाइल्ड राईटस्'' विषय पर यूनीसेफ (यूएनआईसीईएफ) द्वारा आयोजित एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और ''यूज़ेज़ ऑफ डिफरेंट प्लेटफॉर्मस् ऑफ सोशल मीडिया'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- ***2-3*** नवंबर, 2015 को आसाम डॉन बोस्को यूनिवर्सिटी और मिज़ोरम यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'क्वालिटी कंफीगरेशन फॉर मीडिया एजुकेशन इन इंडिया' के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'यूज़ेज़ ऑफ न्यू मीडिया टेकनोलॉजी इन द यूनिवर्सिटीज़ ऑफ बिहार:एन एनालिटिकल सर्वे इन सेलेक्ट मीडिया डिपार्टमेंट' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अनिंद्य देव

- ***25-26*** जून, 2015 को मिज़ोरम विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ मास कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित 'मीडिया एंड द मार्जिनलाइज़ड्' शीर्षक राष्ट्रीय सेमिनार में 'अनक्लॉगिंग द नोशन ऑफ टेकनोलॉजिकल डिवाइड एंड मार्जिनलाइज़ेशन' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- ***2-3*** नवंबर, 2015 में आसाम डॉन बोस्को विश्वविद्यालय और मिज़ोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'क्वालिटी कंफीगरेशन फॉर मीडिया एजुकेशन इन इंडिया' शीर्षक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'यूज़ेज़ ऑफ न्यू मीडिया टेकनोलॉजी इन द युनिवर्सिटीज़ ऑफ बिहार : एन एनालिटिकल सर्वे इन सेलेक्ट मीडिया डिपार्टमेंट' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

❖ अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

डॉ. किंशुक पाठक

- 02-29 जनवरी, 2016 के दौरान यूजीसी-एचआरडी सेंटर, बीएचयू के शिक्षकों के ओरिएंटेशन कोर्स में भाग लिया।
- न्यू ट्रेंडस् एंड डिजिटल टेकनोलॉजी इन न्यूज़रूमस् ऑफ ग्लोबल प्रिंट मीडिया' विषय पर प्रकाशित लेख – 'अब पत्रकारों के बग़ैर पत्रकारिता का ज़माना' - नवभारत टाईम्स (द टाईम्स ऑफ इंडिया ग्रुप), एडिट पेज – दिल्ली, मुबंई, लखनऊ संस्करण – प्रकाशन तारीख, 16 मार्च, 2016.

श्री सुजीत कुमार

- ***22*** जून से 18 जुलाई, 2015 को मानव संसाधन विकास केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में यूजीसी द्वारा प्रायोजित 4 हफ्तों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया।

डॉ. अनिंद्य देव

- विश्वविद्यालय के एक कल्चरल कोऑर्डिनेटर होने के नाते 3-7 जनवरी, 2016 को आसाम, तेजपुर के तेजपुर विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर-यूनिवर्सिटी ज़ोनल लेवल यूथ फेस्टिवल में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के टीम का नेतृत्व किया।

- दोबारा ज़ोनल लेवल पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने पर ***15-19*** फरवरी, 2016 को मैसूर के मैसूर विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर-यूनिवर्सिटी नेशनल लेवल यूथ फेस्टिवल में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के टीम का नेतृत्व किया।

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

न्यूज़ बोर्ड बनाना, मासिक न्यूज़लेटर सीएमएस पोस्ट, फिल्म स्क्रीनिंग एंड फिल्म रिव्यू, ब्लॉगिंग, फिल्म मेंकिंग और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दिवसों पर वार्ताओं और पैनल डिस्कशंस का आयोजन, इत्यादि।

मासिक न्यूज़लेटर : विश्वविद्यालय की मासिक गतिविधियों के संबंध में सेंटर एक मासिक न्यूज़लेटर प्रकाशित कर रहा है। सभी लेख विद्यार्थियों द्वारा लिखित और संपादित किए जाते हैं। न्यूज़लेटर शिक्षकों के मार्गदशन में विद्यार्थियों के संपादन समूह द्वारा डिज़ाइन किया जाता है।

साप्ताहिक फिल्म रिव्यू : सेंटर साप्ताहिक फिल्म रिव्यू सेशन आयोजित करता है। विभिन्न तकनीकी विशिष्टताओं पर चर्चा के साथ विभिन्न वृत्तचित्रों और फिल्मों का प्रसारण होता है।

(viii) स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

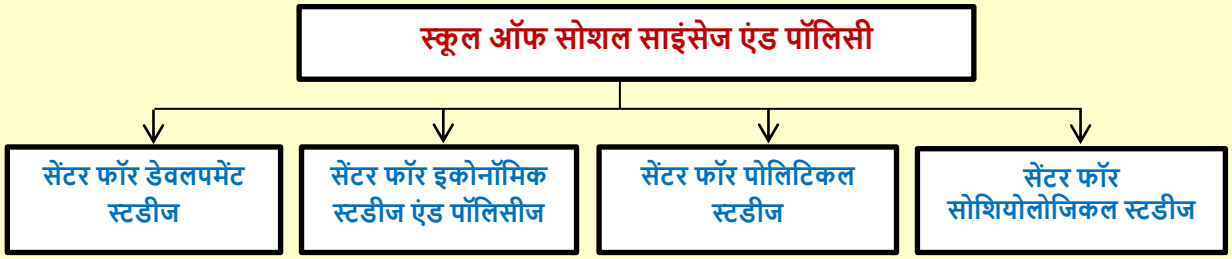

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी विभिन्न विषयों के सामंजस्य का प्रतीक है जिसकी प्रासंगिकता मानव व्यवहार को एकीकृत रूपरेखा के अंतर्गत समझने और विश्लेषित करने में है। इस स्कूल में चार विभाग हैं जिनके नाम हैं – सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़, सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसी, सेंटर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज़ और सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़। विद्यार्थी को एक सही इंसान और साथ ही एक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आदमी बनाने के लिए और विभिन्न विषयों को परस्पर संबद्ध करते हुए सामाजिक मुद्दों को समग्र रूप से समझने के लिए ये निरंतर अपने शिक्षण कार्य और अनुभवजन्य शोध को सम्मिलित करने का प्रयास करता है।

(ए) सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़

सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (सीडीएस) का एक बहु-विषयी सेंटर के रूप में उद्देश्य है विद्यार्थियों में आलोचनात्मक, विश्लेषणात्मक और प्रायोगिक कौशल का विकास करना जिसे वे भविष्य में शिक्षाविदों या विकसित व्यावसायियों के रूप में उपयोग करते हैं। यह विद्यार्थियों को ज्ञान (सैद्धांतिक पहलुओं और दृष्टिकोणों) के एक प्रासंगिक क्षेत्र को आलोचनात्मक रूप से परीक्षण करने का अवसर प्रदान करता है। शैक्षणिक प्रोग्राम्स विकास प्रक्रिया के सामाजिक, सांस्कृतिक, इकोलॉजिकल, राजनीतिक और आर्थिक घटकों के व्यावहारिक समझ और पारस्परिक क्रियाओं में वृद्धि करता है जो रचनात्मक विकास के अनुचित परिणामों से निपटने के लिए आवश्यक है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज़
नियमित संकाय	5
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	डॉ. समापिका मोहापात्रा

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	डॉ. समापिका मोहापात्रा	सह प्राध्यापक	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	सोशियोलॉजी ऑफ स्पोर्ट्स, जेंडर स्टडीज़
2	डॉ. अंजु हेलेन बारा	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	पॉलिटिकल इकोलॉजी, ट्राइबल स्टडीज़, पॉलिटिकल थ्योरी
3	डॉ. फिरदौस फातिमा रिज़वी	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. इन इकोनॉमिक्स, एलएलबी, एम.एससी. (इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट)	एग्रीकल्चर, एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट, सोशल एक्सक्लुज़न एंड इंक्लुसिव पॉलिसी
4	श्री अहम्मेदुल कबीर एपी	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. शोधरत	सोशियोलॉजिकल थ्योरी, सोशियोलॉजी ऑफ एजुकेशन, पॉलिटिकल सोशियोलॉजी
5.	श्री आदित्य मोहंती (अध्ययन अवकाश पर)	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., पीएच.डी. शोधरत	---------

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डॉ. फिरदौस फातिमा रिज़वी

- थोराट सुखदेव, बनर्जी अनुराधा, विनोद के. मिश्रा, फिरदौस एफ. रिज़वी, अर्बन रेंटल हाउसिंग मार्केट:कास्ट एंड रिलीजन मैटर्स इन एसेस, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, मुंबई, इंडिया, वोल्यूम 50, ईशु नं.26-27, 2015, आईएसएसएन-234998846

पुस्तक में शोध लेख

डॉ. समापिका मोहापात्रा

- प्रोजेक्शन ऑफ वोमेन स्पोर्ट्स् पर्सन इन मीडिया:ए न्यूएंसड् फॉर्म ऑर लिबरेशन फ्रॉम पैट्रिआर्की, ग्लोबल एक्सेलेंस इन फिटनेस एंड स्पोर्ट्स् साइंस बुक, ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिकेशन, वोल्यूम–3, पटियाला, (पंजाब),- 147002, 2015 इन एसोसिएशन कलामंदिर डिस्ट्रीब्यूटर्स्, दिल्ली–110006, आईएसबीएन – 978-8189463-98-4, चीफ एडिटर–डॉ. रीना

बुक चैपटर्स

डॉ. फिरदौस फातिमा रिज़वी

- 'कैनल डेवलपमेंट:ए कॉज़ ऑफ चेंज इन लैंड यूज़ पैटर्न' इन 'पोपुलेशन डायनामिज़म एंड रिसोर्स युटिलाइज़ेशन:जीओ-इंफॉरमेटिक्स एंड रिसोर्स डायनॉमिक्स'', वोल्यूम थ्री (एडिटेड) बाय फरासत अली सिद्दीकी, एकैडेमिक पब्लिकेशंस, न्यू दिल्ली 2015, आईएसबीएन-978-93-83931-18-7

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डॉ. अंजु हेलेन बारा

- ***10-19*** सितंबर, 2015 के दौरान डर्बन, साउथ अफ्रीका में 8वें साउथ-साउथ इंस्टीट्यूट वर्कशॉप में ''सोशल एक्सक्लुज़न एंड इनइक्वालिटी:लैंड ग्रेबिंग एंड डिसपोज़ेशन एमॉन्ग ट्राइबलस् इन इंडिया'' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- ***13-16*** सितंबर, 2015 के दौरान डर्बन, साउथ अफ्रीका में वर्ल्ड सोशल साइंस फोरम, आईसीसी में भाग लिया।

डॉ. फिरदौस फातिमा रिज़वी

- ***27*** नवंबर से 24 दिसंबर 2015 तक युनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद में यूजीसी-एकैडेमिक स्टाफ कॉलेज, मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया।

श्री अहम्मेदुल कबीर एपी

- ***17-18*** मार्च, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, ज़ाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''एजुकेशन एंड पब्लिक स्फेयर:एक्सप्लोरिंग द स्ट्रक्चरस् ऑफ मेडिएशन इन पोस्ट-कॉलोनियल इंडिया'', शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

❖ प्राप्त सम्मान/पुरस्कार/फेलोशिप

डॉ. अंजु हेलेन बारा

- ***10-19*** सितंबर, 2015 में डर्बन, साउथ अफ्रीका में 8वें ''साउथ-साउथ इंस्टीट्यूट वर्कशॉप ऑन इनइक्वालिटी एंड सोशल जस्टिस इन ग्लोबल साउथ'' में भाग लेने के लिए साउथ-साउथ इंस्टीट्यूट लॉरेटस् फेलोशिप से पुरस्कृत किया गया।
- ***2016*** में लीडेन विश्वविद्यालय, नेदरलैंडस् द्वारा आयोजित 'वेस्ट इन एशिया' सम्मेलन में भाग लेने और पत्र प्रस्तुत करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

❖ अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

डॉ. समापिका मोहापात्रा

- ***28*** अगस्त, 2015 को बनस्थली कम्युनिटी रेडियो, एफएम रेडियो स्टेशन में एक रेडियो कार्यक्रम में एक रेडियो वार्ता प्रसारित की गई। कार्यक्रम में एलजीबीटी अधिकारों से संबंधित मानवाधिकार मुद्दों पर जागरुकता उत्पन्न करने से संबंधित था।

(बी) सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसीज़

सेंटर शैक्षणिक संलग्नता को एक अलग दृष्टि से देखता है। अर्थशास्त्र के बुनियादी सिद्धांतों के शिक्षण पर ध्यान केंद्रित रखते हुए भी यह सेंटर सिद्धांत एवं व्यवहार दोनों क्षेत्रों में नए ज्ञान-मीमांसा की तलाश में है। यह अपने पाठ्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के सात्विक विचारों से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभावों द्वारा सुधार लाने पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विविधतापूर्ण ज्ञान और समाज एवं राजनीति पर इसके प्रभाव शोध के अवलोकन में चयन के लिए मौलिक स्त्रोत उपलब्ध कराते हैं। यह संकाय एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक लालसाओं का पोषण करता है और भविष्य के अध्ययन हेतु वर्तमान सिद्धांतों एवं क्रियाओं हेतु एक विकासशील आलोकों का एक फोरम प्रदान करता है। ऐसा करते हुए, यह स्थानीय उप-क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सभी स्तरों पर उदीयमान सैद्धांतिक अभ्यर्थना को संदर्भित करता है। यह शिक्षण और शोध के अन्य संस्थानों के सहयोग से स्वयं को एक अनूठे अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित होने का लक्ष्य रखता है ।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. (इकोनॉमिक्स) एंड इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी.
नियमित संकाय	4
अनुबंध पर	1
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	डॉ. अबोध कुमार

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	डॉ. अबोध कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. (इकोनॉमिक्स)	माइक्रोइकोनॉमिक्स, डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स
2	श्री अतीश कुमार दास	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल. (एप्लाइड इकोनॉमिक्स)	फाइनैंशियल इकोनॉमिक्स, एप्लाइड इकोनोमेट्रिक्स
3	डॉ. संजय कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. (इकोनॉमिक्स)	डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, मॉक्रोइकोनॉमिक्स
4	डॉ. रिकिल चिरमॉन्ग	सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी. (इकोनॉमिक्स)	डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स
5	डॉ. तोफन पात्रा	सहायक प्राध्यापक (संविदागत)	पीएच.डी. (इकोनॉमिक्स)	इकोनोमेट्रिक्स, इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल में प्रकाशन

डॉ. अबोध कुमार

- डिटरमिनेंटस् ऑफ वोमेन लेबर सप्लाई इन अर्बन अनऑरगेनाइज़ड् सेक्टर, इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, वोल्यूम 57 नं.2

शोध पत्र प्रकाशन

श्री अतीश कुमार दास

- डेमोग्राफिक ट्रांजिशन, सेविंगस् एंड इकोनॉमिक ग्रोथ इन चाइना एंड इंडिया, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ वर्किंग पेपर नं.351

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

श्री अतीश कुमार दास

- ***10*** जुलाई – 06 अगस्त, 2015 के बीच संबलपुर विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र में 30वें यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया।

❖ प्राप्त सम्मान/पुरस्कार/फेलाशिप

डॉ. अबोध कुमार

- दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय में ''द मोस्ट इंस्पायरड् टीचर'' के लिए नामांकित हुए और चुने गए और ''द इंस्पायरड् टीचर्स इन-रेसिडेंस प्रोग्राम'' के लिए ***06-12*** जून, 2015 तक राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा आमंत्रित किए गए।

❖ अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

श्री अतीश कुमार दास

- गया, बिहार के गया कॉलेज में प्री-पीएच.डी के भाग के रूप में 'यूजिंग एसपीएसएस फॉर डेटा एनालिसिस' पर व्याख्यान सत्र दिया।

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- ***24*** नवंबर, 2015 को पटना विश्वविद्यालय के प्रो. एन.के. चौधरी द्वारा ''डेवलपमेंट इश्यूज़ इन बिहार एंड करंट एसेंबली इलेक्शन मैंडेट'' विषय पर सेमिनार।

- ''17 मार्च, 2016 को इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, नई दिल्ली के डॉ. विलियम जो द्वारा ''पॉलिसी इंपैक्ट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च इन इंडिया पर्सेप्शंस, एक्सपेक्टेशंस एंड रिकमेंडेशंस'' विषय पर सेमिनार।

(सी) सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़

सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़ पारंपरिक, आधुनिक तथा उत्तर-आधुनिक दृष्टिकोणों को विषय के सभी पहलुओं के साथ समाहित करता है। यह समाज के नए समस्या क्षेत्रों की पहचान जोरदार तरीके से करता है और शिक्षण और शोध के माध्यम से एक हल प्रदान करने का प्रयास भी करता है। सेंटर पॉलिटिकल साइंस एवं इंटरनेशनल रिलेशंस के अध्ययन से जुड़े विकासात्मक समस्याओं को अभ्यास द्वारा हल करना प्रस्तावित करता है। अंत: विषयी दृष्टिकोण के तहत सेंटर सिद्धांत और कार्य दोनों को जोड़ने का अवसर प्रदान करता है।

सेंटर पॉलिटिकल साइंस एवं इंटरनेशनल रिलेशंस के शैक्षणिक कार्यक्रम को शामिल करता है ताकि विद्यार्थियों को दार्शनिक एवं व्यावहारिक परिप्रेक्ष्यों में हिंदुस्तानी और पाश्चात्य परंपराओं की जानकारी के साथ-साथ उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से भी अवगत कराया जा सके। यह क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सभी स्तरों पर राजनीतिक विश्लेषण के विकास के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता है।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. तथा इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी इन पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल
नियमित संकाय	6
अनुबंध पर	शून्य
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	प्रो. एस.एन. सिंह

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	प्रो. एस.एन. सिंह	प्राध्यापक	एम.ए., पीएच.डी.	इंडियन गवर्नमेंट एंड पॉलिटिक्स, इंटरनेशनल रिलेशंस, पॉलिटिकल थ्योरी
2	डॉ. आलोक कुमार गुप्ता	सह प्राध्यापक	एम.ए., एम.फिल.-पीएच.डी., एलएलबी, एलएलएम (बिज़नेस लॉज़), जेआरएफ	इंटरनेशनल रिलेशंस, साउथ एशियन पॉलिटिक्स
3	डॉ. प्रवीण कुमार	सह प्राध्यापक	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., जेआरएफ/नेट	पॉलिटिकल थ्योरी, इंडियन पॉलिटिकल थॉट, सिक्यूरिटी एंड पीस स्टडीज़
4	डॉ. सुमित कुमार पाठक	सहायक प्राध्यापक	एम.ए.,पीएच.डी., नेट	इंडियन गवर्नमेंट एंड पॉलिटिक्स, पॉलिटिकल थ्योरी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
5	डॉ. अभय कुमार	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., एम.फिल.-पीएच.डी., यूजीसी-नेट इन इंटरनेशनल एंड एरिया स्टडीज़	इंटरनेशनल रिलेशंस, फॉरेन पॉलिसी, जापानीज़ स्टडीज़
6	डॉ. प्रणव कुमार	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., एम.फिल.-पीएच.डी., यूजीसी-नेट, जेएनएम फेलोशिप	इंटरनेशनल रिलेशंस, अफ्रीकन अफेयर्स, इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डॉ. आलोक कुमार गुप्ता

- ''ड्रग ट्रॉफीकिंग इन सेंट्रल एशिया:इंडियाज़ रोल एंड इंटरेस्टस्'', पॉलिटिको, दिसंबर 2015, वोल्यूम, नं.,2016, पीपी.(आईएसएसएन 2322-0686)
- ''इकोनॉमिक्स ऑफ सोलर पॉवर:इंडियाज़ ट्रेड इंपैरेटिवस् एंड प्रोटेक्शनिज़्म'', इन वर्ल्ड फोकस, नं.436, अप्रैल 2016, (आईएसएसएन 2230-8458) यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस नं.:80910345
- ''इंडियाज़ एक्ट ईस्ट पॉलिसी:सॉफ्ट पॉवर एज़ लीवरेज'', इन वर्ल्ड फोकस, नं.435, मार्च 2016, (आईएसएसएन 2230-8458) यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस नं.:80910345
- ''चेंजिंग जीओपॉलिटिक्स ऑफ सेंट्रल एशिया: इटस् एकसेप्टिबिलिटी ऑफ टेररिज़म'', इन वर्ल्ड फोकस, नं.434, फरवरी 2016, (आईएसएसएन 2230-8458) यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस नं.:80910345
- ''पॉलिटिक्स ऑफ ऑयल इन सेंट्रल एशिया:न्यू प्लेयर्स एंड द ग्रेट गेम'', इन वर्ल्ड फोकस, नं.433, जनवरी 2016, (आईएसएसएन 2230-8458) यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस नं.:80910345
- ''बिहार एंड झारखंड में 16वीं लोकसभा चुनाव : एक आलोचनात्मक विश्लेषण'', पॉलिटिको, वोल्यूम 4, नं.2, 2015, पीपी.1-18 (आईएसएसएन 2322-0686)
- ''नेहरूवीयन लीगेसी इन फॉरेन पॉलिसी:फ्रॉम हिस्टोरिकल ब्लंडर्स् टू हिस्टोरिकल बैगेज'', हिस्ट्री पास्ट एंड प्रेज़ेंट, (पब्लिशड् बाय युनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, मगध युनिवर्सिटी, बोध गया), वोल्यूम 6, 2015, पीपी.105-114 (आईएसएसएन 2231-3893)
- ''चेंजिंग कंटूर्स ऑफ इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी: ओवरहॉलिंग ऑफ ओवर-एक्ज़ाज़रेशन'', इन वर्ल्ड फोकस, नं.432, दिसंबर 2015, (आईएसएसएन 2230-8458) यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस नं.:80910345

- ''द राइज़ ऑफ इसलामिक स्टेट:क्लेश विदिन सिविलाइज़ेशन'', द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, सितंबर 2015, वोल्यूम ***LXXVI***, नं.3, पीपी.369-373, (आईएसएसएन 0970-6402)
- ''बीआरआईसीएस बैंक: वर्क'', इन वर्ल्ड फोकस, नं.432, दिसंबर 2015, (आईएसएसएन 2230-8458) यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस नं.:80910345
- ''इंडिया अफग़ानिस्तान रिलशंस: चेंजिंग डायनॉमिक्स एंड न्यू ऑपरचुनिटीज़'', इन वर्ल्ड फोकस, नं.428, अगस्त 2015, (आईएसएसएन 2230-8458) यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस नं.:80910345
- ''कॉन्स्टीट्यूशन राइटिंग इन नेपाल:द रिसेंट इंपास'', इन थर्ड कॉन्सेप्ट, नं.338, अप्रैल 2015, (आईएसएसएन 0970-7247) पीपी.7-10

डॉ. प्रणव कुमार

- कुमार, प्रणव एंड सलमा ज़फर (2016), ''इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी इंपैरेटिवस् इन सेक्योरिंग इटस् सी लेनस् ऑफ कम्युनिकेशन इन द वेस्टर्न पेसिफिक'', वर्ल्ड फोकस (दिल्ली), मार्च 2016, पीपी. (आईएसएनएन:2330-8458)
- कुमार प्रणव (2016),''ऑयल जीओपॉलिटिक्स इन वेस्ट एशिया:इमर्जिंग फॉल्ट लाइंस्'', वर्ल्ड फोकस (दिल्ली), जनवरी 2016, पीपी.87-92 (आईएसएनएन:2230-8458)

बुक चैपटर्स

डॉ. आलोक कुमार गुप्ता

- ''इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी मिसकेलकुलेशंस : पोटेनशियल्स फॉर रीडिफाइनिंग इटस् रोल इन द इमर्जिंग वर्ल्ड ऑर्डर'', पब्लिशड् इन ए बुक टाइटलड् ''इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी:कंफ्लिक्ट एंड कोऑपरेशन'' एडिटेड बाय रवजीत सिंह अटवाल (चंडीगढ़:व्हाइट फालकॉन पब्लिशिंग, 2016) (आईएसबीएन 978-1-943851-99-7)
- ''चेंजिंग डायनॉमिक्स एंड न्यू ऑपरचुनिटीज़ फॉर इंडिया इन अफगानिस्तान'', पब्लिशड् इन ए बुक टाइटलड् ''इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी:कंफ्लिक्ट एंड कोऑपरेशन'' एडिटेड बाय रवजीत सिंह अटवाल (चंडीगढ़:व्हाइट फालकॉन पब्लिशिंग, 2016) (आईएसबीएन 978-1-943851-99-7)
- ट्रांजिशन फ्रॉम'लुक ईस्ट'टू'एक्ट ईस्ट':इंडियाज़ कंस्ट्रक्टिव एनगेजमेंट विथ म्यांमार, पब्लिशड् इन ए बुक ऑन ''मोदीज़ फॉरेन पॉलिसी:चैलेंजेज़ एंड ऑपरचुनिटीज़'', एडिटेड बाय एन.एन. झा एंड सुधीर सिंह, (न्यू दिल्ली:पेंटागॉन प्रेस, 2016) (आईएसबीएन 978-81-8274)
- इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी टूवर्डस् नेपाल:एनडीए- ***II*** एकंप्लिशमेंटस् एंड ऑपरचुनिटीज़ पब्लिशड् इन ए बुक ऑन ''मोदीज़ फॉरेन पॉलिसी:चैलेंजेज़ एंड ऑपरचुनिटीज़'', एडिटेड बाय एन.एन. झा एंड सुधीर सिंह, (न्यू दिल्ली:पेंटागॉन प्रेस, 2016) (आईएसबीएन 978-81-8274)
- इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड एफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली) के लिए ''भारत-नेपाल संबंध'' पर मोनोग्राफ लेखन की परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। **(शोध प्रकाशन)**

डॉ. सुमित कुमार पाठक

- "लोक-प्रशासन के नए आयाम" (हिंदी में), सुषमा यादव एंड बलवान गौतम (एडिटेड),लोक-प्रशासन सिद्धांत एवं व्यवहार, नई दिल्ली, ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2015. पीपी. 209-127.(आईएसबीएन : 978-81-250-5947-9)

डॉ. प्रणव कुमार

- कुमार, प्रणव (2016), ''सिनो-इंडिया बस्टल फॉर सेक्योरिंग हाइड्रोकार्बन्स इन अफ्रीका:ज़ीरो सम ऑर विन-विन?'', इन एन.एन.झा एंड सुधीर सिंह, एडिशन, ''मोदीज़ फॉरेन पॉलिसी:चैलेजेज़ एंड ऑपरचुनिटीज़'', एडिटेड बाय एन.एन. झा एंड सुधीर सिंह, (न्यू दिल्ली:पेंटागॉन प्रेस, 2016) पीपी.171-183 (आईएसबीएन 978-81-8274-873-6)
- कुमार, प्रणव (2015), ''ड्रेगंस फुटप्रिंटस् इन अफ्रीका:डिप्लोमॉसी एंड डायलेमाज़'', इन प्रशांत कुमार सिंह एडिशन'', चाइना ईयरबुक 2014 (न्यू दिल्ली:मॉगनम बुक प्राइवेट लिमिटेड फॉर आईडीएसए, जुलाई 2015), पीपी.187-196 (आईएसबीएन 978-93-82512-26-4)

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

प्रो. एस.एन. सिंह

- आमंत्रित रिसोर्स पर्सन : यूजीसी सेंटर फॉर साउदर्न एशिया स्टडीज़ स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड इंटरनेशनल स्टडीज़ पॉन्डीचेरी (केंद्रीय) विश्वविद्यालय, पुदुचेरी: ''मोदी गवर्नमेंटस् पॉलिसी टूवर्डस् नेबर्स: कंटीन्यूटी एंड चेंज, फरवरी 8, 2016

- आमंत्रित रिसोर्स पर्सन : प्लेनरी सेशन में पॉलिटिकल साइंस विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में, फरवरी 13-14, 2016

- मार्च 21-22, 2016 के दौरान अजमेर के रेवन्यू एंड रिसर्च ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रोबेशनरों के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित।

डॉ. आलोक कुमार गुप्ता

- 24-25 अप्रैल, 2015 के दौरान जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में पॉलिटिक्ल साइंस विभाग द्वारा आयोजित एनडीए-***II*** फॉरेन पॉलिसी विषय के राष्ट्रीय सेमिनार में ''स्ट्रॉटेजाइजिंग इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसी इन द नेबरहुड: एनडीए-***II*** एकंप्लिशमेंट एंड चैलेंजेज़'' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- ***23-24*** दिसंबर, 2015 के दौरान सोसाइटी फॉर सोशल एंपॉवरमेंट, नई दिल्ली के सहयोग में जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में स्कूल ऑफ स्टडीज़ इन पॉलिटिकल साइंस एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा आयोजित ''द चेंजिंग स्ट्रॉटेजिक कॉन्टूरस् ऑफ एशिया:चैलेंजज़ एंड ऑपरचुनिटिज़ ऑफ एक्ट ईस्ट पॉलिसी'' विषय के राष्ट्रीय सेमिनार में ***(i)*** ''इंडियाज़ एक्ट ईस्ट पॉलिसी: इटस् सॉफ्ट पॉवर लीवरेज'' और ***(ii)*** ''ट्रांजिशन फ्रॉम लुक ईस्ट टू एक्ट ईस्ट:इंडियाज़ कंस्ट्रक्टिव एनगेजमेंट विथ म्यांमार'' शीर्षक दो पत्र प्रस्तुत किए।
- ***25-27*** अक्टूबर, 2015 के दौरान इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन (आईपीएसए) द्वारा आयोजित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में हुए 56वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और ''द राईज़ ऑफ इसलामिक स्टेट:क्लॉश विदिन सिविलाइज़ेशन'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- ***20-21*** जनवरी, 2016 के दौरान सोसाइटी फॉर सोशल एंपॉवरमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''रीथिंकिंग ऑरोबिंदो एंड इंडियन कल्चर:21स्ट सेंचुरी पर्सपेक्टिव'' विषय के राष्ट्रीय सम्मेलन में ***(i)*** ''सेक्यूलरिज़म:गांधी वर्सेस ऑरोबिंदो'' और ***(ii)*** ''ऑरोबिंदोज़ फिलॉसॉफी ऑफ एजुकेशन:इटस् कंटेंपोरेरी रेलेवेंस'' शीर्षक दो पत्र प्रस्तुत किए।
- सेंटर फॉर साऊथ ईस्ट एशियन एंड पेसिफिक स्टडीज द्वारा ***22-24*** फरवरी, 2016 के दौरान श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी, तिरूपति में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस " मल्टीलेटरल कोऔपरेशन: इमर्जिंग ग्लोबल सीनेरियो" में " सब-रीजनल कोऔपरेशन एज अ फॉरेन पॉलिसी चोइस फॉर इंडिया: प्रोस्पेक्ट्स फॉर इंडिया-भूटान-नेपाल (आईबीएन) कोऔपरेशन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया.

- फरवरी 28 -05 मार्च, 2016 के दौरान नई दिल्ली में यूकेआईईआरआई-यूजीसी द्वारा आयोजित "कौशल विकास संस्थानों के लिए नेतृत्व और प्रबंधन कार्यक्रम" पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. सुमित कुमार पाठक

- डीपीबीएस (पीजी) कॉलेज, अनुपशहर, बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) तथा उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, भारत के सहयोग से मार्च 03-04, 2016 के दौरान आयोजित "मानवाधिकार या मानव भूलें : भारतीय परिप्रेक्ष्य का एक विश्लेषण" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया और राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर "मानव अधिकार में समकालीन मुद्दे : भारतीय परिदृश्य" पर एक सत्र की अध्यक्षता की|

- यूजीसी प्रायोजित तथा राजनीति विज्ञान विभाग, जीएमआरडी कॉलेज , मोहनपुर, समस्तीपुर (बिहार) तथा एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, बिहार, भारत के संयुक्त तत्वावधान में 06-07 फरवरी, 2016 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर "भारतीय राजनीति के बदलते रूप : चुनाव सुधार की जरूरत" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया और "भारतीय राजनीति और चुनाव सुधार के बदलते मुहावरे" के सत्र की सह अध्यक्षता भी की|

- यूजीसी सेंटर फॉर दक्षिण एशिया स्टडीज, पांडीचेरी विश्वविद्यालय, पांडीचेरी तथा राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के द्वारा 26-27 नवम्बर, 2015 के दौरान सह प्रायोजिक राष्ट्रीय संगोष्ठी "संस्कृति, पहचान और कूटनीति: एक समावेशी भारत राष्ट्र की समीक्षा संकल्पना" के अवसर पर "एक राष्ट्र के रूप में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नींव के लिए एक खोज " शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया|

- समाजशास्त्र विभाग, शासकीय कन्या पीजी कॉलेज, फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) द्वारा 20-21 सितम्बर, 2015 के दौरान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी" भारत में लिंग हिंसा: उभरते दृष्टिकोण और मुद्दे" के अवसर पर "वैश्वीकरण और लिंग हिंसा: "निरन्तरता या परिवर्तन" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया|

डा. प्रणव कुमार

- सेंटर फॉर साउथ ईस्ट एशियन एंड पेसिफिक स्टडीज द्वारा 22-24 फरवरी, 2016 के दौरान श्री वेंकटेश्वरा युनिवर्सिटी, तिरुपति में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस" मल्टीलेटरल कॉपरेशन: इमर्जिंग ग्लोबल सिनेरियो" में "दोहा दौर और भारत-अफ्रीका सहयोग बहुपक्षवाद-बहुपक्षीय विरोधाभास और विश्व व्यापार संगठन की शक्ति विषमता" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- रोजा लक्जमबर्ग फाउंडेशन और मजदूरों के लिए श्रम और विकास सोसाइटी द्वारा 28 जून, 2015 को बिहार औद्योगिक एसोसिएशन हॉल, पटना में" अन्तर्राज्यीय प्रवासी मजदूर : समस्याओं के समाधान की दिशा पर आयोजित एक दिवसीय बिहार राज्य स्तरीय सम्मेलन के लिए एक पेनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

- राजकमल प्रकाशन द्वारा आलोचना पत्रिका के 53-54वें अंक के प्रकाशन के उपलक्ष्य में 27 जून, 2015 को बिहार के औद्योगिक एसोसिएशन हॉल, पटना में आयोजित एक गोलमेज चर्चा "जनतंत्र का जायजा" पर एक पेनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

डा. अभय कुमार

- 30 अप्रैल-1 मई, 2015 के दौरान बीएचयू द्वारा आयोजित संगोष्ठी "भारतीय विदेश नीति की पुनः संकल्पना: उभरती चुनौतियाँ और अवसर" में "भारत-जापान सम्बन्ध में उभरते रुझान" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डा. प्रवीण कुमार

- 18 मार्च, 2016 को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आईसीएसएसआर प्रायोजित अनुसंधान क्रियाविधि कोर्स के लिए "सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए वैश्विकरण और चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान हेतु रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किए गए।

❖ अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

प्रो. एस.एन. सिंह

- झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 12 जनवरी 2016 को चयन समिति के पैनल में आमंत्रित

डॉ. आलोक कुमार गुप्ता

दिल्ली से प्रकाशित एक अखबार "बुलंद प्रजातंत्र" में पाक्षिक स्तंभ :

- आम आदमी पार्टी की आंतरिक हलचल: नयी वैचारिकी के साथ पुरानी समस्याएं, १-१५ अप्रैल २०१५, पेज ४—५ कवर स्टोरी.
- स्मार्ट लोग ही स्मार्ट शहर बना सकते हैं, १-१५ अप्रैल २०१५, पेज १४.
- भारतीय राजनीति की नयी करवट, १६-३० अप्रैल २०१५, कवर स्टोरी.
- बिहार के निति-निर्माता शिक्षा मित्र हैं या शिक्षा के दुश्मन,१-१५ मई २०१५, कवर स्टोरी.
- भारत-चीनी भाई भाई कब होंगे: संभावनाएं एवं हकीकत, १६-३० मई २०१५, पेज ५.
- भूमि अधिग्रहण विधेयक: किसान हित बनाम कार्पोरेट हित, १-१५ जून २०१५, पेज ४-५.
- स्कुल—कालेज दुकानों के बीच कहीं खो गए हैं: शिक्षा का निजिकरण एवं व्यवसायीकरण, १६-३० जून २०१५, कवर स्टोरी.
- विदेश नीति की अपरिपक्वता: म्यांमार ने भारत के दावे पर उठाये सवाल, १-१५ जुलाई २०१५, कवर स्टोरी.
- भारत में पांव पसारता इस्लामिक संगठन, १-१५ अगस्त २०१५, पेज ६.
- अफ़ग़ानिस्तान: भारत के लिए चुनौतियाँ एवं अवसर, १६-३१ अगस्त २०१५
- आसान नहीं राजनीति के अपराधीकरण पर नकेल कसना, १-१५ सितम्बर २०१५.
- ई-कामर्स: बदलता जीवन बदलते आयाम, १६-३० सितम्बर.
- समाचार पत्र दुकान की होर्डिंग की तरह दिखने लगे हैं, १-१५ अक्टूबर २०१५
- ब्रिक्स बैंक: चुनौतियां, १६-३१ अक्टूबर २०१५, पेज १४.
- ध्यान रहे: आप करोडपति से खाकपति बन सकते हैं, १-१५ नवंबर २०१५.
- विरोध कल भी होते थे आज भी हो रहे है, १६-३० नवम्बर २०१५, पेज ५.
- दक्षिण एसिया में लोकतंत्र की बयार, १६-३० नवम्बर २०१५, पेज ७.
- टॉम एंड जेरी ने दिल्ली को बनाया पोलिटीकल हॉट स्पॉट, १६-३१ दिसंबर २०१५, पेज ३.
- २०१६ में भारतीय विदेश नीति की चुनौतियाँ, १-१५ जनवरी २०१६, पेज ५.
- हम और हमारा गणतंत्र, १६-३१ जनवरी २०१६, पेज ७
- जल्लीकट्टु: क्रूर खेल की क्रूर राजनीति, १६-३१ जनवरी २०१६, पेज ६.
- प्रेम की दुकान: प्रेम मन से या तन से, १-१५ फ़रवरी २०१६, पेज ४.

- जे एन यु की अस्मिता का महत्व, १६-२९ फ़रवरी २०१६, पेज ३.
- क्यों हो रहे है अफ़ग़ानिस्तान में भारतीय कांसुलेट पर हमले, १६-३१ मार्च २०१६, पेज ७.

अन्य समाचार पत्रों में प्रकाशित:

- फिर परिवारवाद पर छिड़ी बहस, ५ अगस्त २०१५, दैनिक भास्कर (पटना).
- चुनाव में तकनीक और पैसे की बढती हुयी भूमिका, २९ जुलाई २०१५, दैनिक भास्कर (पटना).
- क्या इस बार महिलाओं को मिलेगा उनका हक़, १८ जुलाई २०१५, दैनिक भास्कर (पटना).
- मुश्किल है राजनीति के अपराधीकरण पर लगाम, ११ जुलाई २०१५, दैनिक भास्कर (पटना).
- भावनात्मक मुद्दों से बिहार का भला नहीं, ८ जुलाई २०१५, दैनिक भास्कर (पटना).

डा. अभय कुमार

- केन्द्र स्तर पर आयोजित विविध आयोजनों को समन्वित किया।
- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात के एक तथा तीन जेएनयू के स्कॉलर्स सहित चार स्कॉलर्स के एम.फिल शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया।

❖ केन्द्र/ विभागीय गतिविधियाँ

- केन्द्र ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के प्रो० एस.एन.मालाकार, द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उभरती प्रवृत्तियाँ" शीर्षक पर विशेष व्याख्यान को आयोजित किया.
- 12 जनवरी, 2016 को स्वामी विवेकानंद जयन्ती के अवसर पर एक पैनल डिस्कसन " नव भारत के निर्माण में स्वामी विवेकानंद के योगदान" आयोजित किया .
- 24 नवम्बर, 2015 को " बिहार में विकास के मुद्दे और वर्तमान विधानसभा चुनाव जनादेश" पर प्रो० नवल किशोर चौधरी का एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया.
- 17 मार्च, 2016 को " भारत में सामाजिक विज्ञान शोध के नीतिगत प्रभाव: अनुभूति, अपेक्षाएं तथा संस्तुतियां" शीर्षक पर विलियम जो का एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया.
- 18 मार्च, 2016 को " एक्ट लोकल, थिंक ग्लोबल : चेलेन्जेज एंड औपर्च्यूनीटीज" शीर्षक पर प्रतिमा मुनियप्पा प्रभात कुमार, ह्यूगो पेम्प्लिगिलोन द्वारा एक इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया. एमफिल डेजरटेशन एवेल्वेशन

❖ विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- श्री कमलाकांत पाठक ने 20-21, फरवरी 2016 को "आधुनिक भारत और उभरती विश्व व्यवस्था : पुराने मुद्दे और नई चुनौतियां" विषय पर बीएचयू, वाराणसी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "समकालीन शिक्षा प्रणाली: चुनौतियां और अनिवार्यता" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्री राहुल कुमार और सुश्री अंजू कुमारी ने 20-21, फरवरी 2016 को "आधुनिक भारत और उभरती विश्व व्यवस्था : पुराने मुद्दे और नई चुनौतियां" विषय पर बीएचयू, वाराणसी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की.

सुश्री सलमा ज़फर, एकीकृत एम.फिल. – पीएचडी

- दिनांक 25-27 अक्टूबर, 2015 को अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान एसोसिएशन के सम्मेलन "भारत में बदलती राजनीति" के एक हिस्से के रूप में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में सार्वजनिक नीतियों के राजनीतिकरण : संसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई) का केस स्टडी" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- ***22-24*** फरवरी, 2016 के दौरान श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी, तिरूपति में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस "मल्टीलेटरल कोऔपरेशन: इमर्जिंग ग्लोबल सीनेरियो" में "सब-रीजनल कोऔपरेशन एज अ फॉरेन पॉलिसी चोइस फॉर इंडिया: प्रोस्पेक्ट्स फॉर इंडिया-भूटान-नेपाल कोऔपरेशन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया.
- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता-सह-युवा विद्वानों की संगोष्ठी में "समुदाय, पहचान और व्यक्तिगत अधिकार" पर दूसरा पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

- सलमा जफर, "पश्चिम एशिया में तेल की राजनीति: एक दलदल" , विश्व फोकस, दिसंबर 2015।

- संयुक्त प्रकाशन: डॉ आलोक कुमार गुप्ता और सलमा जफर "भारत के लिए विदेश नीति की पसंद के रूप में उप क्षेत्रीय सहयोग: भारत-भूटान-नेपाल सहयोग के लिए संभावना", विश्व फोकस, नवम्बर, 2015।

(डी) सेन्टर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज

केंद्र समकालीन सामाजिक घटना को समझने के लिए छात्रों के लिए अनुकूल शैक्षणिक माहौल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो शास्त्रीय सामाजिक सोच, पारंपरिक वैदिक दर्शन और आधुनिक या उत्तर आधुनिक सोच /समाज के बीच तक फैले हुए हैं। केंद्र की दृष्टि क्षेत्र में लागू ज्ञान सृजन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अभिनय द्वारा विश्व स्तर पर मान्यता प्रदान किए जाने पर है।

इससे समाज की समस्याओं और जरूरतों के प्रति समझ बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसलिए, केंद्र अपने कार्यों और क्षेत्र के प्रति इस तरह दूरदर्शी है कि जो ऐसे प्रभावी पेशेवरों का निर्माण करेगा जो दुनिया भर में किसी भी विकास प्रयासों में प्रभावी नेतृत्व तथा कर्तृत्व के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर सकते हों! ।

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. सोशियोलॉजी
नियमित संकाय	6
अनुबंध पर	1
केंद्र/ विभागाध्यक्ष	डा. सनत कुमार शर्मा

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1.	डा. सनत कुमार शर्मा	सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	एम.ए., पीएचडी.	सोशियोलॉजिकल थ्योरीज सोशियोलॉजी ऑफ हेल्थ केयर, सोशियोलॉजी ऑफ पीस एंड कनफ्लिक्ट
2.	डा. अनिल कुमार सिंह झा	सह प्राध्यापक	एम.ए., एमफिल., पीएचडी.	सोशियोलॉजिकल थॉट्स जेंडर स्टडीज, आरसीएच
3.	डा. जितेन्द्र राम	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., एमफिल., पीएचडी.	दलित स्टडीज, सोशल स्ट्रेटीफिकेशन, सोशल एक्सक्लूशन, सोशियोलॉजिकल थ्योरीज
4.	डा. हरेश नारायण पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., एमफिल., पीएचडी.	ग्लोबलाइजेशन एंड मॉडर्नाइजेशन, डेवलपमेंट, कल्चर एंड आइडेंटिटी, सोशियोलॉजिकल थ्योरीज
5.	डा. पारिजात प्रधान	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., एमफिल., पीएचडी.	सोशल स्ट्रेटीफिकेशन, दलित स्टडीज, रूरल सोशियोलॉजी एंड पॉलिटिकल सोशियोलॉजी
6.	डा. प्रिय रंजन	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., एमफिल., पीएचडी.	सोशियोलॉजी ऑफ रिलिजन, सोशियोलॉजी ऑफ स्पिरिच्युलिटी, सोशियोलॉजी ऑफ एजुकेशन
7.	डा. अम्बरीश गौतम	सहायक प्राध्यापक	एम.ए., पीएचडी.	ग्लोबलाइजेशन ट्राइबल सोसाइटी, सोसाइटी इन इंडिया

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डा. सनत कुमार शर्मा

- "विश्वविद्यालय के छात्रों में एचआईवी के परीक्षण के लिए ज्ञान, दृष्टिकोण और स्वैच्छिक परामर्श", सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंधन खंड के जर्नल में प्रकाशित पेपर, टिग्रे, उत्तरी इथियोपिया" वॉल्यूम-2, अंक 2, अप्रैल-जून 2015 (आईएसएसएन नं. – 2394-272X)।
- "धन्य शहर काशी" शोध दर्पण – एक बहुअनुशासनात्मक अनुसंधान जर्नल, (छठे) वॉल्यूम में प्रकाशित पेपर, जून 2015 (आइएसएसएन नं. – 2231-1688)|

डा. अनिल कुमार सिंह झा

- वैश्विकरण और आदिवासी महिलायें, प्रकृति और समाज (आईएसएसएन – 2394-1340), वॉल्यूम – ii, सं. 2, अप्रैल-जून, 2015 (पीपी 28-36)

डा. जितेन्द्र राम

- लेख "जाति पदानुक्रम की समझ और बिहार में दलित", इंडियन जर्नल ऑफ़ दलित एंड ट्राइबल स्टडीज, खंड -4, अंक 1, जनवरी-जून, 2016, वाराणसी, आईएसएसएन : 2348-1757.

डा. पारिजात प्रधान

- "The समकालीन अनुसंधान के अंत: अनुशासनात्मक जर्नल, एक अंतरराष्ट्रीय संदर्भित शोध पत्रिका में "दलित अस्मिता की यात्रा", आईएसएसएन नं. – 2393-8358 ।
- "दलित महिला: त्रिस्तरीय भेदभाव के प्रकरण" शीर्षक से सामाजिक बुलेटिन के आगामी वॉल्यूम में आईएसएसएन सं. 0038-0229 के साथ प्रकाशन के लिए स्वीकृत ।

डा. प्रिय रंजन

- रंजन, प्रिया, 2015 में 'एक धार्मिक संस्था के रूप में आश्रम: एक सामाजिक परिप्रेक्ष्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोसाइटी एंड ह्युमिनिटीज, वॉल्यूम.6(1): 150-153.

डा. अम्बरीश गौतम

- गौतम, अम्बरीश, "झारखण्ड के आदिवासियों के हिन्दुवादीकरण: शुरुआत के बाद से एक रूपरेखा", अंतर्राष्ट्रीय मानव विज्ञान सोसाइटी, डीओआई-10.4172/2332-0915, फरवरी 2016, आईएसएसएन – 2332-0915.

पुस्तकें / बुक चेप्टर्स

डा. सनत कुमार शर्मा

- वाराणसी: एक दिव्य शहर: (2015) प्रकाशक: विजय प्रकाशन मंदिर (पी) लिमिटेड, सी.के. 15/5, बुलानला, वाराणसी-1, वेबसाइट: www.vpmbooks.com; आईएसबीएन : 978-93-84201-28-9

डा. अनिल कुमार सिंह झा

- पुनर्विचार लैंगिक समानता (आईएसबीएन: 978-81-7910-501-6), जयपुर, आविष्कार प्रकाशक, वितरक, 2015 ।
- जनजातीय महिलायें की गरिमा: परिवर्तन की चुनौतियाँ, सम्पादन-एस पी मीणा" भारतीय मानव जनजातियों के अधिकार: सदियों से परिदृश्य बदल रहा है" (आईएसबीएन: 978-93-82311-74-4), जोधपुर, रॉयल प्रकाशन, 2015 (पीपी 21-26).

डा. हरेश नारायण पाण्डेय

- वैश्विकरण और विकास नामक पुस्तक में "वैश्विकरण और शहर पहचान", मनीष कुमार वर्मा (सं.) पर एक अध्याय का योगदान (मांगा गया).
- वैश्विकरणिक पर्यावरण और सामाजिक न्याय पर एक पुस्तक में पर्यावरण और विकास पर एक अध्याय का योगदान दिया. मनीष कुमार वर्मा (सं.)(स्वीकृत)

शोध प्रकाशन

डा. अनिल कुमार सिंह झा

- राष्ट्रीय एकता में महिलायों की भूमिका, सम्पादन में –ए कुमार" भारत में राष्ट्रीय एकता: मुद्दे और चुनौतियाँ" (आईएसबीएन: 978-93-85437-04-5), नई दिल्ली: जगदंबा प्रकाशन कम्पनी, 2015 (पीपी 96-100)|

- मानवाधिकार और आदिवासी महिलायों की दुर्दशा, सम्पादन में, एस पी मीणा "मानव जनजातियों के अधिकार: समस्याएँ और परिप्रेक्ष्य" (आईएसबीएन: 978-81-7132-818-5), जयपुर, पॉइंटर पब्लिकेशन, 2015 (पीपी 116-125)।

- महिलायों की स्वच्छता और गरिमा का अधिकार, सम्पादन में – बिन्देश्वर पाठक "स्वच्छता का समाजशास्त्र: पर्यावरण स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक अभाव" (आईएसबीएन: 9789351280897), दिल्ली: क्ल्पाज प्रकाशन, 2015 (पीपी 92-101)।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सार

डा. पारिजात प्रधान

- 27-29 दिसम्बर, 2015 के दौरान कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी के तहत आयोजित अखिल भारतीय सामाजिक सम्मेलन में भाग लिया और "दलित महिलायें : डबल हाशिये पर एक केस अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 28-29 नवम्बर 2015 के दौरान डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी एवं पीएसीएस (सबसे गरीब क्षेत्रों में सिविल सोसाइटी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "दलित्स इन इंडिया : डिबेटिंग सबल्टरनेटी एंड एक्सक्लुजन में "दलितों के सामाजिक बहिष्कार: एक सामाजिक दृष्टिकोण" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. सनत कुमार शर्मा

- समाजशास्त्र परिषद विद्यांत हिन्दू महाविद्यालय, लखनऊ द्वारा 14 अक्टूबर, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "धर्म-शास्त्रों का सामाजिक जीवन में महत्व" के तहत "धर्म-शास्त्रों का सामाजिक जीवन में महत्व" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 16-17 अप्रैल, 2015 के दौरान राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "डा. बी.आर. अम्बेडकर के सभी समावेशी चिन्तन" में "अम्बेडकर के सामाजिक दर्शन " पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- समाजशास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 13-14 अक्टूबर, 2015 के दौरान "पर्यावरण आन्दोलन में महिलायों के योगदान" शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सामाजिक पारिस्थितिकी और भारत में पर्यावरण आन्दोलन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- समाजशास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 23-24 सितम्बर, 2015 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी" पेशे में युवा, नैतिकता और राजनीति" में "सामाजिक मूल्य: युवा चुनाव और राजनीति" एक पेपर प्रस्तुत किया।

डा. अनिल कुमार सिंह झा

- एसबीएस गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, रुद्रपुर द्वारा 06-07 दिसम्बर, 2015 को "भारत में राष्ट्रीय एकता : मुद्दे और चुनौतियाँ" शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "राष्ट्रीय एकता में महिलाओं की भूमिका" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डा. जितेन्द्र राम

- 24 से 26 अप्रैल, 2015 के दौरान सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूशन एंड इंक्लूसिव पालिसी, पटना यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "सोशल क्लोजर एंड पीपल ऑफ द मार्जिन" में सामाजिक : दलितों के सामाजिक बहिष्कार" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डा. हरेश नारायण पाण्डेय

- डिपार्टमेंट ऑफ़ सोशियोलॉजी, स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज, उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी (नैनीताल) द्वारा दिनांक 4-5 मार्च, 2016 के दौरान " ट्रेडिशनल नॉलेज एंड हेल्थ सीकिंग प्रेक्टिसेस अमंग द हिमालयन रीजन कम्युनिटीज" शीर्षक पर आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस के टेक्नीकल सेशन में रीसोर्स पर्सन के रूप में कार्य किया. दो दिवसीय इस सम्मलेन में " जेंडर एंड डेवलपमेंट : एन इन्क्वारी ऑफ़ ट्रेडिशनल एंड माडर्न नॉलेज प्रेक्टिस" पर एक आमंत्रित वार्ता भी प्रस्तुत की.

डा. अम्बरीश गौतम

- 7 अगस्त, 2015 को डिपार्टमेंट ऑफ़ वेलफेयर, गवमेंट ऑफ़ झारखण्ड तथा सेंटर फॉर इन्डाइजेनस कल्चर स्टडीज, सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ झारखंड, रांची के संयुक्त तत्वावधान में " इंटरनेशनल डे ऑफ़ वर्ल्ड इन्डाइजेनस पीपल इन 21स्ट सेंचुरी" शीर्षक पर आयोजित नेशनल सेमिनार में " छोटानागपुर : अ नोमेनक्लेचर इन कोंट्राडिक्शन" पर एक रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया.

- यूजीसी, नई दिल्ली तथा नीलाम्बर पीताम्बर यूनिवर्सिटी, मेदिनीनगर द्वारा प्रायोजित तथा सूरत पांडे डिग्री कॉलेज, गढ़वा में 10 फरवरी 2016 को "उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चयन : चुनौतियाँ एवं अवसर" शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में " भारत में उच्चतर शिक्षा में वैश्वीकरण की चुनौतियाँ : अभिशाप या वरदान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया.

❖ अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

डा. हरेश नारायण पाण्डेय

- सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ़ सोशल एक्सक्लूशन एंड इन्क्लूसिव पालिसी, फैकल्टी ऑफ़ सोशल साइंसेज, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) में एमफिल डीजर्टेशन " भारत में अल्पसंख्यक : पहचान एवं ख़ास बहिष्करण" शीर्षक पर बाह्य परीक्षक के तौर पर जनवरी, 2016 में योगदान दिया.

केमिस्ट्री

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	सपोर्ट्स बीएससी.बीएड. एंड बीएससी.एलएलबी प्रोग्राम
नियमित संकाय	2
अनुबंध पर	शून्य

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	डा. गिरीश चंद्रा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे	आर्गेनिक केमिस्ट्री, फोटोकेमिस्ट्री, मेडिसिनल केमिस्ट्री
2	डा. अमिय प्रियम	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता	इनआर्गेनिक केमिस्ट्री, नैनो केमिस्ट्री, स्पेक्ट्रोस्कोपी

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डा. गिरीश चंद्रा

- जी चन्द्रा, वाईडब्ल्यू मून, वाई ली, जेवाई जेंग, जे सोंग, ए नायक, एच.ओ. किम, " स्ट्रक्चर- एक्टिविटी रीलेशंशिप्स ऑफ़ नेप्लानोसिन ए एनेलोग्स एज एस-अडेनोसिल्होमोसीस्टीन हायड्रोलेज इन्हिबिटर्स एंड देयर एन्टीवाइरल एंटीट्यूमर एक्टिविटीज" जर्नल ऑफ़ मेडिसिनल केमेस्ट्री, 2015, 58 (12), 5108-5120. (इम्पेक्ट फैक्टर : 5.6)

डा. अमिय प्रियम

- एस. के. पात्रा, बी. भूषण एंड ए. प्रियम*,वाटर सोल्यूबल, ल्यूमिनिसेंट जिंक टीई क्वांटम डाट्स : सुपरस्टाउरेशन- कंट्रोल्ड सिंथेसिस एंड सेल्फ-एसेम्बली इनटू नैनोबाल्स, नैनोनेक्लेसेस एंड नैनोवायर्स,डाल्टन ट्रांजेक्शंस, ***2016, 45, 3918.***(इम्पेक्ट फैक्टर:***4.2***) डीओआई : ***10.1039/C5DT04142B***

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार

डा. अमिय प्रियम

- वाटर इन्ड्यूस्ड ट्यूनिंग ऑफ़ प्लाज्मोनिक प्रोपर्टीज इन पीईजिलेटेड सिल्वर नैनोक्रिस्टल्स रश्मि, ए सिंह, ए प्रियम*एंड ए.साहा, बिट्स पिलानी में 16-18 अक्टूबर,2015 के दौरान आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में नेसेंट डेवलपमेंट इन केमिकल साइंसेज (एनडीसीएस- 2015) पर प्रस्तुत किया.

- सिंगल स्टेप सिंथेसिस ऑफ़ एनिसोट्रोपिक सिल्वर नैनोक्रिस्टल्स : द रोल ऑफ़ हाइड्रोक्सी एसिड्स इन प्लाजमोन ट्यूनेबलिटी, बाय ए सिंह, रश्मि एंड ए प्रियम*, बिट्स पिलानी में 16-18 अक्टूबर,2015 के दौरान आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में नेसेंट डेवलपमेंट इन केमिकल साइंसेज (एनडीसीएस-2015) पर प्रस्तुत किया.

- होलो सिल्वर नैनोसेल्स: एसिटिक एसिड मेडीएटेड सिंथेसिस एंड प्लाज्मोन ट्यूनेबिलीटी, भवेश के. दधीच, ए प्रियम*एंड अभिजीत साहा, बिट्स पिलानी में 16-18 अक्टूबर,2015 के दौरान आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में नेसेंट डेवलपमेंट इन केमिकल साइंसेज (एनडीसीएस- 2015) पर प्रस्तुत किया.

- को- डोपिंग बाय रेयर अर्थ आयन्स फॉर एनहेंस्ड फंक्शनेलिटी ऑफ़ बिस्मुथ फेरिट मल्टीफेरोइक नैनोपार्टिकल्स, भव्या भूषण एंड ए प्रियम*, बिट्स पिलानी में 16-18 अक्टूबर,2015 के दौरान आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में नेसेंट डेवलपमेंट इन केमिकल साइंसेज (एनडीसीएस-2015) पर प्रस्तुत किया.

❖ प्राप्त सम्मान/पुरस्कार/फेलाशिप

डा. गिरीश चंद्रा

- संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल इंस्टीट्यूट, लखनऊ, यूपी में भटनागर सम्मान प्राप्त तथा विख्यात वैज्ञानिक प्रो० गणेश पी. पाण्डेय के साथ कार्य करने हेतु नेशनल एकेडमी ऑफ़ साइंस द्वारा समर रिसर्च फेलोशिप 2016 प्राप्त किया.

डा. अमिय प्रियम

- राष्ट्रपति भवन में मार्च- 2016 में आयोजित नेशनल इनोवेशन क्लब्स की बैठक में प्रतिभागिता हेतु राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा आमंत्रित.

❖ प्राप्त शोध परियोजना अनुदान

डा. गिरीश चंद्रा

- न्यू जेनेरेशन ऑफ़ फ्लुरो कार्बोसायक्लिक न्युक्लियोसाईड फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ हेपेटाइटिस सी.
  फंडेड बाय : डीएसटी अंडर फास्ट ट्रैक स्कीम
  अमाउंट : 21 लाख

डा. अमिय प्रियम

- सिंथेसिस ऑफ़ फोटोसेन्सिटाइजर- लोडेड मेटलिक नैनोसेल्स एंड प्लाज्मोनिक मोड्यूलेशन ऑफ़ सिंग्लेट ऑक्सीजन जेनेरशन: टूवार्ड्स डेवलपिंग अ नॉन- इनवेसिव, बायमोडल नैनो- थेरापेटिक टूल".
  फंडेड बाय : डीएसटी अंडर फास्ट ट्रैक स्कीम
  अमाउंट : 27 लाख

- "रेशनल डिजाइन ऑफ़ प्लाज्मोन-इंजीनियर्ड ल्यूमिनिसेंस अपकनवर्जन नैनोक्रिस्टल्स फॉर मल्टीमोडल इमेजिंग एंड थेरापी"
  फंडेड बाय : डीएसटी अंडर नैनो साइंस मिशन
  अमाउंट : 48.4 लाख

- "गामा रेडियोलाइटिक सिंथेसिस ऑफ़ ट्यूनेबल प्लाज्मोनिक नैनोमेटेरियल्स फॉर बायोजेनिंग एंड फोटोथर्मल थेरापी" फंडेड बाय : यूजीसी- डीएई-सीएसआर
  अमाउंट : 15 लाख

फिजिक्स

विभाग/केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	सपोर्ट्स बीएससी.बीएड. एंड बीएससी.एलएलबी प्रोग्राम
नियमित संकाय	2

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	डा. सुशांता दास	यूजीसी- सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	आयन-सरफेस इंटरेक्शंस, सरफेस साइंसेज, नैनोटेक्नोलॉजी
2	डा. अखिलानंद कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	सुपरकंडक्टिविटी

❖ प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्ज

डा. सुशांता दास

- स्टडी ऑफ़ इन्टेरेक्संस ऑफ़ स्लो हायली चार्ज्ड बिस्मुथ आयन्स विद जिंकआक्साइड नैनोरोड्स, **एस. दास**, एच. ओहासी एंड एन. नाकामुरा, ट्रांजेक्शंस ऑफ़ द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेटल्स **69 (5)**, 1087 (2016).

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार

डा. सुशांता दास

- एस. दास , एच. ओहासी एंड एन. नाकामुरा, इन्टेरेक्संस ऑफ़ स्लो हायली चार्ज्ड बिस्मुथ आयन्स विद जिंकआक्साइड नैनोरोड्स, नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट एड्वान्सेस इन साइंस एंड इंजीनियरिंग (आरएएसई 2016), इंडियन स्कूल ऑफ़ माइन्स (आईएसएम), धनबाद, इण्डिया, 28-29 मार्च, 2016. वार्ता भी प्रस्तूत की.

❖ सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. सुशांता दास

- 84वां ओरिएंटेशन प्रोग्राम, यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स सेंटर, रांची यूनिवर्सिटी, रांची, 3-30 दिसम्बर 2015.

पुस्तकालय

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार

डा. सुशांता दास

- अली, मो० अरशद तथा कमल, आशीष, "ई-रेसौर्स ऑफ सेंट्रल लाइब्रेरी एट सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ बिहार पटना कैंपस: ए केस स्टडी" , इन प्रोसीडिंग ऑफ़ ए नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन "इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्स मैनेजमेंट इन लाइब्रेरीज: ट्रेंड्स, इश्यूज एंड चैलेंजेज" , फरवरी 13-14, एनआईटी राउरकेला, ओडिशा. एस.एस. पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली, 2016. आईएसबीएन: 978-81-7000-807-1.

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

श्री अमरजीत कुमार सिंह

- सिंह, अमरजीत कुमार, एंड युवराज, एम. "इफेक्ट्स एंड मेसर्स ऑफ़ टेक्नोस्ट्रेस अमंग लाइब्रेरियंस इन सिलेक्टेड यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज़ ऑफ़ दिल्ली." लाइब्रेरी फिलोसोफी एंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल) (2015).

छात्र सांख्यिकी

31.03.2016 तक की स्थिति, संक्षिप्ताक्षर : पु = पुरुष , म = महिला , कु = कुल

कार्यक्रम	पु	म	कु	पु	म	कु	पु	म	कु	पु	म	कु
पांच वर्षीय एकीकृत बीए. एलएलबी (ऑनर्स)	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -VI**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	9	10	19	11	5	16	22	5	27	42	20	62
ओबीसी	7	3	10	6	1	7	8	3	11	21	7	28
एससी	1	0	1	0	0	0	5	1	6	6	1	7
एसटी	0	0	0	0	0	0	1	1	2	1	1	2
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	17	13	30	17	6	23	36	10	46	70	29	99
पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी.एलएलबी (ऑनर्स)	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -VI**			**सेमेस्टर -II**					
सामान्य		8	11	4	4	8	9	0	9	16	12	28
ओबीसी	2	0	2	4	1	5	7	1	8	13	2	15
एससी	2	0	2	0	0	0	2	3	5	4	3	7
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	8	8	16	8	5	13	18	4	22	34	17	51
चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए.बीएड	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -VI**			**सेमेस्टर -II**					
सामान्य	8	7	15	8	4	12	12	10	22	28	21	49
ओबीसी	6	4	10	5	5	10	13	3	16	24	12	36
एससी	2	1	3	0	1	1	5	2	7	7	4	11
एसटी	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	1
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	16	13	29	13	10	23	30	15	45	59	38	97
चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएससी. बीएड.	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -VI**			**सेमेस्टर -II**					
सामान्य	5	7	12	6	3	9	3	6	9	14	16	30
ओबीसी	1	3	4	6	5	11	3	6	9	10	14	24
एससी	1	2	3	2	1	3	2	1	3	5	4	9
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	7	12	19	14	9	23	8	13	21	29	34	63
बी. वोक (आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स)	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -VI**			**सेमेस्टर -II**					
सामान्य	0	0	0	0	0	0	0	7	7			
ओबीसी	0	0	0	0	0	0	2	2	4			

एससी	0	0	0	0	0	0	3	0	3			
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
कुल	0	0	0	0	0	0	5	9	14			
यूजी कुल	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -VI**			**सेमेस्टर -II**			**कुल योग**		
सामान्य	25	32	57	29	16	45	46	28	74	100	76	176
ओबीसी	16	10	26	21	12	33	33	15	48	70	37	107
एससी	6	3	9	2	2	4	17	7	24	25	12	37
एसटी	0	1	1	0	0	0	1	1	2	1	2	3
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	48	46	94	52	30	82	97	51	148	197	127	324
एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**					
सामान्य	6	6	12	1	5	6	7	11	18			
ओबीसी	6	4	10	0	2	2	6	6	12			
एससी	1	0	1	0	1	1	1	1	2			
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
कुल	13	10	23	1	8	9	14	18	32			
एमएससी बायोटेक्नोलोजी	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**					
सामान्य	5	8	13	1	8	9	6	16	22			
ओबीसी	2	4	6	1	6	7	3	10	13			
एससी	4	1	5	1	3	4	5	4	9			
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
कुल	11	13	24	3	17	20	14	30	44			
एमएससी लाइफ साइंस	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**					
सामान्य	1	9	10	8	6	14	9	15	24			
ओबीसी	2	2	4	2	4	6	4	6	10			
एससी	1	3	4		1	1	1	4	5			
एसटी	1	0	1	0	0	0	1	0	1			
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	1	0	1	0	0	0	1	0	1			
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0			
कुल	6	14	20	10	11	21	16	25	41			
एमएससी कम्प्यूटर साइंस	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**					
सामान्य	3	6	9	6	4	10	9	10	19			
ओबीसी	8	0	8	6	5	11	14	5	19			
एससी	2	1	3	0	1	1	2	2	4			
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0			

पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	13	7	20	12	10	22	25	17	42
एमटेक कम्प्यूटर साइंस	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	5	0	5	1		1	6	0	6
ओबीसी	7	1	8	4	1	5	11	2	13
एससी	3	0	3	1	0	1	4	0	4
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	15	1	16	6	1	7	21	2	23
एमएससी इनवायरनमेंटल साइंस	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	3	6	9	2	9	11	5	15	20
ओबीसी	3	3	6	1	6	7	4	9	13
एससी	3	3	6	0	1	1	3	4	7
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	9	12	21	3	16	19	12	28	40
एमएससी मेथेमेटिक्स	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	6	2	8	6	4	10	12	6	18
ओबीसी	9	0	9	8	6	14	17	6	23
एससी	2	0	2	0	1	1	2	1	3
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	17	2	19	14	11	25	31	13	44
एमएससी स्टेटिस्टिक्स	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	5	0	5	5	1	6	10	1	11
ओबीसी	2	1	3	2	0	2	4	1	5
एससी	0	0	0	1	0	1	1	0	1
एसटी	0	0	0		0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	7	1	8	8	1	9	15	2	17
एमए कम्युनिकेशन एंड मीडिया	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	4	13	17	9	9	18	13	22	35
ओबीसी	6	4	10	2	5	7	8	9	17
एससी	1	0	1	3	0	3	4	0	4
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	11	17	28	14	14	28	25	31	56

एमए डेवलपमेंट स्टडीज	सेमेस्टर -IV			सेमेस्टर -II			कुल		
सामान्य	1	5	6	0	0	0	1	5	6
ओबीसी	2	0	2	3	0	3	5	0	5
एससी	0	0	0	0	1	1	0	1	1
एसटी	1	0	1	0	0	0	1	0	1
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	1	0	1	0	0	0	1	0	1
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	5	5	10	3	1	4	8	6	14
एमए साइकोलॉजी	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	3	3	6	0	3	3	3	6	9
ओबीसी	0	1	1	1	0	1	1	1	2
एससी	0	0	0	1	0	1	1	0	1
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	3	4	7	2	3	5	5	7	12
एमए इकोनोमिक्स	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	1	2	3	1	2	3	2	4	6
ओबीसी	3	0	3	1	3	4	4	3	7
एससी	1	1	2	1	0	1	2	1	3
एसटी	0	0	0		0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	5	3	8	3	5	8	8	8	16
एमए पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	0	2	2	2	2	4	2	4	6
ओबीसी	0	0	0	3	0	3	3	0	3
एससी	0	1	1	0	0	0	0	1	1
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	0	3	3	5	2	7	5	5	10
एमए सोशियोलोजी	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	0	1	1	0	1	1	0	2	2
ओबीसी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
एससी	0	0	0	1	0	1	1	0	1
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	0	1	1	1	1	2	1	2	3

एमए इंग्लिश	सेमेस्टर -IV			सेमेस्टर -II			कुल		
सामान्य	3	4	7	1	4	5	4	8	12
ओबीसी	0	2	2	0	0	0	0	2	2
एससी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	3	6	9	1	4	5	4	10	14
एमए हिन्दी	**सेमेस्टर -IV**			**सेमेस्टर -II**			**कुल**		
सामान्य	0	0	0	1	1	2	1	1	2
ओबीसी	0	0	0	0	1	1	0	1	1
एससी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
एसटी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	0	0	0	1	2	3	1	2	3

पीजी कुल	सेमेस्टर -IV			सेमेस्टर -II			कुल			कुल		
सामान्य	46	67	113	44	59	103	90	126	216	90	126	216
ओबीसी	50	22	72	34	39	73	84	61	145	84	61	145
एससी	18	10	28	9	9	18	27	19	46	27	19	46
एसटी	2	0	2	0	0	0	2	0	2	2	0	2
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	2	0	2	0	0	0	2	0	2	2	0	2
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	118	99	217	87	107	194	205	206	411	205	206	411

इंटीग्रेटेड एमफिल- पीएचडी	सेमेस्टर -V			सेमेस्टर -IV			सेमेस्टर –II			कुल		
सामान्य	3	5	8	2	0	2	2	4	6	7	9	16
ओबीसी	4	0	4	2	1	3	0	1	1	6	2	8
एससी	3	0	3	2	0	2	2	0	2	7	0	7
एसटी	0	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	1
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	10	5	15	7	1	8	4	5	9	21	11	32

	कुल योग		
सामान्य	197	211	408
ओबीसी	160	100	260
एससी	59	31	90
एसटी	4	2	6
पीएच (सामजिक वर्ग के साथ)	3	0	3
अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)	0	0	0
कुल	423	344	767

छात्रवृत्ति/ विद्यार्थीवृत्ति

विश्वविद्यालय मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों हेतु विभिन्न समूहों में बड़ी संख्या में छात्रवृत्ति/ विद्यार्थीवृत्ति योजनायें प्रदान करता है जो निम्नलिखित है. वित्तीय सहयोग विद्यार्थियों को आर्थिक हालात एवं अन्य सबंधित पैरामीटर्स को जांचने के उपरान्त प्रदान किया जाता है:

अध्येतावृत्ति

इंटीग्रेटेड एमफिल – पीएचडी				
क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	उपयोगित अध्येतावृत्ति	जेआरएफ / एसआरएफ
एनवायरनमेंटल साइंस				
1	दिवाकर प्रकाश	सीयूबी 1403285002	लागू नहीं	एससी/एसटी के लिए आरजीएफ
2	प्रवीन कुमार	सीयूबी 1403285003	लागू नहीं	प्रोजेक्ट जेआरएफ
3	सन्नी कुमार	सीयूबी 1403285004	हाँ, 10 दिसम्बर,2015 से	यूनिवर्सिटी
कंप्यूटर साइंस				
1	शिखा अग्रवाल	सीयूबी 1402385001	लागू नहीं	डीएसटी
2	सुशांत कुमार	सीयूबी 1402385002	हाँ	यूनिवर्सिटी
बायोटेक्नोलॉजी				
1	अरविन्द कुमार	सीयूबी 1403185001	हाँ, 20 दिसम्बर,2015 से	यूनिवर्सिटी
2	घनश्याम कुमार सत्यापा	सीयूबी 1403185002	लागू नहीं	एससी/एसटी के लिए आरजीएफ
3	नादरा सदाफ़	सीयूबी 1403185003	हाँ	यूनिवर्सिटी
4	संतोष कुमार मिश्रा	सीयूबी 1403185004	हाँ	यूनिवर्सिटी
इकोनॉमिक्स				
1	अशी रूथ स्टुअर्ट	सीयूबी 1401285001	हाँ	यूनिवर्सिटी
डेवलपमेंट स्टडीज				
1	रमेश कुमार रजक	सीयूबी 1401185001	लागू नहीं	एससी/एसटी के लिए आरजीएफ
2	शरद कुमार शरिदेंदु	सीयूबी 1401185002	लागू नहीं	यूजीसी
हिन्दी				
1	आनंद कुमार पटेल	सीयूबी 1408285001	लागू नहीं	यूजीसी
2	सरस्वती शुक्ला	सीयूबी 1408285002	लागू नहीं	यूजीसी
मैथेमेटिक्स				
1	मृत्युंजय कुमार सिंह	सीयूबी 1402185001	हाँ	यूनिवर्सिटी
2	प्रदीप कुमार	सीयूबी 1402185002	हाँ	यूनिवर्सिटी
3	राजीव कुमार	सीयूबी 1402185003	हाँ	यूनिवर्सिटी
स्टेटिस्टिक्स				
1	पूजा कुशवाहा	सीयूबी 1402285001	हाँ	यूनिवर्सिटी

बायोटेक्नोलॉजी				
1	श्वेता रानी	सीयूएसबी1503175003	लागू नहीं	प्रोजेक्ट जेआरएफ
एनवायरनमेंटल साइंस				
1	अर्चिस्मन बराट	सीयूएसबी1503275001	हाँ	यूनिवर्सिटी
लाइफ साइंस				
1	आज़मी खान	सीयूएसबी1503175004	हाँ	यूनिवर्सिटी
बायोइन्फार्मेटिक्स				
1	राकेश कुमार	सीयूएसबी1503175001	हाँ	एससी/एसटी के लिए आरजीएफ
2	सोनू कुमार	सीयूएसबी1503175002	हाँ	
स्टेटिस्टिक्स				
1	विकास सिंह	सीयूएसबी1502275001	हाँ	यूनिवर्सिटी
पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस				
1	सलमा ज़फर	सीयूएसबी1501475001	हाँ	यूनिवर्सिटी

छात्रवृत्ति

(i) सीयूएसबीईटी/ सेमेस्टर टॉपर को मेधा छात्रवृत्ति:- विश्वविद्यालय प्रत्येक कार्यक्रम के तहत सीयूएसबीईटी/ सेमेस्टर टॉपर को निष्पादन आधारित मेधा छात्रवृत्ति प्रदान करता है। मेधा छात्रवृत्ति रू.1000 प्रति माह की दर से वर्तमान सत्र में न्यूनतम 75 प्रतिशत वर्ग उपस्थिति के आधार पर प्रदान किया जाता है।

सीयूएसबीईटी-2015 टॉपर्स (विषयवार टॉपर्स की सूची)
(सत्र: 2015-17/19/ 20)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम
1	शुभम कुमार मिश्रा	सीयूएसबी1511124041	बीए.बीएड – प्रथम सेमेस्टर
2	प्रीती दुबे	सीयूएसबी1511114013	बीएससी.बीएड – प्रथम सेमेस्टर
3	रोबिन विन्सेंट	सीयूएसबी1513125037	बीए.एलएलबी – प्रथम सेमेस्टर
4	शाश्वत तिवारी	सीयूएसबी1513115015	बीएससी.एलएलबी – प्रथम सेमेस्टर
5	प्रियंका कुमारी	सीयूएसबी1501112003	एमए डेवलपमेंट स्टडीज – प्रथम सेमेस्टर
6	सादिया अफज़ल	सीयूएसबी1501212006	एमए इकोनॉमिक्स – प्रथम सेमेस्टर
7	अंजू कुमारी	सीयूएसबी1501412001	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर – प्रथम सेमेस्टर
8	केशव कुमार	सीयूएसबी1501312001	एमए सोशियोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर
9	दिविता दीप्ति	सीयूएसबी1508112003	एमए इंग्लिश – प्रथम सेमेस्टर
10	ऋचा	सीयूएसबी1508212003	एमए हिन्दी – प्रथम सेमेस्टर
11	वैभव शेखर	सीयूएसबी1502112025	एमएससी मैथेमेटिक्स – प्रथम सेमेस्टर

12	प्रशांत शेखर	सीयूएसबी1502212005	एमएससी स्टेटिस्टिक्स – प्रथम सेमेस्टर
13	मीना शारदा	सीयूएसबी1502312013	एमएससी कंप्यूटर साइंस – प्रथम सेमेस्टर
14	शैलजा शेफाली	सीयूएसबी1503132016	एमएससी लाइफ साइंस – प्रथम सेमेस्टर
15	काश्फा सलीम	सीयूएसबी1503112005	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर
16	प्रिया कुमारी	सीयूएसबी1503122006	एमएससी बायोइन्फार्मेटिक्स – प्रथम सेमेस्टर
17	वर्षा गोस्वामी	सीयूएसबी1503212019	एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस – प्रथम सेमेस्टर
18	जया शुक्ला	सीयूएसबी1507112002	एमए साइकोलॉजी
19	साक्षी	सीयूएसबी1509112020	एमए कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज-प्रथम सेमेस्टर

सेमेस्टर टॉपर – चौथा सेमेस्टर, सत्र : 2013-17
(अवधि: जुलाई 2015 से दिसम्बर 2015)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम
1	अनुपम रवि	सीयूबी 1311124007	बीए.बीएड
2	रोहित कुमार	सीयूबी 1311114026	बीएससी.बीएड
3	अतुल रत्ना	सीयूबी 1313125009	बीए.एलएलबी
4	सान्या दरख़्शां	सीयूबी 1313115017	बीएससी.एलएलबी

सेमेस्टर टॉपर – पांचवां सेमेस्टर, सत्र : 2013-17
(अवधि : जनवरी 2016 से मई 2016)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम
1	**रौनक कुमार सिंह**	सीयूबी 1311124022	बीए.बीएड
2	**रोहित कुमार**	सीयूबी 1311114026	बीएससी.बीएड
3	**कृति सहाय**	सीयूबी 1313125013	बीए.एलएलबी
4	**सान्या** दरख़्शां	सीयूबी 1313115017	बीएससी.एलएलबी

सेमेस्टर टॉपर – द्वितीय सेमेस्टर, सत्र : 2014-17/19/20
(अवधि: जुलाई 2015 से दिसम्बर 2015)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम
1	आस्था प्रिया	सीयूबी 1411124001	बीए.बीएड
2	सुधा सिन्हा	सीयूबी 1411114018	बीएससी.बीएड
3	नवनीत कुमार	सीयूबी 1413125022	बीए.एलएलबी
4	श्रुति	सीयूबी 1413115027	बीएससी.एलएलबी

5	अद्रिजा	सीयूबी 1401112003	एमए डेवलपमेंट स्टडीज
6	रूबी चौधरी	सीयूबी 1401212009	एमए इकोनॉमिक्स
7	वंदना मिश्रा	सीयूबी 1401412004	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस
8	महादेवी भगवती	सीयूबी 1401312002	एमए सोशियोलॉजी
9	शब्दिता कल्याणी	सीयूबी 1408112013	एमए इंग्लिश

सेमेस्टर टॉपर – तीसरा सेमेस्टर, सत्र : 2014-17/19/20

(अवधि: जनवरी 2016 से मई 2016)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम
1	आस्था प्रिया	सीयूबी 1411124001	बीए.बीएड
2	सुधा सिन्हा	सीयूबी 1411114018	बीएससी.बीएड
3	नवनीत कुमार	सीयूबी 1413125022	बीए.एलएलबी
4	श्रुति	सीयूबी 1413115027	बीएससी.एलएलबी
5	अद्रिजा	सीयूबी 1401112003	एमए डेवलपमेंट स्टडीज
6	रूबी चौधरी	सीयूबी 1401212009	एमए इकोनॉमिक्स
7	वंदना मिश्रा	सीयूबी 1401412004	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस
8	अंजलिका श्रीवास्तवा	सीयूबी 1401412001	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस
9	पिंकी कुमारी	सीयूबी 1408112008	एमए इंग्लिश
10	शिशुकेश कुमार	सीयूबी 1407112007	एमए साइकोलॉजी
11	अंकिता	सीयूबी 1409112003	एमए कम्युनिकेशन एंड मीडिया
12	अविनीता गौतम	सीयूबी 1402112003	एमएससी मैथेमेटिक्स
13	विकाश कुमार ठाकुर	सीयूबी 1402212008	एमएससी स्टेटिस्टिक्स
14	फौजिया प्रवीन	सीयूबी 1403132001	एमएससी लाइफ साइंस
15	अमिता कुमारी	सीयूबी 1403212004	एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस
16	श्वेता कुमारी	सीयूबी 1403122021	एमएससी बायोइन्फार्मेटिक्स
17	ज़ेबा रिज्बी	सीयूबी 1403112025	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी

सेमेस्टर टॉपर – प्रथम सेमेस्टर, सत्र : 2015-17/19/20

(अवधि: जनवरी 2016 से मई 2016)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम
1	अंकिता कुमारी	सीयूएसबी 1502312005	एमएससी कंप्यूटर साइंस
2	शिव शंकर मिश्रा	सीयूएसबी 1502112023	एमएससी मैथेमेटिक्स

3	रविश कान्त	सीयूएसबी 1502212007	एमएससी स्टेटिस्टिक्स
4	अदिति अरोरा	सीयूएसबी 1503132001	एमएससी लाइफ साइंस
5	प्रिया रानी	सीयूएसबी 1503112013	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी
6	निजेता	सीयूएसबी 1503122005	एमएससी बायोइन्फार्मेटिक्स
7	वर्षा गोस्वामी	सीयूएसबी 1503212019	एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस
8	जया शुक्ला	सीयूएसबी 1507112002	एमए साइकोलॉजी
9	साक्षी	सीयूएसबी 1509112020	एमए कम्युनिकेशन एंड मीडिया
10	सुष्मिता मिश्रा	सीयूएसबी 1511124044	बीए.बीएड
11	रोमा कुमारी	सीयूएसबी 1511114018	बीएससी.बीएड
12	रोबिन विन्सेंट	सीयूएसबी 1513125037	बीए.एलएलबी
13	सौरभ प्रियादर्शी	सीयूबी 143115018 (पुनः प्रवेश)	बीएससी.एलएलबी
14	सत्या	सीयूएसबी 1512112010	बी.वोक (आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स)
15	नूर हसन	सीयूएसबी 1501112002	एमए डेवलपमेंट स्टडीज
16	सादिया अफज़ल	सीयूएसबी 1501212006	एमए इकोनॉमिक्स
17	अंजू कुमारी	सीयूएसबी 1501412001	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस
18	निभा कुमारी	सीयूएसबी 150312002	एमए सोशियोलॉजी
19	अदिति प्रिया	सीयूएसबी 1508112001	एमए इंग्लिश
20	प्रियंका कुमारी	सीयूएसबी 1508212002	एमए हिन्दी

(ii) **मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति (एमसीएम):** विश्वविद्यालय उन मेधावी विद्यार्थियों को मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति के द्वारा प्रोत्साहित करता है जिन्हें शिक्षार्जन हेतु वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती है। प्रत्येक कार्यक्रम के 20 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क माफी के रूप में यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति की रियायत ट्यूशन शुल्क के तहत होती है।

प्रथम सेमेस्टर (जुलाई – दिसम्बर, 2015, सत्र 2015-17)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम	श्रेणी	% #	प्रदान की गई राशि
1	अंजलि	सीयूबी1503112001	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर	ओबीसी	100%	3500/-
2	दरक्षण	सीयूबी 1503112003	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर	सामान्य	50%	1750/-
3	मुकेश कुमार	सीयूबी 1503112007	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर	ओबीसी	50%	1750/-
4	प्रेमलता कुमारी	सीयूबी 1503112012	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर	सामान्य	50%	1750/-

5	छवि	सीयूबी 1503212006	एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस - प्रथम सेमेस्टर	सामान्य	50%	1750/-
6	रक्षण अह्मद	सीयूबी 1503212013	एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस - प्रथम सेमेस्टर	सामान्य	50%	1750/-
7	अदिति अरोरा	सीयूबी 1503132001	एमएससी लाइफ साइंस - प्रथम सेमेस्टर	सामान्य	100%	2500/-
8	अभिषेक कुमार	सीयूबी 1502312001	एमएससी कंप्यूटर साइंस - प्रथम सेमेस्टर	ओबीसी	100%	2500/-
9	नेहा सिंह	सीयूबी 1502312015	एमएससी कंप्यूटर साइंस - प्रथम सेमेस्टर	सामान्य	100%	2500/-

 # % छात्रवृति की छूट प्रतिशतता

मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति सत्र 2015-16 हेतु (जुलाई 2015-जून 2016)

क्रं. सं.	नाम	नामांकन सं.	कार्यक्रम	छात्रवृति की छूट प्रतिशतता (50% / 100%)		प्रदान की गई राशि
				जुलाई - दिसम्बर 2015	जनवरी - जून 2016	
1	राजीव मनोहर	सीयूबी1408112009	एमए इंग्लिश, चौथा सेमेस्टर	100%	100%	5000
2	अनुराग यादव	सीयूएसबी 1513125011	बीए एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टर	50%	50%	2000
3	आदिल रज़ा	सीयूएसबी 1513125005	बीए एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टर	शून्य	50%	1000
4	केशव	सीयूएसबी 1513125019	बीए एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टर	50%	50%	2000
5	आशुतोष कुमार	सीयूएसबी 1513125013	बीए एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टर	शून्य	100%	2000
6	अमन कुमार	सीयूएसबी 1513115004	बीएससी एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टर	100%	100%	4000
7	विवेका कुमार	सीयूएसबी 1513115020	बीएससी एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टर	शून्य	100%	2000
8	राजू कुमार	सीयूएसबी 1513115010	बीएससी एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टर	शून्य	50%	1000

(iii) **अध्ययन सह उपार्जन योजना :** विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित और अनुसमर्थित करने तथा उनमें उत्तम सहयोग और नेतृत्व कौशल विकसित करने का लक्ष्य लिये यह विश्वविद्यालय की एक अद्भुत योजना है। इस योजना के अन्तर्गत किसी विद्यार्थी को प्रति सप्ताह अधिकतम दस घंटे का कार्य दिया जा सकता है। इसमें पुस्तकालय, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, सामान्य प्रयोगशाला, अध्यापक-कक्ष, विभाग/केन्द्र, कार्यालय, प्लेसमेंट प्रशाखा की खास आवश्यकताओं में सहयोग करना सम्मिलित है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को अनुभव प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाता है।

अध्ययन सह उपार्जन योजना (सत्र - 2015-17)

क्र.सं.	कार्यक्रम	विद्यार्थी का नाम	श्रेणी	नामांकन संख्या	समिति की सिफारिश
1	एम.एससी. कंप्यूटर साइंस – प्रथम सेमेस्टर	दीपक कुमार विश्वकर्मा	ओबीसी	सीयूएसबी150231 2010	अर्न व्हाइल यू लर्न के तहत कार्य संस्तुति

(iv) **उपस्थिति आधारित मेधा छात्रवृत्ति :** विश्वाविद्यालय उन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित और अनुसमर्थित करता है जिनकी उपस्थिति सेमेस्टर अवधि में शत-प्रतिशत होती है। ऐसे सभी विद्यार्थियों को एकमुश्त 1000/- रू0 पुस्तक अनुदान के रूप में भुगतान किया जाता है।

क्र.सं.	कार्यक्रम	विद्यार्थी का नाम	जीपीए	उपस्थिति (जनवरी से मई, 2015)
सत्र- 2014-16				
1	एमएससी मैथेमेटिक्स – द्वितीय सेमेस्टर	अविनीता गौतम नामांकन सं. सीयूबी1402112003	8.60	100%
2		सुजीत कुमार, नामांकन सं. सीयूबी 1402112018	7.80	100%
सत्र- 2014-16				
क्र.सं.	**कार्यक्रम**	**विद्यार्थी का नाम**	**जीपीए**	**उपस्थिति (जुलाई से दिसम्बर, 2015)**
3	एमएससी मैथेमेटिक्स – तीसरा सेमेस्टर	सुजीत कुमार, नामांकन सं. सीयूबी 1402112018	7.20	100%
सत्र - 2015-17				
क्र.सं.	**कार्यक्रम**	**विद्यार्थी का नाम**	**जीपीए**	**उपस्थिति (जुलाई से दिसम्बर, 2015)**
4	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर	दरख़्शां, नामांकन सं. सीयूएसबी 1503112003	8.00	100%
5		नेहा नामांकन सं. सीयूएसबी 1503112011	7.33	100%
6	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी – प्रथम सेमेस्टर	शिखा सिंह नामांकन सं. सीयूएसबी 1502112022	6.60	100%

प्लेसमेंट्स / फेलोशिप्स

जॉब प्लेसमेंट्स

क्रं. सं.	विद्यार्थियों का नाम	पाठ्यक्रम	संगठन
1	श्री मो. अजहरुद्दीन	एमएससी मेथेमेटिक्स	अजीम प्रेमजी फ़ौंडेशन
2	श्री अभिनय कुमार	एमएससी मेथेमेटिक्स	अजीम प्रेमजी फ़ौंडेशन
3	सुश्री अविनीता गौतम	एमएससी मेथेमेटिक्स	अजीम प्रेमजी फ़ौंडेशन
4	श्री पुष्प रंजन सिंह	एमएससी मेथेमेटिक्स	अजीम प्रेमजी फ़ौंडेशन
5	श्री राजीव मनोहर	एमए अंग्रेजी	अजीम प्रेमजी फ़ौंडेशन
6	सुश्री साइमा तौहीद	एमए मास कम्युनिकेशन	केयर इंडिया (एनजीओ)
7	सुश्री श्वेता सुरभि	एमए मास कम्युनिकेशन	केयर इंडिया (एनजीओ)
8	श्री रवि प्रकाश गुप्ता	एमए मास कम्युनिकेशन	केयर इंडिया (एनजीओ)
9	श्री शिवम् रस्तोगी	एमए मास कम्युनिकेशन	केयर इंडिया (एनजीओ)
10	श्री सुरजीत गोयल	एमए मास कम्युनिकेशन	केयर इंडिया (एनजीओ)
11	श्री विजेंद्र दुबे	एमए मास कम्युनिकेशन	केयर इंडिया (एनजीओ)
12	सुश्री प्रियंका कुमारी	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस	केयर इंडिया (एनजीओ)
13	सुश्री नीतू कुमारी	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस	केयर इंडिया (एनजीओ)
14	सुश्री अनुष्का	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस	केयर इंडिया (एनजीओ)
15	श्री रामानंद	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस	केयर इंडिया (एनजीओ)
16	श्री फैज सिद्दीकी	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस	केयर इंडिया (एनजीओ)
17	श्री आर्या भारती	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	केयर इंडिया (एनजीओ)
18	श्री विजेंद्र दुबे	एमए मास कम्युनिकेशन	गांधी फेलोशिप
19	सुश्री अपराजिता पाठक	एमए मास कम्युनिकेशन	गांधी फेलोशिप
20	श्री रवि प्रकाश गुप्ता	एमए मास कम्युनिकेशन	गांधी फेलोशिप
21	सुश्री वाली सबीना	एमए मास कम्युनिकेशन	गांधी फेलोशिप
22	श्री अनुराग कुमार मिश्रा	एमए मास कम्युनिकेशन	गांधी फेलोशिप
23	सुश्री कुमारी कोमल	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	गांधी फेलोशिप
24	सुश्री अंजली पाण्डेय	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	गांधी फेलोशिप
25	श्री अभिनय कुमार	एमएससी मेथेमेटिक्स	गांधी फेलोशिप
26	सुश्री अर्चिता	एमए मास कम्युनिकेशन	आईबीए न्यूज
27	सुश्री अनामिका	एमए मास कम्युनिकेशन	आईबीए न्यूज
28	सुश्री टीयाषा	एमए मास कम्युनिकेशन	आईबीए न्यूज
29	श्री अजित	एमए मास कम्युनिकेशन	आईबीए न्यूज
30	श्री निशांत	एमए मास कम्युनिकेशन	आईबीए न्यूज
31	श्री अनुराग कुमार मिश्रा	एमए मास कम्युनिकेशन	प्रभात खबर, रांची
32	श्री अमानत अंसारी	एमए मास कम्युनिकेशन	आज समाज, लुधियाना
33	सुश्री श्रीमी सिन्हा	एमए मास कम्युनिकेशन	राष्ट्रीय सहारा
34	सुश्री रुचि कुमारी	एमए मास कम्युनिकेशन	राजस्थान पत्रिका
35	सुश्री अपराजिता पाठक	एमए मास कम्युनिकेशन	ऑक्सीजन, एनजीओ
36	सुश्री शिल्पी सिन्हा	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	भारती फ़ौंडेशन एयरटेल सेन्टर, गुरुग्राम (गुड़गांव)
37	सुश्री नेहा कुमारी	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	एजुकेशन क्वालिटी फ़ौंडेशन ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली
38	श्री के. एम. वैशाख	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	अतिथि व्याख्याता, कालीकट यूनिवर्सिटी, केरल

फेलोशिप्स

फेलोशिप- एसआरएफ/ जेआरएफ/ नेट			
क्रं. सं.	**विद्यार्थी का नाम**	**पाठ्यक्रम**	**फेलोशिप का नाम**
1	श्री राकेश कुमार	एमफिल- पीएचडी बायोइंफॉर्मेटिक्स – 2015	राजीव गांधी नेशनल फेलोशिप - 2016
2	श्री सोनू कुमार	एमफिल- पीएचडी बायोइंफॉर्मेटिक्स – 2015	राजीव गांधी नेशनल फेलोशिप - 2016
3	सुश्री पुष्पा कुमारी शर्मा	एमएससी बायोटेक्नोलोजी (2013-15)	सीएसआईआर नेट/ जेआरएफ दिसंबर 2015
4	सुश्री श्वेता रानी	एमफिल- पीएचडी बायोटेक्नोलोजी – 2015	सीएसआईआर नेट/ जेआरएफ दिसंबर 2015
5	श्री घनश्याम कुमार सत्यपाल	एमफिल- पीएचडी बायोटेक्नोलोजी – 2014	सीएसआईआर नेट/ जेआरएफ दिसंबर 2015
6	श्री गौरव कुमार	एमएससी बायोटेक्नोलोजी (2014-16)	गेट – 2016
7	सुश्री नेहा	एमएससी बायोटेक्नोलोजी (2014-16)	गेट – 2016
8	सुश्री जेबा रिजवी	एमएससी बायोटेक्नोलोजी (2014-16)	गेट – 2016
9	सुश्री फौजिया परवीन	एमएससी लाइफ साइंस (2014-16)	गेट – 2016
10	सुश्री मोनालिसा	एमएससी लाइफ साइंस (2014-16)	गेट – 2015
11	सुश्री रिनी राहुल	एमएससी लाइफ साइंस (2014-16)	गेट – 2015
12	सुश्री सोनिया बसाक	एमएससी लाइफ साइंस (2012-14)	सीएसआईआर- यूजीसी नेट -2015
13	सुश्री रूपम भारती	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस (2012-14)	यूजीसी-नेट (जून 2015)
14	श्री शरदेन्दु कुमार	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस (2012-14)	यूजीसी-नेट (जून 2015)
15	श्री अर्चिस्मन बराट	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस (2013-15)	यूजीसी- नेट-जेआरएफ (जून 2015) एंड आईसीएआर नेट (दिसंबर 2015)
16	श्री रचना सिंह	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस (2013-15)	आईसीएआर नेट (दिसंबर 2015)
17	श्री मो. आफताब आलम	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस (2013-15)	यूजीसी-नेट (जून 2015 एंड दिसंबर 2015) /रीसर्च असिस्टेंट, यूनिसेफ प्रोजेक्ट, ए.एन. कॉलेज, पटना (सितम्बर, 2015)
18	श्री कुमार भास्कर	एमएससी एनवायर्नमेंटल साइंस (2013-15)	रीसर्च असिस्टेंट, यूनिसेफ प्रोजेक्ट, ए.एन. कॉलेज, पटना (सितम्बर, 2015)
19	श्री मो. नूर आलम	एम.टेक कम्प्यूटर साइंस	गेट - 2016 (एआईआर - 4124)
20	श्री परितोष कुमार	एम.टेक कम्प्यूटर साइंस	गेट - 2016 ((एआईआर - 4370), सीबीएससी- नेट में भी उत्तीर्ण
21	श्री अब्दुल मुकुसित आलम	एम.टेक कम्प्यूटर साइंस	गेट - 2016 (एआईआर - 7345)
22	सुश्री प्रियंका कुमारी	एम.टेक कम्प्यूटर साइंस	गेट - 2016 (एआईआर - 7623)
23	श्री आशीष रंजन	एम.टेक कम्प्यूटर साइंस	गेट - 2016 (एआईआर - 9182)
24	श्री गौतम कुमार	एम.टेक कम्प्यूटर साइंस	गेट - 2016 (एआईआर - 10613)
25	श्री उत्तम कुमार	एम.टेक कम्प्यूटर साइंस	गेट - 2016 (एआईआर - 11749)
31	श्री सुरजीत कुमार	एमएससी मेथेमेटिक्स	गेट - 2016
26	श्री धनंजय कुमार	एमए इकोनोमिक्स (2013-15)	यूजीसी नेट/जेआरएफ – 2015
27	श्री संदीप कुमार	एमए इकोनोमिक्स (2014-16)	यूजीसी नेट- 2015
28	सुश्री प्रगति पल्लवी	एमए मास कम्युनिकेशन (2012-14)	यूजीसी नेट- 2015
29	श्री हेमंत दुबे	एमफिल- पीएचडी पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर	यूजीसी नेट/जेआरएफ – 2015, पीएचडी जेएनयू
30	सुश्री सलमा ज़फर	एमफिल- पीएचडी पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर	यूजीसी नेट/जेआरएफ – 2015

नियुक्तियां / भर्तियाँ

(ए) **1.** नियमित आधार पर संकायगणों की नियुक्ति

स्कूल ऑफ एजुकेशन

सेंटर फॉर एजुकेशन

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. रेखा अग्रवाल	प्राध्यापक	17.12.2015
2	डा. तपन कुमार बसंतिया	सह प्राध्यापक	06.01.2016

स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज

सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज (बायोइंफॉर्मेटिक्स)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. रवींद्र नाथ सिंह राठौर	प्राध्यापक	06.01.2016
2	डा. आशीष शंकर	सह प्राध्यापक	21.12.2015
3	डा. अजय कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	08.02.2016

सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज (बायोटेक्नोलॉजी)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. राकेश कुमार सिंह	प्राध्यापक	11.01.2016

सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज (लाइफ साइंस)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	प्रो. वी एलेंगोवन	प्राध्यापक	11.01.2016
2	डा. मनोज पंचाल	सहायक प्राध्यापक	16.12.2015*

* प्रारम्भिक कार्यग्रहण 25.07.2016 को तथा उसके उपरान्त 17.07.2014 से 15.12.2015 तक स्वीकृत बिना वेतन पर असाधारण अवकाश से लौटने पर

डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. हरे कृष्ण निगम	सह प्राध्यापक	09.03.2016

डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस (एमएससी)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	श्री पीयूष कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	01.03.2016

स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंस

सेंटर फॉर साइकोलोजिकल साइंसेज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	सुश्री चेतना जायसवाल	सहायक प्राध्यापक	30.12.2015

स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	प्राध्यापक	06.01.2016
2	डा. पवन कुमार मिश्रा	सह प्राध्यापक	22.12.2015
3	डा. दिग्विजय सिंह	सहायक प्राध्यापक	17.12.2015
4	श्री देव नारायण सिंह	सहायक प्राध्यापक	17.12.2015

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. श्यामानंद सिंह	प्राध्यापक	21.12.2015
2	डा. प्रवीण कुमार	सह प्राध्यापक	08.01.2016

सेंटर फॉर सोशियोलोजिकल स्टडीज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. सनत कुमार शर्मा	सह प्राध्यापक	21.12.2015
2	डा. अनिल कुमार सिंह झा	सह प्राध्यापक	28.12.2015
3	डा. पारिजात प्रधान	सहायक प्राध्यापक	21.12.2015
4	डा. प्रिय रंजन	सहायक प्राध्यापक	22.12.2015

सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. समापिका मोहापात्रा	सह प्राध्यापक	10.02.2016
2	श्री अहमदुल कबीर एपी	सहायक प्राध्यापक	23.12.2015

सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. रिकिल चिर्मांग	सहायक प्राध्यापक	12.03.2016
2	डा. संजय कुमार	सहायक प्राध्यापक	16.03.2016

स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर

सेंटर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज (अंग्रेज़ी)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. अपर्णा झा	सहायक प्राध्यापक	28.12.2015
2	डा. सरोज कुमार	सहायक प्राध्यापक	04.01.2016
3	श्री अभय लियोनार्ड एक्का	सहायक प्राध्यापक	09.01.2016

सेंटर फॉर इंडियन लेंग्वेजेज (हिन्दी)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. रवींद्र कुमार पाठक	सह प्राध्यापक	08.01.2016

स्कूल ऑफ मीडिया आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स

सेंटर फॉर मॉस कम्म्युनिकेशन एंड मीडिया

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. अतीश पराशर	सह प्राध्यापक	29.02.2016
2	डा. अनीन्द्य देब	सहायक प्राध्यापक	25.02.2016
3	डा. रवि सूर्यवंशी	सहायक प्राध्यापक	29.02.2016

(ए) 2. पुनः नियुक्ति/ संविदा पर संकायगणों की नियुक्ति

स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर

सेंटर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	प्राध्यापक (आर)	23.12.2015
2	सुश्री ब्यूटी यादव	सहायक प्राध्यापक (सी)	28.09.2015
3	डा. आशीष कुमार पाठक	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015
4	सुश्री रिचा	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज

सेंटर फॉर साइकोलोजिकल साइंसेज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. तेज बहादुर सिंह	प्राध्यापक (आर)	17.12.2015

स्कूल ऑफ मीडिया आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स

सेंटर फॉर मॉस कम्म्युनिकेशन एंड मीडिया

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. अनिंद्य देब	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

सेंटर फॉर सोशियोलोजिकल स्टडीज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. अम्बरीश गौतम	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीज

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. तोफन पात्रा	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	श्री अहसान रशीद	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज

सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज (लाइफ साइंस)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. अमित रंजन	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस

डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	श्री तारोक प्रामाणिक	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

स्कूल ऑफ एजुकेशन

सेंटर फॉर एजुकेशन

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. शाम्भवी कुमारी	सहायक प्राध्यापक (सी)	03.09.2015/07.01.2016
2	डा. रजनीश कुमार	सहायक प्राध्यापक (सी)	03.09.2015/07.01.2016

इतिहास

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	डा. सुधांशु कुमार झा	सहायक प्राध्यापक (सी)	15.06.2015/31.12.2015

(बी) गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति

सांविधिक पद

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1	कुलपति	प्रो. हरीश चन्द्र सिंह राठौर	05.08.2015
2	प्रति- कुलपति	प्रो. ओमप्रकाश राय	11.03.2016
3	कुलसचिव	डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	23.02.2016
4	वित्त अधिकारी	श्री गिरीश रंजन	29.02.2016
5	परीक्षा नियंत्रक	श्री प्रणब कुमार सरकार	30.03.2016

वित्त एवं लेखा

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा सामान्य विकासात्मक सहयोग के तहत वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्राप्त निधि एवं व्यय का ब्यौरा निम्नांकित है :

क्रम सं.	प्राप्ति	राशि (रू. लाख में)
1	प्रारम्भिक शेष 1-4-2015 को	Rs. 10919.40
2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	Rs. 6000.00
3	आन्तरिक प्राप्तियाँ	Rs. 954.52
	कुल प्राप्तियाँ	Rs. 17873.92

क्रम सं.	व्यय	राशि (रू. लाख में)
1	रेकरिंग व्यय	Rs. 747.01
2	वेतन व्यय	Rs. 1118.91
3	पूंजी व्यय	Rs. 7223.22
	कुल व्यय	Rs. 9089.14
	अंतिम शेष	Rs. 8784.78
	कुल	Rs. 17873.92

- इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय ने रू. 2218/- (लाख) पंचानपुर, गया स्थित सैन्य जमीन को खरीदने की प्रतिपूर्ति हेतु प्राप्त हुआ है।

विश्विद्यालय के सांविधिक प्राधिकार

प्रथम कोर्ट के सदस्यगण

- श्रीमती मीरा कुमार, कुलाधिपति एवं अध्यक्ष
- प्रो. एच. सी. एस. राठौर, कुलपति, सीयूएसबी
- प्रो. ए. लक्ष्मीनाथ, कुलपति, सीएनएलयू, पटना
- प्रो. अशोक डे, निदेशक, एनआईटी- पटना
- प्रो. डी. एम. दिवाकर, पूर्व निदेशक, एएनआईएसएस, पटना
- प्रो. गिरीश कुमार सिंह, निदेशक, एम्स, पटना
- डा. सिस्टर डोरिस डिसूजा ए. सी., पूर्व प्राचार्य, पटना वीमेंस कॉलेज
- प्रो. अजय कुमार सिंह, सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं पूर्व अध्यक्ष, इतिहास विभाग, पटना यूनिवर्सिटी
- डा. शुक्ला मोहंती, प्रति- कुलपति, कोल्हन यूनिवर्सिटी, झारखण्ड
- डा. मोहम्मद ज़कारिया, प्राचार्य, करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर
- प्रो. ललन प्रसाद सिंह, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, मगध यूनिवर्सिटी, बोधगया
- प्रो.अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ केमेस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद
- श्री आनंद कुमार, निदेशक सुपर 30, पटना
- श्री वेंकट शिवा प्रसाद मत्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, आंध्रप्रदेश
- श्री मेराजोथू सूर्य नाइक, एडवोकेट, हैदराबाद
- श्री तापस कुमार मित्रा, प्रेसीडेंट, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, जमशेदपुर
- श्री हरकारा वेणुगोपाल राव, सामाजिक कार्यकर्ता, सिकंदराबाद
- श्री ब्रह्मदेव आनंद पासवान, पूर्व राज्यसभा सांसद, पटना
- डा. इम्तियाज अहमद, पूर्व निदेशक, खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना
- डा. जन्द्याला प्रभाकर राव, प्राध्यापक, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद
- श्री सतीश चन्द्र मिश्रा, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया
- श्री कुशल हांसदा, महासचिव, अंतर्राष्ट्रीय संथाल परिषद्, जमशेदपुर
- श्री अभयानंद, पूर्व आईपीस, बिहार सरकार
- प्रो. आर. पी. शास्त्री, पूर्व अध्यक्ष, संगीत विभाग, बीएचयू
- प्रो. संतोष सी. पांडा, निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- पद्मश्री (श्रीमती) शारदा सिन्हा, अध्यक्ष, संगीत विभाग, वीमेंस कॉलेज समस्तीपुर
- प्रो. पी.पी.घोष, निदेशक, एडीआरआई, पटना
- प्रो. वाई. सी. सिम्हाद्री, कुलपति, पटना यूनिवर्सिटी
- श्री प्रणव झा, सामजिक कार्यकर्ता, बोकारो स्टील सिटी, झारखण्ड
- श्री अब्बीरेड्डी अप्पारेड्डी, सामजिक कार्यकर्ता, काकीनाडा, आंध्रप्रदेश
- प्रो. टी. एम. मोहापात्रा, ओएसडी, इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीएचयू, वाराणसी
- डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल, कुलसचिव, सीयूएसबी- सदस्य सचिव

विश्विद्यालय के सांविधिक प्राधिकार

कार्यकारी परिषद् के सदस्यगण

- प्रो. एच. सी. एस. राठौर, कुलपति, सीयूएसबी एवं अध्यक्ष
- श्री विनयशील ओबेरॉय,सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
- प्रो.सी.पी.एस.चौहान,पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़(यूपी)
- डा. धर्मेन्द्र सिंह गंगवार, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना
- डा. शुक्ला मोहंती, प्रति- कुलपति, कोल्हन यूनिवर्सिटी, झारखण्ड
- प्रो. ओमप्रकाश राय, प्रति- कुलपति, सीयूएसबी
- प्रो. रेखा अग्रवाल, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
- प्रो. श्यामानंद सिंह, डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
- प्रो. राकेश कुमार सिंह, अध्यक्ष, सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, सीयूएसबी
- डा. प्रधान पार्थ सारथी, अध्यक्ष, सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल साइंस, सीयूएसबी
- डा. विवेक कुमार जैन, सहायक प्राध्यापक, डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स, सीयूएसबी
- डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल, कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

शैक्षणिक परिषद् के सदस्यगण

- प्रो. एच. सी. एस. राठौर, कुलपति, सीयूएसबी
- प्रो. ओमप्रकाश राय, प्रति- कुलपति, सीयूएसबी
- प्रो. जयप्रकाश शर्मा, पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- प्रो. आनंद कुमार श्रीवास्तव, डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिक्स, आइआइटी (बीएचयू), वाराणसी, यूपी
- प्रो. श्याम बिहारी द्विवेदी, डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, वाराणसी, यूपी
- प्रो. बलराज मित्तल, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, संजय गांधी पीजी इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ, यूपी
- प्रो. लाल बहादुर, डिपार्टमेंट ऑफ केमेस्ट्री, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, यूपी
- प्रो. एस. के. सिंह, अध्यक्ष एवं डीन, स्कूल ऑफ मेनेजमेंट स्टडीज, बीएचयू, वाराणसी, यूपी
- प्रो. रेखा अग्रवाल, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
- प्रो. श्यामानंद सिंह, डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
- प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव, डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
- प्रो. रवींद्र सिंह राठौर, डीन, स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज, सीयूएसबी
- प्रो. अरूण कुमार सिन्हा, डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स,स्टेटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस, सीयूएसबी
- प्रो. तेजबहादुर सिंह, डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज, सीयूएसबी

विश्विद्यालय के सांविधिक प्राधिकार

- प्रो. प्रभात कुमार सिंह, डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर, सीयूएसबी
- प्रो. राकेश कुमार सिंह, अध्यक्ष, सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज, सीयूएसबी
- प्रो. शंकर कुमार भौमिक, अध्यक्ष, सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पालिसी, सीयूएसबी
- डा. प्रधान पार्थ सारथी, अध्यक्ष, सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल साइंस, सीयूएसबी
- डा. सनत कुमार शर्मा, अध्यक्ष, सेंटर फॉर सोशिओलोजिकल स्टडीज, सीयूएसबी
- डा. समापिका मोहापात्रा, अध्यक्ष, सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, सीयूएसबी
- डा. अतीश पराशर, सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया, सीयूएसबी
- डा. हरे कृष्ण निगम, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स, सीयूएसबी
- डा. राम कुमार, सह प्राध्यापक, सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल साइंस, सीयूएसबी
- डा. आलोक कुमार गुप्ता, सह प्राध्यापक, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, सीयूएसबी
- डा. कौशल किशोर, सह प्राध्यापक, सेंटर फॉर एजुकेशन, सीयूएसबी
- डा. पवन कुमार मिश्रा, सह प्राध्यापक, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
- सुश्री स्मिता रॉय, सहायक प्राध्यापक, डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस, सीयूएसबी
- डा. कृष्ण प्रकाश, सहायक प्राध्यापक, सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज, सीयूएसबी
- डा. किंशुक पाठक, सहायक प्राध्यापक, सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया, सीयूएसबी
- डा. दास अम्बिका भारती, सेंटर फॉर साइकोलोजिकल साइंसेज, सीयूएसबी
- डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर पूर्व से नामित डा. सनत कुमार शर्मा
- प्रॉक्टर पूर्व से नामित डा. कौशल किशोर
- डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल, कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

वित्त समिति के सदस्यगण

- प्रो. एच. सी. एस. राठौर, कुलपति, सीयूएसबी
- प्रो. ओमप्रकाश राय, प्रति- कुलपति, सीयूएसबी
- श्री आर. डी. सहाय, पूर्व संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
- श्री आर. के. वर्मा, आईए एंड एएस, वित्त अधिकारी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- प्रो.सी.पी.एस.चौहान,पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़(यूपी)
- संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, एमएचआरडी या उनका/ उनकी नामिती जो एमएचआरडी के वित्तीय ब्यूरो से उप सचिव के रैंक से नीचे का ना हो
- संयुक्त सचिव (सीयू एंड एल), एमएचआरडी या उनका/ उनकी नामिती जो एमएचआरडी के प्रशासनिक ब्यूरो से उप सचिव के रैंक से नीचे का ना हो
- संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी या यूजीसी के चेयरमैन द्वारा नामित कोई अन्य संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी
- श्री गिरीश रंजन, वित्त अधिकारी, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

सांविधिक प्राधिकारों की बैठकें (01.04.2015 to 31.03.2016)

प्रथम कोर्ट बैठक

क्रं.सं.	बैठक सं.	तिथि	स्थल
1	द्वितीय	08.12.2015	होटल चाणक्या, पटना

कार्यकारी परिषद् बैठकें

क्रं.सं.	बैठक सं.	तिथि	स्थल
1	24 वीं	04.07.2015	सीयूएसबी कॉन्फ्रेंस हॉल, पटना
2	25 वीं	07.12.2015	सीयूएसबी कॉन्फ्रेंस हॉल, पटना
3	26 वीं	21.02.2016	होटल चाणक्या, पटना

शैक्षणिक परिषद् बैठकें

क्रं.सं.	बैठक सं.	तिथि	स्थल
1	14 वीं	11.02.2016	सीयूएसबी कॉन्फ्रेंस हॉल, पटना

वित्त समिति बैठकें

क्रं.सं.	बैठक सं.	तिथि	स्थल
1	15वीं	03.07.2015	सीयूएसबी कॉन्फ्रेंस हॉल, पटना
2	16वीं	30.09.2015	सीयूएसबी कॉन्फ्रेंस हॉल, पटना
3	17वीं	24.11.2015	एआईयू कॉन्फ्रेंस हॉल, नई दिल्ली